



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 10, 1979 (फाल्गुन 19, 1900)

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 10, 1979 (PHALGUNA 19, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दो जातों हैं जिससे कि यह संलग्न संक्षेप के स्पष्ट में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जनवरी 1979

सं. प्र. 32013/2/77-प्रशा०-I—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, आकाशवाणी महानिदेशालय में महायक योजना अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन अवर सचिव श्री बी० एन० वैद्यनाथन को संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियम 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के अनुसार 19-1-79 के पूर्वाह्न से 18-4-79 तक अथवा आगामी प्रादेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए महर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन  
अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1979

शुद्धिपत्र

सं. प्र. 1878-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंघ्यक अधिसूचना दिनांक 1-1-1979 की प्रथम पंक्ति में 'स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II' शब्दों के स्थान पर

"स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II/ स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी I" शब्द पढ़े जाएं।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं. प्र. 11016/1/76-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय मेवा मंत्री के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री किशन सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 5-2-1979 से 31-3-1979 तक अथवा आगामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. का० तथा प्र० सु० विभाग के का० जा० सं. 12/1/74-सी० एस०(I) दिनांक 11-12-75 की शर्तों के अनुसार श्री किशन मिहि रु० 75-प्रति माह विषेष वेतन लेंगे।

दिनांक 16 फरवरी 1979

सं. प्र. 174/प्रशा०-III—दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में वहिविभाग मेवा में महायक प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित होकर श्री आर० जी० पुरंग ने 17 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार समाप्त लिया था।

एम० बालचन्द्रन

अवर सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० 1-34/73-सी० एफ० एम० एन०/1012—न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, गुजरात अहमदाबाद में सहायक निदेशक (सीरम विज्ञान) नियुक्त होने के परिणामस्वरूप श्री पंकज कुमार चटर्जी को 29 जनवरी, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (सीरम विज्ञान) के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

एस० के० ज्ञा  
उप-निदेशक (प्र०)  
सी० बी० आई

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० ए० 13021/1/78-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के श्री जे० पी० अग्रवाल, एक अस्थायी अतिरिक्त सहायक निदेशक तथा एक स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक का संघ लोक सेवा आयोग में प्रोग्रामर के पद पर चुने जाने के फलस्वरूप उन्हें 16-1-1979 के अपराह्न से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

छव्वपति जोशी,  
निदेशक,  
पुलिस दूर-संचार

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, 110001, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० एफ० चार/तीन/1973-स्थापना (के० रि० पु० बल)—राष्ट्रपति, श्री के० केमवन, सहायता कमांडेंट को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर दिनांक 8-5-1973 से स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

यह गृह मंत्रालय की सहमति द्वारा उनके अनौपचारिक संख्या 5748/78-पर्स-दो दिनांक 27-1-79 से जारी किया जाता है।

सं० ओ० दो०-1250/75-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री जगदीश सूर्यनारायण, उप-पुलिस अधीक्षक 56वीं वाहनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 25-10-1978 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

ग० व० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० 35-18/76-प्रशासन—द्वितीय श्रेणी विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के तदर्थं प्रशासन अधिकारी, श्री श्रान्त ब्रकाश का दिनांक

27-1-1979 पुर्वीकूल से केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो में प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में, अगले आदेश जारी होने तक, अस्थायी नियमित रूप में नियुक्त किया जाता है।

राज कृष्ण बंसल  
निदेशक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० डी० डी० पी० आर० एम०/040—केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थानापन्न अवर सचिव एवं स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री श्री निवास श्रायु होने पर 31 जनवरी 1979, अपराह्न, सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

श्रीमती चन्द्रमणी नारायणस्वामी  
निदेशक

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग  
महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० प्रशा० 1/का० आ० सं० 550/5-5/78-79/2368—महालेखाकार महोदय इस कार्यालय के निम्नोक्त स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 30 जनवरी, 1979 से आगे के आदेशों तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क० स० नाम

1. श्री सी० एल० अग्रवाल

कौ० टी० छाया

व० उप-महालेखाकार (प्र०)

श्रम मंत्रालय  
(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—जनवरी, 1979 में औद्योगिक अधिकों का अविल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकार (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1978 के स्तर से तीन अंक घट कर 335 (तीन सौ बत्तीस) रहा है। जनवरी 1, 1979 मह का सूचकार आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 407 (चार सौ चार) रहा है।

त्रिभुवन सिंह  
उप निदेशक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,  
महानिदेशालय, आर्डेनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 3/79/ए/ई-1—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर, श्री शिवचन्द्र सरकार, मौसिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी ए०

एस० ओ० दिनांक 31-1-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 4/79/ग०/ई०-I—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री तुलसी चरन दास, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी ए० एस० ओ० दिनांक 31-1-1979 (अपराह्न) से सेवा निर्वत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,  
ए० डी० जी० ओ० एफ० / प्रशासन  
कृते महानिदेशक, आईनेस फैक्टरिया

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० 4/जी०/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-I के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

(1) श्री पी० सी० शिगला, स्थायी ए डी० जी० ओ० एफ० / ग्रेड-II, 20 नवम्बर 78।

सं० 5/जी०/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सिनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० / प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं:—

(1) श्री के० के० सोंवी, स्थायी उप-प्रबन्धक—पहली दिसम्बर, 1978

(2) श्री एस० तिवारी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक—पहली दिसम्बर, 1978

(3) श्री डी० कृष्णामूर्ति, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(4) श्री एम० के० वाधवन, स्थायी उप-प्रबन्धक—30 नवम्बर, 1978।

(5) श्री बलवीर सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(6) श्री बी० के० शर्मा, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(7) श्री ए० के० मिश्रा, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(8) श्री जी० कृष्णामूर्ति, स्थायी उप-प्रबन्धक—20 नवम्बर, 1978।

(9) श्री बी० के० सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक,—20 नवम्बर, 1978।

(10) श्री के० सी० मुखर्जी, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०—20 नवम्बर, 1978।

(11) श्री एस० आर० गुहाराय, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०—20 नवम्बर, 1978।

सं० 6/जी०/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न डी० ए० डी० जो० ओ० एफ० / डी० एस० के पद

पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं:—

(1) श्री पी० पी० राव, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—पहली नवम्बर, 1978।

(2) श्री पी० सी० अरोरा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—पहली नवम्बर, 1978।

(3) श्री जी० आर० भट्ट, स्थानापन्न, सहायक प्रबन्धक—पहली नवम्बर, 1978।

(4) श्री ए० पी० लिपाठी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2 री सितम्बर, 1978।

(5) श्री आर० एम० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2 री सितम्बर, 1978।

(6) श्री एच० एस० पुण्डल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2 री सितम्बर, 1978।

(7) श्री अशोक कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2 री सितम्बर, 1978।

(8) श्री एस० एस० खोट, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—पहली दिसम्बर, 1978।

(9) श्री मिसकीत हुसैन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—पहली दिसम्बर, 1978।

(10) डा० पी० के० सन्याल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2 री मितम्बर, 1978।

(11) डा० ओ० पी० यादव, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—2 री मितम्बर, 1978।

दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० 7/79/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री टी० एफ० देकुन्हा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक, आईनेस फैक्टरिया

#### उद्योग भंगालय

ग्रौवोगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० जूट(ए)१४७/५८—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री के० पी० दास, सहायक निदेशक (निर्यात) को श्री एस० राय के अवकाश पर चले जाने के फलस्वरूप दिनांक 22-1-79 (पूर्वाह्न) से 17-3-79 (अपराह्न) तक इस कार्यालय में एक तद वर्ष स्थानापन्न सहायक निदेशक (विपणन) युप “ए” अधिकारी के रूप में रु० 700-40-900-द० रो०-40-1000-50-1300/- के बेतनमान में नियुक्त करते हैं।

के० के० बनर्जी,  
प्रशासनिक अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० प्र०-I/1 (982)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रेड I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के प्रेड III) श्री हरवंस लाल को दिनांक 3-2-79 के पूर्वाल्प से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के प्रेड II) के रूप में इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-I/1 (113)/78—राष्ट्रपति, 1977 की इंजी-नियरी सेवा परीक्षा के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से सहायक निदेशक प्रेड-I (प्रणिक्षण आखी) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के प्रेड-II के रूप में नियुक्त करते हैं।

1. श्री दिनेश कुमार मिह	1-2-1979 (पूर्वाल्प)
2. श्री देवेन्द्र कुमार सिह	1-2-1979 (पूर्वाल्प)
सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रणालन)	
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान	

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० प्र० 19012(24)/70-स्था० ए०—दिनांक 31 दिसम्बर 1978 (ग्रामराज) को ग्रंथित सेवा निवृत्ति होने पर श्री बी० पी० गनिक स्थायी महायक प्रशासन अधिकारी को एतद्वारा 31 दिसम्बर 1978 के अपराल्प से भारतीय खान व्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया जाता है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना में काट दिया जाता है।

एस० बालगोपाल  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० 5(2)/69-एस-I—श्री एन० एन० ताये, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, डिबूगढ़ जो 15-11-78 से 13-12-78 तक अवकाश पर थे, को तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, देहरादून में उनके जन संपर्क अधिकारी, प्रेड-एक के रूप में नियुक्त हो जाने पर, वहां कार्यभार संभालने के लिए उनके अवकाश समाप्त हो जाने के उपरान्त, कार्यमुक्त किया जाता है।

सं० 4(20)/75-स्टाफ-I—प्रपते ही अनुरोध पर अपने मूल विभाग अर्थात् अरिष्ठ उप महानिदेशक, वाणिज्य, निर्माण कार्य और विविध कार्यालय, कलकत्ता में वापस आ जाने पर वरिष्ठ प्रेड लेखा परीक्षक, श्री एस० के० माहा, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, ने 4 दिसम्बर, 1978 (ग्रामराज) आकाशवाणी में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार लोड़ा। यह माना गया है कि उन्होंने उसी तिथि से आकाशवाणी में कार्यक्रम निष्पादक के पद से त्यागपत्र दे दिया है।

एम० एल० मधरवाल  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० 6(131)/63-गम-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एन० वैकटरमन को आकाशवाणी मद्रास में 31-1-1979 से अप्रैल आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

(श्रोतागण अनुसंधान एकाक)

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० ए-12026/2/76-स्टाफ-पांच—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2 मितम्बर, 1976 तथा 19 मितम्बर, 1978 के अनुवर्त्तन में, महानिदेशक आकाशवाणी, श्री पी० एल० शर्मा, वरिष्ठ अन्वेषक, केन्द्रीय मांसियकीय संगठन, नई दिल्ली को आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में 650-30-740-35-810-८० रो०-35-880-40-1000-८० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में दिनांक 1-1-1979 से 23-8-1979 तक की आगामी अवधि के लिये, श्री एन० पी० बारिया, मांसियकीय अधिकारी के स्थान पर, जो कोयला विभाग, ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली में प्रति नियुक्ति के आधार पर भेजे गये हैं, नियुक्त करते हैं।

बी० के० खुराना,  
उप निदेशक श्रोतागण अनुसंधान  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० 2/1/62/मित्वन्दी-I—सेवा निवृत्ति की आयु होने के कारण श्री व्ही० जी० पत्की, स्थायी इन बिटवीन एनीमेटर,

फिल्म प्रभाग, बम्बई, दिनांक 31-1-1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

नरेन्द्र नाथ शर्मा  
महायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी, 1979

सं. ए० 32013/8/76-(एन० एम० ई०पी०)/प्रशासन-I—राष्ट्रीय भलेरिया उन्मूलन निदेशालय के उप निदेशक (एल० एण्ड ए०) का पद तथा इसके पदधारी का स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, में स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप उक्त पद पर काम कर रहे श्री ए० आर० निम ने 1 फरवरी, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में कार्यभार सभाल लिया है।

श० वा० ओक  
निदेशक (प्रशासन व भर्तका०)

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं. ए० 12026/1/76-(एच० क्य००)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक ने श्री एन० सी० ध्वन को 12 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में तकनीकी अधिकारी (चिकित्सा भंडार संगठन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए० 12026/23/77(एस० जे०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती अमिता कोचर को 4 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक भफदरजंग अस्पताल,

नई दिल्ली में आहारविद् के पद पर तदर्यादार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड ए०)

कृषि एवं भिचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विज्ञान एवं नियोजन निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं. ए० 19025/118/78-ग-III—विभागीय पदोन्नति ममिनी की संस्तुतियों के आधार पर श्री एम० एस० बिम्बरा, वरिष्ठ रमायनज्ञ को इस निदेशालय में बंगलौर में स्थानान्तरण महायक विषयन अधिकारी (वर्ग-III), पदोन्नत किया गया है।

बी० एल० मनिहार  
प्रशासन निदेशक  
कृते कृषि विषयन सलाहकार

वन साधनों का नियंत्रण पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं. 4-5/71-प्र०—श्री टी० के० टी० एस० रामानुजाचार्युसु, ने अनुमधान परियोजना 01-658-आर०, वर्थ कोहर्ट के उत्तर-जीवी और नतीजे, पेडिआट्रिक्य विभाग, भफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को भारमुक्त होने के पश्चात् दिनांक 1 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) में वन साधनों का नियंत्रण पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून, के कार्यालय में मांस्यकीय अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण किया है।

सी० एल० भाटिया  
मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-4000 085, दिनांक 24 जनवरी, 1979

सं. 5/1/78-स्थापना II-423—नियत्वक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, नियन्त्रित अधिकारियों को उनके नामों के आगे नियमी श्रवणक के तिरंनदर्यादार पर स्थानान्तरण महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं.	नाम तथा पद	स्थानान्तरण नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री बी० ए० बी० मेनन महायक	महायक कार्मिक अधिकारी	1-11-78	9-1-79
2.	श्री एम० जी० मपलिंगा महायक	महायक कार्मिक अधिकारी	15-11-78	16-12-78
3.	श्री बी० नारायण गाढ़, आर्युलिपिक (वरिष्ठ)	महायक कार्मिक अधिकारी	20-11-78	30-12-78
4.	श्री पी० बी० कृष्णमूर्ति, आर्युलिपिक (वरिष्ठ)	महायक कार्मिक अधिकारी	29-11-78	9-1-79
5.	श्री ए० के० कात्रे, महायक	महायक कार्मिक अधिकारी	27-11-78	30-12-78
45.	श्री भापी ई० आर०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	" "
46.	श्री गुप्ता जी० एस० आर०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	" "
47.	श्री जोण पीटर एस०	पी० एस० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० डी०	" "
48.	श्री जोणसन सी०	पी० एस० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	" "
49.	श्री कृष्णन डी०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० डी०	" "
50.	श्री कुरियन ए० जे०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	" "
51.	श्री नरेश्या आई०	आर० एस० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	" "

दिनांक 31 जनवरी, 1979

सं० जे-३८/स्थापना-११/४९३—गृह मंत्रालय के दिनांक 26 अगस्त, 1977 के कार्यालय ज्ञापन सं० २५०१३/७/७७-स्थापना (क) के उपबन्ध के अन्तर्गत, मरकारी मेवा से स्वैच्छिक निवृत्ति होने पर, इस अनुसंधान केन्द्र, में रु ६५०-९६० के वेतनमान में एक स्थाई महायक प्रशासनिक अधिकारी श्री नटराजन जयरमन ने 20 जनवरी 1979 के अपग्रह से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एम० एम० राव  
उप-स्थापना अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 15 फरवरी, 1979

सं० राष्ट्रिय/०४६२७/१(४६०)/प्रणा०/स्थल/४७१—  
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, परमाणु ऊर्जा विभाग डाकखाना नरोरा (उत्तर प्रदेश) में स्थानान्तरण के फलस्वरूप इस परियोजना के स्थायीकृत वैज्ञानिक महायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी श्री आर० एन० भारद्वाज, ने इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक 5 फरवरी, 1979 (अपग्रह) को छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

परमाणु खनिज प्रभाग  
हैदराबाद-५०० ०१६, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० प०ख०प्र० १/२९/७८-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० ड्वारा श्री अश्वनी कुमार राय को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 31 जनवरी,

1979 को पूर्वाह्न से अगले आदेश तक एक स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड 'एम० बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० प०ख०प्र०-१/२९/७८-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० ड्वारा श्री नंदकुमार रामकृष्ण काले को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थानापन्न पद पर दिनांक 24 जनवरी, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड 'एम० बी' नियुक्त करते हैं।

सं० प०ख०प्र०-१/२९/७८-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एन० ड्वारा श्री बनश्याम शर्मा को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थानापन्न पद पर दिनांक 25 जनवरी, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी ग्रेड 'एम० बी' नियुक्त करते हैं।

सं० य० गोखले  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० टी०ए०पी० प०/२/७९१/७०—त्यागपत्र स्वीकार किए जाने के फलस्वरूप श्री एन० के० अमवाल, वैज्ञा० अधिक०/एम० बी० ने दिनांक 10 फरवरी, 1979 अपग्रह से तारापुर परमाणु बिजलीघर में अपना कार्यभार छोड़ दिया।

ए० डी० देसाई  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अंतर्राज्य विभाग

विक्रम माराभाई अंतर्राज्य केन्द्र,

तिरुवनंतपुरम-६९५०२२, दिनांक 1 फरवरी 1979

सं० बी० एम० एम० सी०/स्थापना/मी० ओ० एन०/२-१०१—निदेशक, बी० एम० एम० सी० अंतर्राज्य विभाग के विक्रम माराभाई अंतर्राज्य केन्द्र, तिरुवनंतपुरम, में निम्नलिखित अधिकारीयों, को, उनके नामों के मामले दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से मूल पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	प्रभाग	वर्तमान स्थानापन्न पद	मूल पद जिस पर नियुक्त है	तारीख १-४-७५
१	२	३	४	५	६
१.	श्री अब्दुल्ला के० एम०	आर० ई० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०बी०	
२.	श्री मुत्तु सी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० डी०	"	"
३.	श्री पोली के० ओ०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० सी०	"	"
४.	श्री विजयन ए०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	"	"
५.	श्री अर्यणन नायर एन०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	"	"
६.	श्री अलक्ष्मण एन० के०	आर० ई० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	"	"
७.	श्री मैथ्यु के० बी०	आर० ई० एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	"	"

1	2	3	4	5	6
8.	श्री जोसफ के० पी०	एफ०आर०पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०बी०	1-4-75
9.	श्री उण्णि ए० पी० आर०	ई०एल०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
10.	श्री वर्गीसी पी०एम०	आई०एस०आई०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
11.	श्री करुणाकरन आनन्दारामी के०	आर०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
	एन०				
12.	श्री नायर एन०एम०	आई०एम०आई०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०बी०	„	„
13.	श्री रवीन्द्रनाथन नायर एन०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
14.	श्री फेरण्डम जी०	जी०एम०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
15.	श्री गोपाल पिल्लै एम०	जी०एम०एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
16.	श्री वेणु गोपालन बी०	जी०एम०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
17.	श्री जोण पी०डी०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०बी०	„	„
18.	श्री जनार्दन लिलै पी०एन०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	„	„
19.	श्री कृष्ण स्वामी एम०	ई०एल०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	„	„
20.	श्री कुमारन बी०के०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
21.	श्री मोहन के०	सी०डब्ल्यू०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
22.	श्री प्रभाकरन एम०	ई०एस०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
23.	श्री पणिकर के०पी०एम०	क्यू०ए०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
24.	श्री सुकुमारन नायर पी०के०	एम०पी०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
25.	श्री सदाशिवन पी०डी०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
26.	श्री सुब्राहाराव के०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
27.	श्री कुरियन के०	— विकास	„	„	„
28.	श्री मातुरुणी बाई०	आर०एफ०एफ०	„	„	„
29.	श्री सुब्राहाराव के०	आर०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
30.	श्री बालन टी०ए०	ई०एफ०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
31.	श्री कृष्णन कुट्टी बी०के०	एस०एल०बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
32.	श्री मोहम्मद राफीय	आर०ई०एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	„	„
33.	श्री नारायणन कुट्टी एन०	एस०एल०बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
34.	श्री परमेश्वारन पिल्लै एम०एन०	ई०एम०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
35.	श्री पिल्लै पी०के०पी०	ट्रान्सपाट	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	„	„
36.	श्री श्रीधरन सी०बी०	ई०एम०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	„	„
37.	श्री एश्वाराम आई०मैथ्यू	पी०ई०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
38.	श्री अरमुगम पिल्लै एम०	एम०एल०बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
39.	श्री बालकृष्ण नायर टी०के०	पी०ई०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
40.	श्री भास्करन नायर एम०के०	एम०टी०आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
41.	श्री दिवाकारन पी०	पी०ई०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
42.	श्री देवस्मी एम०ए०	पी०एम०एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
43.	श्री गपिनाथन नायर सी०	ई०एम०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
44.	श्री गोपालन नायर एम०	ई०एल०एम०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
45.	श्री गापी ई०आर०	ई०एम०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
46.	श्री गुप्ता जी०एम०आर०	ई०एम०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„
47.	श्री जोण पीटर एम०	पी०एस०सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०डी०	„	„
48.	श्री जोणसन सी०	पी०एम०एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
49.	श्री कृष्णन डी०	ई०एफ०एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०डी०	„	„
50.	श्री कुरियन ए०जे०	पी०ई०डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०सी०	„	„
51.	श्री नरेश्वरा बाई०	आर०एम०आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम०सी०	„	„

1	2	3	4	5	6
52.	श्री नारायण कुट्टी ए०	आर० एस० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-4-75
53.	श्री प्रभाकरन एन०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
54.	श्री पंकजावक्षन नायर एस०	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
55.	श्री प्रसाद सी० डी०	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
56.	श्री पांडुरंग एम० पी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
57.	श्री राव एस० जी०	एस० टी० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
58.	श्री राधाकृष्ण पणिकर पी०	ई० एम० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
59.	श्री रामस्वामि गव जाकाटी	पी० एफ० सी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
60.	श्री सत्यनारायण के० आर०	एस० टी० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
61.	श्री श्रीकुमार के० एन०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
62.	श्री सुकुमारन नायर के०	ई० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
63.	श्री श्रीधरन आशारी के०	एस० एल० बी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
64.	श्री तोमस के० ई०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
65.	श्री उणिकम्भु सी० टी०पी०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
66.	श्री उत्तमन पी०	ए० आर० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
67.	श्री वेंकटरामन बी० एस०	एस० टी० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
68.	श्री विनयचन्द्रन नायर के०	आर० एस० आर०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
69.	श्री वासुदेव उणिं के० एन०	पी० एस० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
70.	श्री योहन्नान सी० ओ०	पी० ई० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
71.	श्री बालचन्द्रन आर०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
72.	श्री कल्याण सुन्दरम के० एम०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० डी०	”	”
73.	श्री माधवन सी०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
74.	श्री पिरणी एस० टी०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
75.	श्री रवीन्द्रन नायर के० आर०	आर० पी० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
76.	श्री राधाकृष्णन एन० एस०	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
77.	श्री रवीन्द्रनाथदास	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
78.	श्री समीरन रेय	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
79.	श्री विजयकुमारन नायर	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
	एम०				
80.	श्री नारायण मेतोन पी० के०	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
81.	श्री पोत्तन पी० पी०	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
82.	श्री जोसफ पी० के०	विकास	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
83.	श्री नंबूतिरी के० सी० एन०	जी०एस० एस०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० डी०	”	”
84.	श्री माधवन नायर के०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
85.	मोहम्द माली ए०	एफ० आर० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
86.	श्री विश्वनाथपिल्लै एन०	ई० एस० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
87.	श्री जोसफ पी० सी०	आर० पी० पी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
88.	श्री मेलवराज एस०	आर० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
89.	श्री पीटर जार्ज	एस० पी० डी०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”
90.	श्री स्टानसिलाम माममण के०	पी०एस० एन०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	”	”
	एच०				
91.	श्री तोमस वर्गीम	पी० एफ० एफ०	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० सी०	”	”

राजन बी० जार्ज  
प्रशासन अधिकारी-II स्थापना)  
कृते निदेशक, बी० एस० एस०सी०

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1979

सं० प० 31013/2/77-ई०-I—गण्ड्रपति ने श्री बी० रामायुगद्वार्ण्यम, स्थानापन्न निदेशक, प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन, नागर विमानन विभाग को दिनांक 31 मार्च, 1978 से उसी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० प० 12025/8/76-ई०-I—गण्ड्रपति ने मर्वंशी बी० के० गांधी बरिष्ठ तकनीकी महायक (वैमानिक) और जे० एम० चौहान, बरिष्ठ तकनीकी महायक (विमान मूल्यांकन) को दिनांक 25 जनवरी, 1979 से छ: माह के लिये अथवा पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले पड़े, नागर विमानन विभाग में वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० प० 31013/3/78-ई०-I—गण्ड्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को जो नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत हैं, दिनांक 31 मार्च, 1978 से उसी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

1. श्री एच० डी० कृष्ण प्रसाद
2. श्री बी० चन्द्रशेखरन
3. श्री एम० डी० बहूल

दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० प० 19014/49/72-ई०-I—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा में निवृत्त होने पर श्री जी० एम० गुप्ता ने दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को निदेशक, विमान-मार्ग एवं विमान क्षेत्र (परिवालन) के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० प० 19014/138/72-ई०-I—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री जे० एम० कवूर ने दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) को निदेशक प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० प० 19014/60/72-ई०-I—गण्ड्रपति, ने श्री एच० सी० राय चौधरी उप निदेशक, (फायर) नागर विमानन विभाग को मूल नियन 56(के) के उपबन्ध के अन्तर्गत उनके अनुरोध पर तीन माह के नोटिस अवधि की समाप्ति पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की मंजूरी दे दी है।

80 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी जाने पर श्री एच० सी० राय चौधरी ने 10 नवम्बर, 1978 अपराह्न को उप-निदेशक (फायर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया था, 11 और 12 नवम्बर, 1978 क्रमशः दूसरा शनिवार तथा रविवार की छुट्टी थी। छुट्टी की अवधि और नोटिस की शेष अवधि एक साथ चलेगी।

हरबंस लाल कोहली  
निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० प० 32013/7/78-ई० सी०—गण्ड्रपति ने श्री ए० के० बंसल, तकनीकी अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन पालम, को दिनांक 6-1-79 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिये अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक रेडियो निमणि एवं विकास एक नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया।

दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० प० 39012/5/78-ई० सी०—गण्ड्रपति ने नियन्वक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट बम्बई के कार्यालय में श्री एम० भट्टाचार्य, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 1-1-1979 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

मत्यदेव शर्मा

उप निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० 1/14/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एन्द्रद्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के अधीक्षक, श्री एच० के० खेमानी, को तदर्थ आधार पर 15-11-78 से 2-12-78 (दोनों दिन मिलकर) तक की अवधि के लिये श्री एच० शामा में स्थानापन्न रूप से महायक प्रगति अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविंद नागर  
निदेशक (प्रशासन)  
कूते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा शुल्क समाहर्तालिय

बड़ीदा, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० 1/79—पहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, हैंड क्वाटर बड़ीदा, के कार्यालय के वर्ग 'ब' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्री के० बी० भावमार को दिनांक 23-12-78 से स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त होने से अनुरोध दो जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्षों से अधिक की अवधि के लिये सेवा पूरी कर ली है।

(द०) अपठनीय  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ीदा

भूवनेश्वर, दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० 3/79—नेशन निवृत्ति की आयु हो जाने पर श्री अमग्रन्थराम पाल स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन और सीमा

शुल्क श्रेणी 'ख' कठां (डिविडन में स्थापना हुए 31 जनवरी, 1979 अपराह्न से इस विभाग से अवसरणिये।

एच० वुमखोयांग  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क,  
भुवनेश्वर

इन्दौर, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० 3/79—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय इन्दौर के वट्टालोय अधिकारी रेंज, उच्चान, मेरेतात श्री जी० जेड रामचंद्रानी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की वायु प्रप्त करने पर दिनांक 31-12-78 के अपराह्न से गेवा मुक्त कर दिए गए हैं।

सं० 4/79—श्री आर० एम० गुप्ता, प्रब्रह्म श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, उनकी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पर पर पदोन्नति होने पर दिनांक 14-12-1978 के पूर्वाह्न में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयसोलेट रेंज, खान्दियर का कार्यभार संभाल लिया।

मनजीन सिंह बिन्द्रा,  
समाहर्ता

उत्तर रेन्ड्रे

नई फिल्मो, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 4—उत्तर रेन्ड्रे के निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के सामने निर्द्दीर्घ तारीख ते अन्तम रूप से रेन सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

1. श्री आर० एम० सूद, महायक कार्मिक अधिकारी—  
24-3-72 अपराह्न ।
2. श्रोजनकन राय, मग्डल कार्मिक अधिकारी—  
31-7-75 अपराह्न ।

आर० श्रीनिवासन  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और क० तारा ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कठां, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० एस० ए० 92/3950(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 860 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्द्रद्वारा सूचना दी जाती है कि तारा ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट

लिमिटेड, का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

डी० के० पाल,  
कम्पनियां का रजिस्ट्रार, उडीमा

कम्पनी अधिनियम 1956 और कन्डोई एंड सर्फ़िक  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1979

सं० 722-टेक—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एन्द्रद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै० कन्डोई एंड सर्फ़िक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दण्डन न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्तो कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
मध्यप्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमाचल पौलट्रीज  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/2904/12231—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्द्रद्वारा सूचना दी जाती है कि हिमाचल पौलट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रीवा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/3201/12233—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्द्रद्वारा सूचना दी जाती है कि रीवा प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्पेशल चिट फंड एंड  
फाईनेंसियर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/2898/12235—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्द्रद्वारा सूचना दी जाती है कि स्पेशल चिट फंड एंड फाईनेंसियर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1965 और न्यु हिन्दुस्तान एक्स सोलजर्स फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1979

सं० जी०/स्टट/560/2740/12237—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचनादी जाती है कि न्यु हिन्दुस्तान एक्स सोलजर्स फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधाइत हो गई है।

मत्य प्रकाश तायल  
कम्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त  
नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1979

आयकर

मं० जूरि०/दिल्ली-1/78/79/45278—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) तथा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में पहले जारी की गयी अधिसूचनाओं में आंशिक संगोष्ठन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी टी० डी० एम० (सेलरीज) सकिल-1 का आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सकिल 4, 5 नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित /निर्धारण योग्य अविक्षयों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा परन्तु इसमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जिनके धारा 127 के अन्तर्गत सोंग गया हो अथवा जो इसके बाद सौंपे जाएं।

आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 कार्य निपादन की सुविधा के तिरे निरीक्षिय गहायक आयकर आयुक्त रेंज-1 वी० तथा 1-सी० को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अनुकूल आदेशों को पास करने के लिये भी प्रधिकरण करते हैं।

यह अधिसूचना 6-2-1979 से लागू होगी।

क० न० बुटानी  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

कार्यालय आयकर अधीन अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 14 फरवरी, 1979

सं० एफ० 48-एडी (एटी) /78—श्री के० एल० रेहानी, जो भारत सरकार के श्रम सत्रालय में अध्यकारी (पन्द्रह पूल) है को आयकर अधीन अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर अस्थायी क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 वै वेन्तमान पर दिनांक 5-2-1979 (अपग्रह) से अग्रदा यादेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 5-2-1979 (अपग्रह) से दो वर्षों के लिये परिवीक्षित रहेंगे।

पौ० डी० माथुर  
अध्यक्ष,  
आयकर अधीन अधिकरण

प्रकल्प ग्राही ८० टी० एन० एस०—  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/२-७९/३२९/६०४—  
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से प्रधिक है  
और जिसकी सं० 15/1445 है तथा जो मोहल्ला संगतराषण,  
पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिक्रिया से प्रधिक है और प्रतिक्रिया (प्रतिक्रिया) और प्रतिक्रिया  
(प्रतिक्रिया) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के लिए तथा पाया गया प्रति-  
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिक्रिया से हूई किसी आय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम'  
या अन्तरकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रतिक्रिया द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अध्यक्ष अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अछोन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधारित:—

1. श्रोमनो गीता रानो, विश्वा पत्नी श्री शिव प्रकाश  
मेंडो, निवासी 226, मोहल्ला मेहरापुरा, अमृतपुर  
स्वयं तथा प्रयत्ने बच्चों के जनरन अटारनी है  
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार तथा चन्द्र भान, मुपुत्र श्री दोनों  
मुपुत्र श्री वामदेव, निवासी 15/1445, मोहल्ला  
संगतराषण, पहाड़गंज, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को इस नूत्रा जारी हरें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
हार्दिक श्रद्धा द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस मूल्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाव  
में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास  
निवास में किये जा सकेंगे।

सम्बोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ों पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिमका नं० 15/1445 है और क्षेत्रफल 55 वर्ग  
गज है, मोहल्ला संगतराषण, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न  
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 15/1444

पश्चिम : मकान नं० 15/1446

उत्तर : मकान नं० 15/1437

दक्षिण : गली

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-2-1979

मोहर :

प्र० ग्राइंडरो० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1979

निर्देश मं० आर्ड० ए० मी०/एक्य०/11/जून-13/3876/  
78-79/6113/—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के  
के अधीन 11 प्रावित तारों को, यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एप्पे से प्रधिक है।

और जिसकी मं० 15/8 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह ग्रन्तिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोत ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप में रखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
पोर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें  
में सुविधा के लिए ;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्पितः—

1. श्री गिरधारी लाल मदान, सुपुत्र श्री सुख दयाल मदान,  
(2) श्री जवाहर लाल (3) श्री सतीश कुमार  
(4) श्री सुरोन्द्र कुमार, सभी सुपुत्र श्री गिरधारी  
लाल तथा (5) बिहारी लाल, सुपुत्र श्री लधा गम,  
निवासी, 15/8, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 :  
(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल कपूर, सुपुत्र श्री ए० एन० कपूर,  
निवासी ई-226, भरकारी मकान, देव नगर, करोल  
बाग, नई दिल्ली-1  
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित अधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

एक द्वाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 270.83 वर्ग गज के प्लाट  
पर बनी हुई है, जिसका नं० 15, रोड नं० 8, ब्लॉक 'डी'  
है, पंजाबी बाग, बमांदारापुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में  
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 13

पश्चिम : जायदाद नं० 17

उत्तर : मविम लेन

दक्षिण : रोड नं० 18

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-2-1979

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही दी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1979

निरीक्षण सं० आई०ग० सी०ए०क्य०/११/जुलाई-२७/२७३५/७८-७९/६११३/—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3/66-ए है, सथा जो रोहतक रोड, डब्ल्यू०  
ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाकड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, असौदः—

1. श्रीमती राम पियारी गुलाटी, पत्नी श्री चमन मल  
गुलाटी, निवासी 32, बंगलो रोड, सड़गी मण्डी,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सोम नाथ खुराना, मुपुव श्री हवेली राम खुराना  
(2) श्रीमती आज्ञाया बन्ती, पत्नी श्री सोम नाथ  
खुराना (3) श्री शुनील खुराना मुपुव श्री सोम  
नाथ खुराना तथा (4) श्री गिरीश खुराना, मुपुव  
श्री सोम नाथ खुराना, निवासी 11061, शादीपुरा,  
करोल बाग, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 3, ब्लॉक नं० 66-ए है और क्षेत्रफल  
575.77 वर्ग गज है, रोहतक रोड, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल  
बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 4  
पश्चिम : प्लाट नं० 2  
उत्तर : 18' चौड़ी पब्लिक लेन  
दक्षिण : रोहतक रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-2-1979

पोहरः

प्रस्तुत ग्राही ३० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 फरवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० प०/प०/प०/11/जुलाई-130/2428  
78-79/6113—यतः, मुझे, आर० ब० प० अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि  
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-12/3 है, तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली  
में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत अवृत्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करो या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(व) ऐसी रिसो प्राय या किसी प्रन पा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में नुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व को उपचारा (1)  
के अधीन, निम्ननिम्नत अवृत्तियों अवृत्ति:—

- श्री लाल चन्द भाटिया, सुपुत्र श्री जमन लाल भाटिया  
निवासी के-1/39, माडल टाऊन, दिल्ली-9 तथा  
(2) श्री भगवान दाग बनाम भोवा नाथ भाटिया,  
सुपुत्र श्री चमन लाल भाटिया, निवासी 119-20,  
तिला बजार, दिल्ली-6

(अन्तरक)

- श्री केशव दत्त शर्मा, सुपुत्र श्री विश्वनु दत्त शर्मा निवासी  
15, टैगोर पार्क, नई दिल्ली तथा (2) श्री  
बी० डी० शर्मा, सुपुत्र श्री जी० डी० शर्मा, निवासी  
1553, एस० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक समाप्ति के प्रज्ञन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवृत्तियों पर  
सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवृत्तियों में से किसी अवृत्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवृत्ति होता, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पद्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्द का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होता जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक डाई पंजिला ब्रिन्डिंग जोकि 376, 258 वर्ग मीट्र  
ओवरफल (450 वर्ग गज) के प्लाट पर बनी हुई जिसका नं०  
3, ब्लाक नं० ए०-12 है, माडल टाऊन, मालिकपुर छावनी  
गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: जायदाद नं० ए०-12/4
पश्चिम	: जायदाद नं० ए०-12/2
उत्तर	: जायदाद नं० ए०-13/3
दक्षिण	: रोड

आर० बी० प० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश मं० आई० ए० मी० /एक्यू०/11/जून-74/3916/78-79/6141—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 1144 से 1148, 1150 तथा कुन्ना महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली है, तथा जो 1149 (बाल-बाना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल वे सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाम्न उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्च यात्रियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, उपरोक्त में सुविधा के लिए

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन नियन्त्रित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वीरेन्द्र स्वरूप, सुपुत्र श्री जतन सिंह, निवासी मोहल्ला कायाम्बारा बिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर, यू० पी० (स्वयं के लिए तथा चार बहन के लिए) (अन्तरक)

2. मै० मरदार इस्टेट्स प०-३, कैनाश कालोनी, नई दिल्ली-१ (इनके हिस्पेदारों के द्वारा) (अन्तरिती)

3. (1) श्री किदार नाथ (2) मै० मरदार ओबरसीस (3) मै० छाजत्रमल मदन लाल (4) मै० इन्द्र मिह एण्ड मण्ड (5) एल० गम रीछमाल (6) श्री हरी श्रोम (7) डा० पी० बी० व्याम तथा डा० एन० एम० जैत (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्रित के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्रित के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1150 तथा 1149 (बाल-बाना) का 1/3 हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 48.8 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 146.2/3 वर्ग गज है), कुन्ना महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली।

आर० बी० एल० अप्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-।

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निवेद सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/जून-७५/३९१७/  
७८-७९—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रत्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-  
पर्ये न हो विकृ है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1144 से 1148, 1150 है, तथा जो  
कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली-1 तथा 1149 (बाल-  
घाना) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के  
अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विषयास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) प्रो० प्रस्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा यादा यादा  
प्रतिकल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में  
प्राप्तिक इन में निवित नहीं हिता गया है:—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी आय को बाबन, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के घटारण के  
अग्रिम में कमी करने या उसमें उक्ते में सुनिधा के  
लिए। और या

(ख) एपी किसी आय या किसी भर या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या उसमें में सुविधा  
के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपचारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:—

3—496 GI/78

1. श्री राजीन्द्र स्वरूप, सुपुत्र श्री जतन स्वरूप निवासी  
गोहल्ला कालास्थवरा, मिक्किल्लावाद, जिला बुलन्दशाहर,  
यू० पी०

(अन्तर्गत)

2. मै० गरदार इस्टेट्स, ए०-३, निलांग कालीनी, नई  
दिल्ली-१

(अन्तरिती)

3. (1) किंदार नाथ (2) मै० मरदार श्रोवरमीम (3)  
मै० छाजूमन मदन लाल (4) मै० इन्द्र मिह० ए०७  
मण्म (5) एल० राम रीढ़पाल (6) हरी ओम  
(7) डॉ पी० बी० व्याम नवाडा० एन० एम० जैन  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के प्रबंन के लिए मैं कोई भी आलेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितारण  
किसी प्रस्तरण द्वारा, प्रधोस्ताकरी के पास  
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का यो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

दुकान जिसका नं० 1144, 1145, 1146, 1147, 1148,  
1150 तथा 1149 बालघाना है, और श्वेतफल 24.4 वर्ग  
गज (कुल श्वेतफल 146.2/3 वर्ग गज) है, कुचा महाजनी,  
चांदनी चौक, दिल्ली में है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 22-२-१९७९

मोहर

प्रत्यरूप आई० टी० एन० एस०—

प्रत्यक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निवेदन सं० आई० ए० मी०/एक्य०/11/जून-77/3919/  
7-8-79/6141—प्रतः, मुझे, आर० बी० ए० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 1144 से 1148, 1150  
तथा 1149 (वालवाना) है, तथा जो कुना महाजनी, चांदनी  
चौक, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उगावद्वयनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरिकों)  
प्रीतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अप्रकृतः—

1. श्री इन्द्र स्वरूप, सुपुत्र श्री मुन्द्र स्वरूप, निवासी मोहल्ला  
कामास्थवारा, मिकालदगवाल, जिला बुलन्दशहर,  
यू० पी०

(अन्तरक)

2. मै० मरदार ईस्टेट, ए०-३, कैलाण कानोनी, नई  
दिल्ली-१

(अन्तिम)

3. श्री किंदार नाथ (2) मै० मरदार श्रीवरसीम (3)  
मै० लाजुमल मदन लाल (4) मै० इन्द्र मिह० ए०  
गन्म (5) ए० राम शीशपाल (6) श्री हरी श्रीम  
(7) डा० पी० बी० व्याम नया डा० ए० ए० जैन  
(वड० व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जागे तरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति ने सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका नं० 1144, 1145, 1146, 1147, 1148,  
1150 तथा 1149 (वालवाना) है और क्षेत्रफल 73. 1/3  
वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 146. 2/3 वर्ग गज) है, कुना महाजनी,  
चांदनी चौक, दिल्ली में है।

आर० बी० ए० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/११/जून-८/३८७१/ ७८-७९  
—अन्: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं०डी-९/१० है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1978

को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम ने प्रधीन कर दिने के प्रत्यक्ष के वायित्व में नहीं करते थे उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य आस्तियों को, उन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी प्रधार्ति:—

1. श्री एस० सुरीन्द्र मिह० भसीन, सुपुत्र श्री एस० उजागर मिह०, निवासी डी-९/१६, माडल टाउन, दिल्ली-१ (अन्तरक)

2. श्रीमती माहिन्द्र गांहिल, पत्नी श्री चमन लाल तथा श्री पुनीत गांहिल, सुपुत्र श्री चमन लाल गांहिल, निवासी सी-१/२८, माडल टाउन, दिल्ली-१ (अन्तरिती)

3. श्री सुदेंग कुमार तनेजा तथा एम० जोगीन्द्र सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंजन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंजन के मंबंध में कोई भी माध्येप:—

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में में किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्साकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 282 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई जिसका नं० 160 ब्लाक नं० डी-९ है माडल टाउन दिल्ली मालिकपुर छावनी गांव दिल्ली राज्य में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड

पश्चिम : प्लाट नं० डी-४/१६ पर मकान

उत्तर : प्लाट नं० डी-९/१७ पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० डी-९/१५ पर मकान

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 22-२-१९७९

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 फरवरी 1979

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यु/II/2-79/330/6138  
—यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी नं० दुकान नं० 124 है, जो शंकर रोड,  
न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद  
अनुसूची में ग्रीन पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीड अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीड करण आयुक्तियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नारीख 6-6-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)

अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के मनुसंहरण  
में, वै उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. श्री नन्द नाल मनूगन, सुपुत्र श्री आतमा राम महगल,  
निवासी 124, शंकर रोड, न्यू राजिन्द्र नगर, नई  
दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री यश पाल अहूजा, सुपुत्र श्री पिशोरी लाल, श्री  
प्रेम पाल अहूजा, श्री प्रमोद कुमार अहूजा, सुपुत्र  
श्री पिशोरी लाल अहूजा, निवासी जी-24, मोनमरोवर  
गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. (1) श्री काशी राम (2) श्री देम राज (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका नं० 124 है और क्षेत्रफल 89 वर्ग गज है  
शंकर रोड, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से  
स्थित है :—

पूर्व : दुकान नं० 123  
पश्चिम : दुकान नं० 125  
उत्तर : रोड  
दक्षिण : लेन

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 21-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत पार्ट ३ टो० एन० एम० १९७९—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1  
नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ १२-७९/३३१—  
यतः मुझे, डी० पी० गोयल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इग्ने  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने  
अधिक है और जिसकी मं० 23 है, तथा जो इन वार्षिक बाग, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हैप्प में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 9-6-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूति की गई है और मुझे यह इतन स  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्भूत  
प्रतिफल से अधिक है और अनारद (अन्तर्को) योर शम्भारिता  
(अन्तर्भूतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्भूति की अवधि वाले उक्त अन्तरण के अन्तर्भूति के बायितद में रु० ८०,  
करने या उसमें दृश्यमान में नुविधा के लिए; योर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रथोजनार्थ अन्तर्भूति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
नुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षतः—

1. थोंमो गोदान्द्र देव, तथा थोंमो अवतार मिह  
गान्द्धी, निवासी 350/54, कठी-कठी पंजाब,  
बम्बई-९  
(अन्तर्क)
2. श्री राजीन्द्र कुमार गम्भीर तथा श्री गुवान राम कुमार  
गम्भीर, दोनों सुपुत्र थीं काकु राम गम्भीर, निवासी  
प/८५-८६, (डब्ल टोरी) रामेश नगर नई दिल्ली  
(अन्तर्भूतियाँ)

को पूरे सूचना जारी करके यूर्वोक्त मामति के पर्जन के  
लिए कायबालियाँ जारी हैं।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन दृश्यमान में गोरे भी दृश्यमान

(क) इस भूतना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे ४५  
दिन की अवधि या तस्यम्बद्धी अवितर्यों पर सूचना  
की नामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, ते भीतर पूर्वोक्त अवितर्यों में  
से विसी अवधि द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दृ०  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय  
वस्तु जिसी अन्य अवितर्यों द्वारा अवाहस्ताक्षरा के  
पार लिखित होने की जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसके लक्ष्य जोड़े जाएं जो, यो इवत्त  
अधिनियम के अध्याय ३०-ब में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० २३, क्लास 'सी', बैस्ट  
एवेन्यु रोड, पंजाबी बाग, मादापुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली  
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० २१  
पश्चिम : प्लाट नं० २५  
उत्तर : पर्वत लेन  
दक्षिण : बैस्ट एवेन्यु रोड

डी० पी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) से अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1978

निवेदन सं० अर्जन/215/फर्खाबाद/78-79—यतः, मुझे,  
विजय भागव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित  
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, फर्खाबाद में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
2-6-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नतः—

1. श्रीमती चूम्ली देवी विधवा स्व० नवाब मिह निवासी  
ग्राम निगार पो० करनपुर जि० फर्खाबाद  
(अन्तरक)

2. श्री अनंगपाल सिंह, ओमपाल सिंह, रिशीपाल सिंह  
पुत्रान गजराज सिंह उर्फ गज्जू सिंह निवासी ग्राम  
निगार पो० करनपुर जि० फर्खाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम निगार पो० करनपुर जिला  
फर्खाबाद 56000 में बेची गई जिसकी कि बाजारी कीमत  
74200 रु० है।

विजय भागव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट मार्दू दी० एन० एन०—  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 1528 रुक्की/78-79—यतः, मुझे, विजय भार्गव, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुक्की में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यक्षा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच त्रिमे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित त्रहंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कहित भर्हो किया गया है :—

(अ) अन्तरण से ही किसी पाय त्री वाक्त उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ब) ऐसी किसी पाय या किसी बन या अन्य आस्तिर्वानों को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, उसने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री छन्दोनुल हुक्म पुत्र श्री नाजिर हुसैन निवासी लाहौली, मंगलौर रुक्की सहारनपुर

(अन्तरक)

2. श्री नईम पुत्र रहमत नशीम अहमद शालीम अहमद, मो० कलीम पुत्र करीमुद्दीन निवासी लाहौली, मंगलौर, कड़की, सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीचा 11 विस्त्री 15 विस्त्री स्थित ग्राम लाहौली, मंगलौर, रुक्की जिला सहारनपुर 90,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गई।

विजय भार्गव  
सकार प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

पत्र प्राई० रु० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-पा (1) के अधीन पूछना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 292/प्रज्ञन/आयप्रांत/78-79—यतः, मुझे, विजय भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६८के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-पा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अर्धक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है, (आंग इनके उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), निस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कायमगंज में निस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिरक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(८) अन्तरण से दृष्य किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(९) ऐसे हिनां आय या किसी अन्य आमितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अनन्तराय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या उनका नहीं था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-पा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-पा की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रामनन्दिनी पत्नी हरी नाथ निवासी ग्राम चांदपुर, कायमगंज फर्स्टावाद

(अन्तरक)

2. श्री शंकरपाल निह, भीमस निह पुत्राण मनोहर निह निवासी चांदपुर, कायमगंज फर्स्टावाद

(अन्तरित)

को यह पूछता जारी नहीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में जोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवाद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित ग्राम चांदपुर, कायमगंज फर्स्टावाद 56000६० में वेची गई जिसका किं बाजारी मूल्य 94600६० है।

विजय भार्गव,  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-1978

मोहर :

प्रकृत्या ग्राही दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1978

निवेदण नं० 264/अर्जन/ओरेया/78-79—यतः मुझे,  
विजय भार्गव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओरेया में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से दृद्धि किसी प्राय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाबंध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, ठिपाने में  
सूचिता के लिए;

अब: यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :—

4-496GT/78

1. श्री धारे पुत्र देवशान यादव निवासी बसुण्डा पो०  
दिवियापुर जिला इटावा

(अन्तर्गत)

2. श्री गहृशान निहृ पुत्र चेनगम यादव निवासी बसुण्डा  
पो० दिवियापुर जिला इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**हृष्टोकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बसुण्डा पो० दिवियापुर जिला  
इटावा 64480 रु० में वेंको गई तियाका कि मूल्यांकन 108400  
रु० किया गया है।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 22-11-1978

मोहर :

प्रूप पाई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निदेश सं० 22789/प्रर्जन/मसूरी/78-79/4376—यतः,  
मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ख के प्रधीन संक्षेप प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, मसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से तद के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान तिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, सिम्मलिकित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बान्धित रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तुत में हुई हिसी आय की आदत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बोर्ड/या

(ख) ऐसी जिसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आन्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आदा 269-ख की उपचारा(1) के प्रधीन, मिल्लिकित अधिकारी, भर्ता—

1. श्री लाला जान चन्द्र पुत्र लाला मोती राम निवासी नद विला कुलशी, मसूरी

(अन्तरक)

2. श्री हिक्मत मिह, पुत्र श्री खुशाल मिह निवासी बिमला काटेज, कुलशी, मसूरी

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितमद किसी ग्रन्थ अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति 75,000 रु० के विक्रय मूल्य में मूल्यांकन अधिकारी देहगद्दन द्वारा दी गई शुद्ध बाजारी कीमत 99,800 रु० के विलम्ब वेची गई।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-11-1978

मोहर :

प्रकृत्या आई० टौ०एम० एस०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 1979

निदेश सं० 460-ए/मेरठ—यतः, मुझे, धी० सी० चतुर्वेदी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्रत्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रन्थित्र से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268 ने के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपशारा (1) अन्तर्गत निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री टेकवन्द्र पुत्र श्रीता राम साकिन 78 ए० महामूद नगर, बेरुत लिकाडी गेट, मेरठ

(अन्तरक)

2. श्री गिरवर मिह विमर अमराव मिह साकिन भोज गढ़ी मजरा पचगांव पट्टी अमर सिंह परगना तहसील मेरठ

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवल के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेषः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य अवित्त द्वारा अषोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुषि भूमि नम्बर 222 और 251 रुक्वा 6 बीघे 10 विसवान्ती वा 2 बीघे 12 विसवे 2 विसवान्ती 10 कयवान्ती दो किटे 2 बीघे 12 विसवे 12 विसवान्ती 10 कयवान्ती नाके भोजा पचगांव पट्टी सावलु मेरठ में रु 48,000/- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य रु 86,312/- आंका गया है।

धी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० दो० एन० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ए(1) के प्रधीन मूल्यमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 499 ए/सहारनपुर—यत्, मझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है, तथा जो अनुसूची के अनुमार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से बणित है), गणिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नकुंड में गणिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमात्र प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमात्र प्रतिकल में, ऐसे दृष्यमात्र प्रतिकल का पश्चात् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिक्षी (मन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब यामा गया प्रतिकल, विस्तृतिकृत उद्देश्य में उक्त प्रतिगत विधित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:— ।

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रतिविवर, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसी हिसो आय या निसी धन या मन्य आस्तियों से, जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिविवर, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रतिविवर, या धन-कर प्रतिविवर, 1967 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रम उक्त प्रतिविवर की धारा 269-ए के अनुदरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन विस्तृतिकृत व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विलायत अली खां पुत्र श्री भुरेखा निवासी ग्राम इस्लामनगर डाकबाजाना खाम पर व तहसील नकुंड जिला सहारनपुर  
(अन्तरक)

2. श्री मुख्तार अहमद खां पुत्र श्री बोन उल्लाह रख्मान खां निवासी ग्राम बद्धाला डाकबाजाना इस्लामनगर पर व तहसील नकुंड जिला सहारनपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यालयाद्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिविवर के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथम होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर खमरा 11, 6 बीघा पायें विस्ता 15 विस्तान्सी ग्राम मुजफ्फरपुर परगना व तहसील नकुंड जिला सहारनपुर में 19800/- रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 51,160/- रुपया आंका गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
संकाय प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-1-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वाँ(1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरका:

नारायण, संशोधन प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1979

निर्देश न० 508/ए/गाजियाबाद/78-79--यत, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा०  
के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीर सम्बति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिनकी न० मूल्य के अनुपार है, तथा जो मूल्य के अनुमान  
में स्थित है (और इष्टके उचित अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 6-6-1978  
को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि प्रथा०र्दृश्य मंपति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) प्रोर प्रन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम का बाजार उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन करने के प्रस्तरक के दृश्यमान में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या पन्ने प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, उपर्युक्त में सुविधा  
के लिए;अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनु-  
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० की उपचारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, प्रार्थित:—1. श्री नन्द लाल पुत्र दुल्ला राम निवासी 122 द्वारका पूरी  
(जस्मोपुरा) डा० खास जिला गाजियाबाद  
(अन्तरक)2. प्रोफेसर श्री गृण श्रीवास्तव पुत्र स्व० कंवर बहादुर  
श्रीवास्तव व श्रीमती आशारानी म्हणी श्री गृण  
श्रीवास्तव निवासी 40 मौ० रामानुज दग्दाल (नई  
बन्नी गाजियाबाद) जिला गाजियाबाद  
(अन्तरिती)को यह पूच्चा जारी करके प्रार्थि समाप्त के अर्जन के  
लिए कार्यवाहित करता हूँ।

उक्त मंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय:—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूल्य  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
गद में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में जो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पक्ष निवित  
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के  
परिमाणित है, वहा० प्रथा० होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 113 बारिकपुरी (जस्मी पुरा) गाजियाबाद  
60000 रु० में बेची गई जिमका कि उचित बाजारी मूल्य  
106350 रुपये है।बी० सी० चतुर्वेदी,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-1-1979

मोहर :

प्रश्न धाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं. 434-ए/बुलन्दशहर—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सम्बन्धिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यज्ञपूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उद्भव प्रतिशत से अधिक है और अस्तरिक (अस्तरिकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अवधि:—

1. श्री छिद्र पुत्र ललमन निवासी ग्राम मालापुर मोअज़ज़दपुर प० तहसील हापुड़ ।

(अन्तरक)

2. श्री मुमाष चन्द्र व धर्मपाल विह पुत्रगण व सरैना पली ब्रह्मजीन विह निवासी गण चौपड़ा महेशपुर प० व तहसील बागपत जिला भेरठ व राजकुमार पुत्र सत्तीर मिह निवासी फीरतीपुर प० स्ताना जिला: बुलन्दशहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के सिये कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियों के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षियों के द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**इष्टोकरण:**—इसमें प्रभुत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित माकापुर मुजफ्फरपुर प० व तहसील हापुड़ जिला गाँगियाबाद में 87,000/- रुपए में बैच गई है जिसका उचित बाजारी मूल्य रुपए 1,10,935/- अंका गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राणिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश सं० 104/अर्जन/खैर/78-79—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकार्ड अधिकारी के कार्यालय, खैर/अलीगढ़  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 12-6-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह ग्रन्थि विशेष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजार उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रर्यातः:—

1. श्री इन्वर मिह पुत्र इलु नाकिन बिरौला परगना  
व तहसील खैर जिला अलीगढ़  
(अन्तरक)
2. श्री नाहर मिह पुत्र तीकम मिह, राजकुमार व देवराज  
ना० संरक्षक श्रीमती मुबद्देवी माता पुत्रगण धर्मपाल  
निवासी बिरौला परगना व तहसील खैर जिला  
अलीगढ़  
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्याद्विधान करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्याते के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृपि सम्पत्ति के त्रिकाल 27 स्थित कस्बा खैर तहसील खैर  
जिला अलीगढ़ 40500 रुपए में वेची गई जिसका कि अनुमानित  
उचित बाजारी मूल्य 75,000 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर  
तारीख : 2-2-1979  
मोहर :

पंक्ति पाई ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेंग मं० 121/अर्जन/विधूना/78-79—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी प० सूची के अनुपार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और हमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विधूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1978

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में बास्तविक रूप से किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या दृश्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपलब्धा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्ति:—

1. श्रीमती दानी कुवर वेवा विहू निवासी व पोस्ट मठन्दा परगना विधूना ज़िला इटावा

(अन्तरक)

2. श्री बंशलाल व प्रमूदयाल पुत्र लालई निवासी पुनी विपली (निवासी पो० मुगरिदा, वेलूपुर व मन्यपुरगी वेवा लज्जा व मुंगोलाल पुत्र यादीन निवासी पुत्री मिलनी मौजा मुडरिला पो० वेलूपुर परगना विधूना ज़िला इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रजेन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के प्रमाण में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दृश्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोक्तस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृपि अन्तरित नं० 233 स्थित मौजा मुगरिहा परगना विधूना ज़िला इटावा 45000 रुपए में वेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 1,12,000 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रलृप प्राइ० श्र० अ० ए०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निईश म० 153/प्रजन/इजनाम/78-79—यतः मुझे  
वी० सी० चतुर्वेदी,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी र० मूच्ची के अनुपार है, तथा जो मूच्ची के अनुसार  
में स्थित है (और इनपे उपचार अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अतरौली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-6-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती  
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कर्मी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों पर्यातः—

९-496GT/78

1. श्रीमती गान्धी देवी स्त्री गान्धी नामाल निवासी पाली  
रजाकपुर तहसील कोल जिलय अलीगढ़  
(प्रन्तरक)2. श्रीमती हरदेवी स्त्री शिवलाल, श्रीमती लीलावती  
स्त्री तलेश्वर, श्रीमती चन्द्रबती स्त्री पाना लाल निवासी  
फजलपुर परगाना व तहसील अवरौली जिला अलीगढ़  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रमेन के संबंध में कोई भी ग्रामेष्वपः—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नियन्त्रियों व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हिन्दू फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोइस्नाक्षरी  
के पास लिखित में किए जा गकें।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्री० बदो० का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
नियमावधि हैं, वही प्रयृ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खसरा न० 27एन स्थित माजा फजलपुर  
परगाना व तहसील अवरौली जिला अलीगढ़ 24000 (चौपाई  
हजार) में बैंगो गई जिसका हि प्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य  
89,000 रुपए है।वी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक ग्रामकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, कानपुर  
तारीख : 2-2-1979  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश न० अर्जन/168/विवूना/78-79—यतः, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके  
पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-ख के प्रधीन  
सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति उचित वाजार मूल्य 25,000/- हाथे पर परिवहन है  
और तीर्ती 10 सूचने के प्रतिशत है, तथा जो सूचने के प्रतिशत  
में स्थित है (प्रीर इति उत्तर प्रधिनियम में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), राज्योकार्त्त प्रतिकारी के कार्यालय, विवूना में  
राज्योकार्त्त प्रधिनियम, 1908 (1008 का 11 के ग्रधीन,  
तारीख 28-6-1978

को यूर्वासन भारत के उचित वाजार मूल्य से छार के द्वारा उत्तरान  
प्रतिशत की इन प्रतिशतों की गई है प्रीर पूर्ण यह विश्वास करन का  
कारण है कि यथा यूर्वासन सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकरण से ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का अद्वैत प्रतिकरण  
से अधिक है प्रीर प्रतिकरण (प्रतिकरण) प्रीर प्रतिकरण (प्रतिकरणों)  
(प्रतिकरणों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा यादा या  
श्रान्तिकर, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिकरण लिखित में  
दाखिलित हुए से रुक्षा नहीं हिता गया है:—

(क) प्रतिकरण से हुई हिता प्राय को बाद, उस प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिकरण के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; प्रीर/या

(ख) ऐसी हिता जार या हितों वा या प्रतिकरणों  
को जिन्हे भास्तीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त प्रधिनियम की भारत 269-२ के अनुमति में  
में उक्त प्रधिनियम का भारत 269-७ के उपचारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्री रामनाथ पुत्र दुर्गादन निवासी याम पर्वपुर गाँ  
मुहम्मदाबाद परगना विवूना, जिला इटावा  
(अन्तरक)

2. श्री कोसल मिह, नत्य राम, वृद्धबन मिह पुत्रगण  
बीबत विह निवासी पर्वपुर व श्रीमती रामाश्री  
विवूना रामगृण यादव निवासी नगला नंदराम  
उपग्राम हनमपुर अहिराबद व विवूना मिह पुत्र  
खुगो लंग यादव निवासी रामपुर कर्कुडा डाँ मुहम्मदाबाद  
परगना विवूना, जिला इटावा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करना योग्या समानि द अर्जन के लिए  
कार्यवाचिक रूप से कराया गया है।

उक्त समानि के प्रतीक रूप दर्शन नहीं दी जाती है:—

(क) इन सूचना के राजस्व में इकान सी तारीख प 45  
दिन की प्रधिय या उत्तरवाची व्यक्तियों द्वारा सूचना की  
गयी तारीख से 30 दिन की प्रधिय जा या प्रधिय वार में  
प्रवाल द्वारा या दी जाती है या उत्तरवाची व्यक्तियों में उक्ती  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजस्व में इकान सी तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त व्यक्ति सम्पत्ति में हितवद  
कियो प्रत्यवर्ति द्वारा प्रवाल द्वारा या उत्तरवाची व्यक्ति  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूष गड्ढों प्रीर पदों का जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधायाप 20-क में परिमाणित है, वही  
अब होगा, जो उन अठाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि नम्पति 599 एहड़ लियत प्राप्त पर्वपुर परगना विवूना  
जिला इटावा 57000 में जेको गई जिकाका कि प्रदूषनित उचित  
बजारी मुल्य 91,000 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० ई० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (11) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश न० 40 अर्जन/179/प्रतीकी/78-79—यतः, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सधम प्राधिकारी ने यह विष्वास करने का कारण है  
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
में परिषिक है

और विवही न० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार  
में स्थित है (और इसे उचित प्रत्युक्ता में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), गतिशील अधिकारी के कार्यालय, अतीती  
अनोखे में राजस्थान ग्राम प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 20-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कृप के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई; और मुझे यह विष्वास करने  
का करण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उपर्युक्त दृश्यमान अनियन्त्र से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति  
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरत-  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रधिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में  
वास्तविक रूप में कर्त्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने गा उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी अ० या किसी उन या अन्य प्रास्तियों को जन्म, भारायक आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसार  
में, जूत प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवादः—

1. किरण शिंह, मितर शिंह पुत्रगण तारीफाई करनी  
पुत्र शिवराम निवासी विनयतामर हाल मुकाम  
आनंदपुर परगना ज़िले रोटोल, अतीती ज़िला  
प्रलोगढ़

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, ओमप्रकाश बालिगान व धर्म मिहू  
देवरामनेंद्रन ना० बा० संरक्षक मनोहर लाल भई  
पुत्रगण विदीचन्द निवासी पैन्डरा परगना व तहसील  
अतीती, ज़िला अलीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के  
लिए जायप्रादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में होई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १५ दिन की प्रवधि या सत्सब्दी अवधियों पर सूचना की  
तामील से ३० दिन की प्रवधि, जो भी प्रवाद दृष्टि  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति भेजे से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में १० बड़े  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरताक्षरी के पास  
लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभ्राष्ट  
है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

द्विवि सम्पत्ति न० 437 मिं स्थित मौजा गाजीपुर  
परगना व तहसील अतीती, ज़िला प्रलोगढ़ 17000 रु० में  
बेको गई जिनका कि प्रत्युक्ति उचित बाजारी मूल्य 84,000  
रु० है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्ता (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 2-2-1979

मोहर :

प्रैरूप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिसंबर 2 फरवरी 1979

निर्देश नं० २३९/प्रैरूप/मातृ/७८-७९—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और विनाही नं० गुबी के अनुमार है, तथा जो मूची के अनुमार में स्थित है (और इनमें उत्तरावध प्रत्युत्तमी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, माट (मथुरा) में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व अनुसरण से, गैर उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, पर्याप्त:—

1. श्री रमेश प्रिय हरी निवासी कामिमा डा० वामना तहसील माट जिला मथुरा  
(अन्तरक)

2. श्री डॉरीजल, चमनजाल, देशराज, बच्चू पुत्रगण  
मुरोजात व अन्य निवासी कामिमा डा० वामा तहसील  
माट, जिला मथुरा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्याप्त के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अद्वैतस्तात्कारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोपदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति स्थित तहसील माट जिला मथुरा 29,500 रुपए में बेबो गई जितका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 83,040 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, कानपुर  
तारीख 2-2-1979  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश मं० 297/भर्जन/78-79—यतः मुझे वी० सी० चतुर्वेदी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपाद्वार अनुमूली में और पूर्ण स्वयं में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्न प्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रनतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भ्रन्तरक (प्रनतरकों) और प्रनतरिती (प्रनतरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए दृश्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनतरण निवित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रनतरण से तुई किसी आय का बावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दने के प्रनतरक के बायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रनतरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उक्तारा (1) के मध्येत, निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री सालना प्रमाद दत्तक पुत्र राम प्रमाद निवासी अडीग डा० खास परगना व जिला मथुरा (अन्तरक)
2. श्री हीरा, बाबू, कृष्ण पुत्रगण बुद्धि निवासी अडीग डा० खास परगना व जिला मथुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीर संपत्ति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के रास लिखा में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं वहाँ अर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुमूली

कृपि सम्पत्ति खसरानं० 1066 स्थित मौजा अडीग परगना व जिला मथुरा 45000 रुपए में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 87,620 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 2-2-1979  
मोहर :

प्रस्तुप आर्ड० टी० एन० एस०—

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयतन आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निवेदण पं० 298/अर्जन/78-79—यतः, मुझे, भ० च०, चतुर्वेदी,

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और निराकार सं० सूची के प्रत्युत्तर है, तथा जो सूची के अनुपार स्थित है (और इसे उआवड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रेक्टरी प्रिकारी के कार्यालय, मथुरा में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1978

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रवृत्तरण के लिए तथा यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरा निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयतन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः नाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगपाल पुत्र लक्ष्मी राम निवासी नगल; रामनगर भाग कुजैरा तहसील व जिला मधुरा।

(अन्तरक)

2. श्री दुक्षन निह वालिंग व गुलब निह, दिनेग निह व गोविंद पुत्रन राम नहाय निवासी नगल; रामनगर भाग कुजैरा तहसील व जिला मधुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके जूर्मान सम्पत्ति के प्रत्यंत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के संबंध में छोई मी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिचालित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति नं० 336 स्थित मौज़ा कुजैरा तहसील व त्रिला मधुरा 24700 रुपए में बेकों गई निवित कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 79420 रुपए है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सम्म प्राधिकारी  
सहायक आयतन आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 2-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टो० ए० ए० ---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय भवान क्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निदेश पं० 392/अर्जन/इग्लास/78-79—यतः, मुझे,  
भ० च० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिनकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार मूल्य है (प्रौढ़ इता उचित बाजार मूल्य के आदपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी वे कार्यालय, इग्लास, अनीगढ़ रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपशारा (1), के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्रीनारो लीदवती विवास चतुर्वेदी गोवर्धन सिंह (रोड़ा परसाना हनमेश अनीगढ़ नदी के इग्लास जिला अनीगढ़) (अन्तरक)

2. श्री रामराम नाल पुरावत, रामराम, यमदीग प्रसाद पुरावत इरापाद निरीक्षणी कर्त्तव्य कारबाहा डॉ नोलोगढ़ परसाना उत्तरगढ़ नदीज इग्लास जिला अनीगढ़। (प्रान्तिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में हाँ भा गते हैं—

(क) इस सूचना के राजावाल में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन के अंतिम तारीखों वर्तावारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजावाल में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्भीर ये हिन्दूपद किसी अन्य अक्षित द्वारा, अग्राइक्षणीयों के पास लिखेत में किए जा सकेंगे।

सध्योहरा:—इनमें प्रायुक्त शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में पारमापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्यवाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि सम्पत्ति स्थित मौज्जा कार्यम तहसील इग्लास जिला अनीगढ़ 45000 रु. में देवी गई जिसकी कि अनुमति उचित बाजारी मूल्य 95000 रुपए है।

नारीब 2-2-1979

मोहर

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश मं० 357-ए/कानपुर-यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० सूची के अनुमार है, तथा जो सूची के अनुमार दिवित है (और इनमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथारोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के प्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्यातः—

1. श्रीमती किरण कुमारी भार्गव पत्नी स्व० गिरराज किंगोर विह भार्गव निवासी जी/56 तिलकनगर कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मोती लल जैन अध्यक्ष व श्री वजीर चन्द्र जैन व श्री ज्ञान नारायण जैन व श्री सुलेख चन्द्र जैन उपाध्यक्ष व श्री प्रेम कुमार जैन महामंत्री व श्री भ्रष्टामल जैन व श्री बच्चु लल जैन, उपमंत्री व वीरेन्द्र कुमार व निर्वन्त कुमार व ज्ञान चन्द्र मातृजन परिषद सोनाइट, 102/32 महाबीर स्वामी मार्ग कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पादित स्थित 108/23 वाके गान्धीनगर कानपुर (476 दशमल व 25 वर्गगज) 80,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित आजारी मूल्य 99,500/- रुपए आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :





प्रस्तुति ग्राही दी० गत० एव०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश मं० 360-ग/मानगथ/—यह, मुझे, भगव चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (ग्रीष्म उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानगथ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विधियां में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य साक्षियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—496GL/78

1. श्री पूरन मिहूव विमला स्त्री निवासी तालडा हाल निकट बड़ा डाकघासा बीकानेर राजस्थान (अन्तरक)

2. श्रीमती भुल्ली पुरी काले भिह व श्रीमती विमला स्त्री मूवे मिह व मु० बीरमती स्त्री श्याम भिह व श्रीमती बाला बेवा राम भिह निवासी मूजर हाउस परगना खतोली तहसील जानगढ़ जिला मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रधानकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित ग्राम तालडा परगना जौली सानकाथ नं० 498 11 बिधा 15 बिसवा 4+8 जो 71,820 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 97,200/- रुपया आंका गया है।

वी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

## प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 646 ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुमार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रवित्रियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के पश्चात् निम्नरिक्त व्यक्तियों, पर्याप्त:—  
7-4 96GI/78

1. श्री जगदमित्रा प्रगाढ नारायण निवास मुमुक्षु महाराजा महाराजी जगदमित्रा देवी धर्मपत्नी महाराजा सर प्रताप नारायण मिथि के सी० आई० है निवासी राज सदन अयोध्या, परगना हवेली अवध, तहसील बजिला फैजाबाद।

2. चंडी प्रसाद पुत्र प० खुशी राम तथा गंगा प्रमाद पुत्र श्री चंडी प्रसाद निवासी विष्णु धाट हरिद्वार परगना ज्वालापूर तहसील रुडकी जिला महाराजपूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि स्थित विष्णुधाट, हरिद्वार को 50,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,42,000/- रुपया आंका गया है।

भ० ज० चतुर्वेदी  
मध्यम प्राधिकारी  
महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-2-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निरेंग ०० ४१९/अर्जन/फिरोजाबाद/७८-७९—अन्: मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ओर निराकारी में है, तथा जो में स्थित है (प्रायः इसमें उपावद्ध अनुमूल्यों में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसों जिनी आद या जेता धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुवरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, पर्वात।—

1. श्री नंदी लाल पुत्र कुन्दन लाल निवासी ग्राम रैपुरा पास्ट

फिरोजाबाद, जिला आगरा

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र मिह, रामपन्नरी वालिंग व बींगंद्र मिह नाम वालिंग भंग्काक व पिता अदल मिह निवासी नगला पानमहाय मजरा मौजा टापा खुर्द तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां की धारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुण्ठि अम्पत्ति क्षेत्रफल 31/2-10 पुङ्ला स्थित परगना व तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा 15000 रुपये में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 77,144 रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० 452-ए/मुजफरनगर—अतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्य मूच्ची के अनुमार है, तथा जो सूची के अनुमार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूच्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जानसंथ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-६-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तावक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में मुश्यमा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती पत्नी श्री रत्न शाम निं० मोर्पुर डा० माणिपुर परगना मुम सम्बन्धिता तहसील जानसंथ जिला मुजफरनगर  
(अन्तरक)

2. श्री रत्न सिंह व मिधन सिंह व किरण पाल सिंह पुत्रगण मुख्यार पिंड 3/5 भाग सत्यवीर सिंह पुत्र बीरबल सिंह 1/5 भाग मु० राजकली पत्नी श्री सत्य वीर सिंह 1/5 निनराल ग्राम खेड़ी सराय तहसील जानसंथ जिला मुजफरनगर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रप्रतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमूच्ची

कृपि भूमि रक्षा 1617/ स्थित खेड़ी सराय मुजफरनगर में 40,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 65,400/- रुपया आंका गया है ।

भ० च० चतुर्वेदी,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, कानपुर

तारीख : 2-2-1079

मोहर :

प्रकप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1979

निर्देश सं० अर्जन/132/हाथरस/78-79—यतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० मूच्ची के अनुसार है, तथा जो मूच्ची के अनुमार स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुमूच्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-6-1978 को

पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये घटनाकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्वह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्रीमती हरिप्पारी विधवा पोखवाल निवासी ऐलन परगना व तहसील हाथरस पो० खास जिला अलीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह, लाल भिंह, मेघ सिंह, जनक सिंह पुनर्गण लीनाधर निवासी गोदा पोहट खास तहसील कोल जिला अलीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

इन सम्पत्ति के अवैर के संबंध में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, विद्योद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुमूच्ची

कृषि भूमि नं० 574 स्थित ग्राम ऐलन परगना व तहसील हाथरस जिला अलीगढ़ 71,000 रुपए में बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 574-ग—अना०, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार  
में स्थित है (श्रीराध्यमें उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में  
रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 2-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत:—

1. श्री डेड राज पुत्र श्री मनी लाल और श्रीमती चन्द्र कान्ता  
पत्नी श्री डेड राज 211 लुनियां मोहल्ला देहरादून  
(अन्तरक)
2. श्री मुरुन्द्र कुमार पुत्र अरजन दाम मत्ता निवासी 2  
प्रास्तेल हाल, देहरादून  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षय:—

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्तात्तरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सम्पत्ति नम्बर 2 स्थित ऐस्तले हाल, देहरादून में  
70,000/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य  
1,01,400/- रुपया अंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी-एन-एस—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश मं० 592-ए—अतः मृद्दे, भ० च० चतुर्वेदी,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० सूची के अनुभार है, तथा जो सूची के अनुभार  
में स्थित है (अर्थात् उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 6-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित छे बास्तविक रूप से कषित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई इसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या वन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवोजनार्थ अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1 श्रीमती नर्मदा वार्ड पत्नी श्री नोहर जी भाई निं०  
नर्मदा भवन ग्राम वहादुर जैसमा ग्राम रोड, हरिद्वार।  
(अन्तरक)

2. श्री जौहरी लाल पुत्र श्री ब्रज लाल निं० लक्ष्मी निवास  
ग्राम वहादुर जैसमाग्राम रोड, श्रवण नाथ नगर  
हरिद्वार।  
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी  
के पास लिखित में किये जा सकें।

हप्तोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में स्थित  
गया है।

### अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति स्थित जैसमाग्राम रोड हरिद्वार में 1,38,000/-  
रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,88,000/-  
रुपए आकी गई है।

भ० च० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख 6-2-1979 :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० 552-ए/कानपुर—यह, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुश्चि किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणित :—

1. श्री जगदेव मिहू श्री महावीर मिहू निवासी धर्मना मजरा महराजपुर परगना व जिला कानपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री बाबू राम औतार व श्री सत्यपाल पुत्रगण श्री रोणन लाल व श्रीमती बुदुवल्ली पत्नी श्री रोणन लाल निवासी हरजेन्द्र नगर, कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्कीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 99 स्थित महराजपुर परगना व जिला कानपुर में 60,000/- रुपए में बेची गई जिमका उचित बाजारी मूल्य रुपए 1,52,000/- आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
संधाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 646 ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चन्द्रवेदी, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण त्रिवित में वास्तविक हा से उचित नहीं किया गया है:—

(ग) प्रत्यक्ष में दृश्य किसी ग्राम की वावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौतिक

(घ) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रासिस्यों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसने में सुविधा के लिए;।

प्रतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षण में से, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के प्रत्रिनिधित्व व्यक्तियों, पर्याप्त:—  
7-4 96GI/78

1 श्री नगरस्मिन्द्राप्रगाढ ताम्रपण गुप्त | 1900 मुख्यमान महाराजा नगरस्मिन्द्राप्रगाढ ताम्रपण गुप्त गहाराजा मर प्रताप नारायण भिष्म के गो० आई० है निवासी राज मदन अर्योध्या, परगना हवेली अवध, नहर्मीन व जिला फैजाबाद।

2. चंडी प्रसाद पूर्व प० छुशी राम तथा गंगा प्रगाढ पूर्व श्री चंडी प्रसाद निवासी विष्णु घाट हरिद्वार परगना ज्वालापूर तहसील रुडकी जिला महाराजपूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदन्तमन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एषटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि स्थित विष्णुघाट, हरिद्वार को 50,000/- रुपए में बेची गई जिसका उचित वाजारी मूल्य 1,12,000/- रुपया आंका गया है।

भ० ज० चन्द्रवेदी  
प्रधाम वा० धर्मार्थ  
गहारक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-2-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 441-ग—यतः, मुझे भरत चन्द्र चन्द्रवेदी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मूल्य के अनुमार है, तथा जो मूल्य के अनुमार स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्यन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—

1. श्रीमती धूपकली पत्नी श्री प्रेम राज छह्यापुरी हाल मड्डी मड्डी धंठाघर, निकट अम्बा टाकीज, देहली मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री मूल चन्द्र शर्मा पुत्र श्री राम नाथ शर्मा निवासी 1619/28, नवीन शाहदरा दिल्ली द्वारा इलाहाबाद वैक तिमारपुर, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शर्म करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 521 हाल 573 वाके ब्रह्मपुरी, मेरठ में 80,000/- रुपया में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,17,500/- रुपया आंका गया है।

भ० च० चन्द्रवेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर  
तारीख : 8-2-1979  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०————

आप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 फरवरी 1979

निर्देश सं० 554-ए/सिरठ—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है, तथा जो सूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मवाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 11-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मग्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सहदेव मिह चौ० ईश्वरी प्रसाद निवासी कस्बा फलावादा परगना हस्तिनापुर तहसील मताना, मेरठ।  
(अन्तरक)

2. श्री नरेण मिह चौ० शोश राम निवासी ग्राम भूपगढ़ी मजरा जानी खुद परगना व तहसील मेरठ वर्तमान कस्बा फलावादा परगना हस्तिनापुर, तहसील मवाना जिला : मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियमित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि नम्बर 1923 स्थित ग्राम फलावादा परगना हस्तिनापुर जिला मेरठ में 92,000/- रुपया में वेची गई जिमका उचित बाजारी मूल्य 1,20,000/- रुपया आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्रार्द्ध दी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर, कार्यालय

कानपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० 106/अर्जन/राठ/78-79—यतः, मुझे,  
बी० मी० चतुर्वेदी,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हाथके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रयोग भवत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० गुच्छी के अनुमान है, तथा जो गुच्छी के अनुमान  
स्थित है (और इसमें उपावड अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्टर्ड किरण अधिकारी के कार्यालय, राठ, हमीरपुर  
में रजिस्टर्ड किरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा ग्राम्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कृयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी ग्राम या किसी ग्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
ग्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रन: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के ग्रन्सरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अन्तातः:—

1. श्री छिमाधर पुत्र गंगाधर निवासी ग्राम उजनेह प० धंगवा  
परगना व तहसील राठ जिला हमीरपुर  
(अन्तरक)

2. हुगाल खेमचन्द्र पुन्नगण श्रीपत व व्यारे लाल, शिवपाल  
पुत्र बदलू प्रसाद निवासीगण ग्राम अठगांव प० धंगवा  
परगना व तहसील राठ जिला हमीरपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्षा से  
45 दिन की प्रवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्षा से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड  
किसी ग्रन्य अन्य अविक्षि द्वारा, ग्रन्होहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
ग्रन होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि सम्पत्ति चक नं० 131 स्थित ग्राम उजनेह परगना  
व तहसील राठ जिला हमीरपुर 22000/- रुपए में बेची गई  
जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 95,000 रुपए<sup>है।</sup>

बी० मी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 13-2-1979  
मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी टौ० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० 185/अर्जन/राठ/78-79—यतः, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची के अनुमार है, तथा जो सूची के अनुमार स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में प्रारं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपकारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त है:—

1. श्री सूरज प्रमाद पुत्र भुद्धर लाल निवासी इटायल पो० अमगांव पश्चाना व तहसील राठ जिला हमीरपुर।  
(अन्तरक)2. श्री शिवराम मिह, गुर प्रमाद पुत्र लल्लमन सिह वृजेन्द्र मिह ना० बा० संरक्षक व पुत्र लक्ष्मन मिह, कल्लू मिह पुत्र व संरक्षक भोला मिह पुत्र दयाराम निवासी कस्वा व पो० राठ मोहल चौबद्दा परगाना व तहसील राठ जिला हमीरपुर।  
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि सम्पत्ति 14.49 बीघा स्थित ग्राम इटायल परगाना तहसील राठ जिला हमीरपुर 20700/- रुपए में बेची गई जिसका कि ग्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 139000 रुपए है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 13-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी 1979

निदेश सं० अम्बाला/3/78-79—यतः, मुझे, गविन्द  
कुमार पठानिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० कोठी न० 85 का आधा भाग है, तथा जो  
जो डुरंड रोड, अम्बाला छावनी में स्थित है (और इसमें उपावद  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी  
के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पार्यग गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन नर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
धीनम्, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री अमत लाल सारीन पुत्र श्री राय माहब्र मोहन  
लाल सारीन मारकत मलैसको लेबोरेट्री मथुरा रोड,  
कोइकला, दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम सरीन धर्म पत्नी श्री मुख्देव राम  
सारीन 100-दी माल, अम्बाला छावनी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कोठी न० 85 का आधा भाग जिसमें छ: सरबेंट क्वाटर  
है जो डुरंड रोड, अम्बाला छावनी में स्थित है और जैसा कि  
रजिस्ट्रेशन न० 984 में दिया है और जो रजिस्ट्रीकर्टा अधि-  
कारी अम्बाला के कार्यालय में 20-6-1978 को लिखी गई।

गविन्द कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी 1979

निदेश सं० सोनीपत 7/78-79—यतः, मुम्भे, रवीन्द्र कुमार  
पठानिया,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पात्रात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की व्यापा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 34-एल, माडल टाउन है, तथा  
जो सोनीपत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध जनसूची में और  
रुपा से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत  
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, नारीब जुलाई 1978पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्भे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के  
लिए; और/या(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;प्रति, अब, उक्त प्रधिनियम की व्यापा 269-ब के अनु-  
न्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की व्यापा 269-ब की उपशारा  
(1) के अधीन निम्ननिवित विवितियों, अर्थात् :—1. श्री मुर्द्दन लाल पुत्र श्री राजेन्द्र शाह उर्फ जिन्दे शाह  
कमीशन एजेंट, पुरानी मज्जी मंडी, सोनीपत।  
(अन्तरक)2. श्रीमति अंगूरी देवी, विधवा श्री रघुवीर मिह मकान  
नं० 34-एल, माडल टाउन सोनीपत,  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करताहूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाय में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रत्येक होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—मकान नं० 34-एल, माडल टाउन, सोनीपत तथा  
जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता, सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक  
1960 माम जुलाई, 78 में दर्ज है।रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीब : 6-2-1979

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निवेदन मं० जे-48/अर्जन—यतः, भुमि, ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 23 व म० नं० 172-डी है, तथा जो 17-वी हेस्टिंग रोड, इलाहाबाद में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रामिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रामिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी ग्राम या ग्राम्य ग्रामिनियमों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रामिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रामिनियम, या धनकर ग्रामिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त ग्रामिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रन्त :—

1. श्रीमती पोमा शोम व ग्रन्त

(अन्तरक)

2. श्री जयल मरमा।

(ग्रन्तिग्रन्ती)

3. ग्राम नाथ मरमा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में ग्रन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेष्वप्नी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में विस्तरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उद्धोक्तरण :—इसमें ग्राम्यक और पदों का, जो उक्त ग्रामिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही ग्रन्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भूमि

भूमि का प्लाट संख्या 23 स्थित नेवादा नवीनपुर व वरियारा तहसील छैल व उस पर स्थित मकान नं० 172-डी स्थित निवादा 17-वी हेस्टिंग रोड, इलाहाबाद भूमि का क्षेत्रफल 900.11 वर्ग मीटर तथा मकान का क्षेत्रफल 214.66 वर्ग मीटर स्थित इलाहाबाद व पत्तपत्ति का सब विवरण जो फार्म 37 जो संख्या 1428 में बोलत है जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में 6-6-1978 को दर्ज है।

ग्राम नाथ विसेन,

सक्षम अधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती गंगा देवी

(अन्नारक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री नारायण दाम व श्री भगवान दाग

269व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. विक्री (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1979

निर्देश सं० एन-27/79/अर्जन—यतः, मुझे, अमर मिह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य 291/1-2 है, तथा जो मो० बदली कटरा, मीरजापुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मीरजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 30-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प उपज्ञान (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—  
8—496GI/78

को यह सूचना जारी करके प्रशासन सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां मुख करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 291/1-2 जो कि मो० बदली कटरा शहर मीरजापुर में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब क्षिवग्न जो कि गोल डीड तथा फार्म-37-नं० जो 2670 में वर्णित है और मव रजिस्ट्रार मीरजापुर के कार्यालय में दिनांक 30-6-1978 को दर्ज है।

अमर मिह विसेन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 7-2-1979

मोहर :

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० एन-31/अर्जन—यतः मुझे, अमर मिह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 289/181 है, तथा जो मोतीनगर लखनऊ में स्थित है (प्रौर इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वर्तिका के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. डॉ नारायण मिन्धी व श्रीमती कौणल्या (अन्तरक)
2. श्री हीरानन्द, देव किंगन, धनक्षयाम दाम (अन्तरिती)
3. बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसे अधिभोग में सम्पन्नि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान नं० 289/181 जो कि मोतीनगर लखनऊ में स्थित है। सम्पत्ति का वह मब विवरण जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी नं० 2916 में अंकित है तथा सब रजिस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में दिनांक 8-6-1978 को दर्ज है।

अमर मिह विसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-2-1979

मोहर :

प्रकृपा आई० टी० एन० एस०—  
ग्राम्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज, लखनऊ कार्यालय  
लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० पी-६९/ग्रंजन/७९—यसः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मूल्य १० लाख से अधिक है, तथा जो मो० दीवान बीजार गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-६-१९७८ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्पातः—

1. श्री शिव गोविन्द शरन, हरसांविन्द शरन व श्रीमती शिवपति कुवरी।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभावती मल।

(अन्तरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीकरण:—इसमें प्रदूस शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किना मरानं० एम० बी० 262 जिसका क्षेत्रफल 4000 वर्ग फुट है जो कि मोहल्ला दीवान बाजार जिला गोरखपुर में स्थित है व सम्पत्ति का यह सब विवरण जो कि सेल डीड तथा फार्म 37-जी नं० 4390 में अंकित है। तथा सब रजिस्टर कार्यालय गोरखपुर में दिनांक 7-६-१९७८ को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त निरीक्षण  
ग्रंजन रेंज, लखनऊ

तारीख 13-2-1979

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 26९व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एनकुलम,

कोम्हीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निवेद सं० एल० सी० 250/78-79—यतः मुझे वी० मोहनलाल  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 26९व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो चावक्काड में  
स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टपडी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
12-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्लन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
ब्लन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;

ध्येय: अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९ व के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम को धारा 26९-व की उपधारा, (1)

1. (1) श्री अमृहाजी  
(2) श्रीमती नवीसा

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० नानू  
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाव भाव में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापक भाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उसअध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

1.22 acres of land with buildings vide document No. 604/78  
of SRO Kottappady.

वी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, एनकुलम

तारीख : 23-10-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एन० सी० 25९/७८-७९—यतः मुझे वी० मोहनलाल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जिसकी सं० अनुमूली के अनुमार है तथा जो श्रोमन्त्यूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय चावकाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी हिसी आय या हिसी पत या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्भातः:—

1. श्री कें० एम० कुण्डण अव्यर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एम० सुहराबी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुसंज्ञा

82 cents of land vide schedule attached to document No. 806/78 of SRO Chavakkad.

वी० मोहनलाल  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-11-1978

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम;

कोन्टीन-16, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० सी० 260/78-79—यतः मुझे वी०  
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्रनुसूची के अनुसार है तथा जो ओरुमन्यूर में  
स्थित है (और इसमें उपांग अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चावककाड़ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (198 का 16) के अधीन  
8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० कृष्ण अध्यर

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० नूरुद्दीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

79 cents of land vide schedule attached to document No.  
772/78 of SRO Chavakkad.

वी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 नवम्बर 1978

निदेश सं० एल० सी० 266/78-79—यतः मुझे वी० नारायण मेनोन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो क्रिच्चूर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क्रिच्चूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः:—

1. श्री मंगला देवी अम्मा तथा अन्य

(अन्तरक)

2. श्री के० पी० रवीन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and buildings as per schedule attached to document No. 2687 of SRO Trichur.

के० नारायण मेनोन

नाथम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 16-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोवीन-16, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

निदेश सं० एल० सी० 269/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसूची के अनुमार है तथों जो त्रिचूर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविष्ट है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रश्नोन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रा० या आ०स्टियो० को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफुट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रस्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. श्री के० नारायण

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा बालकृष्ण

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी कर्ता पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए रायेवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी यन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, तो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

60 cents of land with building vide document No. 2713/78 dated 14-6-1978 of SRO, Trichur.

के० नारायण मेनोन  
सधाम अधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 20-11-1978

मोहर :

प्रक्षेप प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोषीन-16, दिनांक 5 फरवरी, 1979

निदेश सं० एल० सी० 287/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी ० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कानिकल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोषिकोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरको) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में धास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी फिती पाय या किमो धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अपार्टमेंट:—

9—496GI/78

1. श्री के० बी० जी० राव० एस्टेट (HUP)  
(अम्तरक)  
2. श्री के० मुमा हाजी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी अधिक द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य अधिकारी द्वारा प्रधोमस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

† right over the first and second floor of the building as per schedule attached to document No. 580/78 of SRO, Kozhikode.

के० नाराय मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 5-2-1979

मोहर:

प्रलेप शार्ड० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निकेश सं० ए०आर०-१/३०६३-११/भई-७८—अतः मझे व्ही० ए०स० शेषाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० ए०स० पर 184, 185 एंड 186 है तथा जो कमलबर और बरलाडीहीन में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. (1) (1) मध्यसूदन डी० सेठीय  
(2) भारत कुमार शीकाजी सेठीय  
(3) सुरेन्द्र डी० सेठ

(अन्तरक)

2. प्रीत लाडीवाला को० आ० एपार्टमेंट को० हाउसिंग सोसायटी ।  
(अन्तरिती)
3. सोसायटी के सदस्य ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए एतदारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलोख नं० 2872/बास्टे/72/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-6-78 को रजिस्टर गया है।

तारीख : 19-12-78

मोहर :

व्ही० ए०स० शेषाद्रि  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बम्बई ।

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निवेद सं० ए०सी०क्ष०-२३-१-१७७९(७७८)/१२/२/७७-  
७८—यतः मुझे एस० सी० परीक्षा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है तथा जो नागरिक सोसायटी,  
विजयनगर, एरिया, भुज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
शब्दित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री रत्नाकर जादवराय घोलकीया,  
जा० राजेन्द्रकुमार प्रताप राय घोलकीया, के कुलभूजायर  
नागरिक सोसायटी, भुज।  
(अन्तरक)

2. श्री उमेदलाल मगनलाल,  
श्री मगनलाल परमोत्तम बजाणीया के कुल मज्जायार  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियां पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुबन्धों

मकान जो 500 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर स्थित है  
जिसका प्लाट नं० 11 तथा म्यनिसिपल नं० 10/7/32 है, जो  
नागरिक सोसायटी विजयनगर एरिया, भुज में स्थान जिसका  
पूर्णवर्णन 5-6-1978 को रजिस्ट्री किये गये विक्रम दस्तावेज  
नं० 804 में दिया गया है।

एस० सी० परीक्षा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 9-2-1979

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० ए०सी०क्य० 23-1-1784(782)/16-6/77-78—  
अतः मझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 154 है, तथा जो श्रमजीवी को०  
ओ० ह्राउसिंग सोसायटी, स्ट्रीट नं० 6, राजकोट में स्थित है  
(और इससे उपाखण्ड अनमूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (198 का 16) के अधीन 9-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही  
किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रत। प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधितयों द्वारा :—

1. श्री सीणाभा आनन्द भाई काचा  
रामनगर, मेईन रोड, गोडल रोड,  
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. श्री भगवलाल कल्याण भाई शैठ  
श्रम जीवी सोसायटी,  
मार्ग नं० 6, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए  
कार्यशालियों करसा है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में  
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
पन्थ अविक्त द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदो एवं पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधाराय 20 के परिभाषित हैं, वही  
पर्याय होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है ।

अनुसूची

'गोकुल निवास' नाम से प्रख्यात दो मंजिल का मकान जो  
300-00 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा है जिसका  
प्लाट नं० 154 है, और जो श्रमजीवी को० ओ० ह्राउसिंग  
सोसायटी, स्ट्रीट नं० 6, राजकोट में स्थित है ।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 12-2-1979

मोहर :

प्रख्य श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० 62/19382/78-79/ए०सी०क्य०—  
यतः मुझे पी० रंगनाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, काहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/ए, और 1/ए-1, Ist मेन है तथा जो रोड, श्रीकंटा-ले-ओट, बंगलूर-560001 में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 19-6-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्यातः—

1. श्रीमती सरस्वती शांता रामकृष्णन, पत्नि श्री एस० रामकृष्णन,  
1/ए, श्रीकंटा ले-ओट, बंगलूर। (अन्तरक)
2. (1) के० बैंकटेश नायक सुपुत्र के० माधव नायक  
| (2) के० पुड़ालीक नायक } के० बैंकटेश नायक  
| (3) ए० पांडुरंग नायक } नं० 1/ए, और  
| (4) के० हरीश } 1/ए-1, मेन  
श्रीकंटा-ले-ओट बंगलूर। (अन्तरिती)
- 3 मैसर्म पावनगेरे शुगर मिल्स लिमिटेड,  
फर्स्ट फ्लॉर, 1-ए, और 1-ए-1, फर्स्ट मेन रोड,  
श्रीकंटा-ले-ओट, बंगलूर।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के पर्वतेर में नोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रत्यक्षि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

[वस्तावेज सं० 944/78-79, तारीख 19-6-78]  
मारा संपत्ति सं० नं० 1/ए, और 1/ए-1, फर्स्ट मेन रोड  
श्रीकंटा-ले-ओट, बंगलूर-56009 (डी एन० नं० 44)

#### चक्रवन्दी :

पूर्व: 'केंजं' रोड,  
पश्चिम: खाली जगह का नं० 19/ए  
उत्तर: 50' रोड और  
दक्षिण: चन्न बसवगोडा, के आस्ति

पी० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 25-11-78

मोहर :

प्रक्षय आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी०आर० 61/19433/78-79/ए०सी०क्य०—  
यतः मुझे पि० रंगनाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प  
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जगह का नं० है तथा जो 7/6  
बिन्नत मंगला ले और I स्टेज बंगलूर में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-6-1978  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश  
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती  
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाव  
अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

महा० अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1)  
प्रधीन, विश्वासित अविदारों, अवत् ।—

- श्री जियाउल्ला मैकयै सुपुत्र आरिकुल्ला मैकयै  
नं० 49 खाजी स्ट्रीट बसवानागुडा बंगलूर-4  
(अन्तरक)
- श्रीमती सरस्वती पौल पर्नी शंकर पौल  
नं० 1/18, मसूर रोड, हनुमनथा ले आर्ट,  
बंगलूर-56  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी प्राप्तेवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरामध्ये अविक्षयों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
प्रम्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विद्या गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 922/78-79 तारीख 30-6-78 )

सारा खाली जगह का नं० 716, बिनामंगला पहली स्टेज  
बंगलूर ।

चक्रवर्ती :

पूर्व : खाली जगह का नं० 717

दक्षिण : खाली जगह का नं० 715

पश्चिम : रोड और

उत्तर : रोड ।

पि० रंगनाथन  
सभी प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 12-12-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस. —

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 जनवरी 1979

निवेश सं. सी. ग्राम. 62/19183/78-79/ए.सी.क्यू.वी  
—यह मुझे पि० रंगनाथन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके वर्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से  
प्रधिक है

और जिसकी सं. 507, है तथा जो 45क्रास 5 ब्लाक,  
जयानगर यक्सटेनेन्यन बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जयानगर, बंगलूर दस्तावेज सं. 670/78-79 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत  
से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नसिद्धित उत्तेश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के शायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्राहितियों को  
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए वा, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनु-  
सरण म. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नसिद्धित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० शंकर सुपुत्र स्व०श्री पि० सुरेणानारायण सदृशी  
सं० 370, प्लैट, अपवर अरन्नारुड़म,  
बंगलूर-6 ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती अनन्या अपाक अमीन  
पति श्री अशोक वि० अमीन  
सं० 196, 38 क्रास, 5 ब्लाक, जयानगर,  
बंगलूर-11  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यबाहियां करता हूँ।

रक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 670/78-79 तारीख 8-6-1978)  
खाली जगह जो 507.78 स्क्यूर मीटर है सं. 507 जो  
45 क्रास, 5 ब्लाक, जयानगर, बंगलूर-II में है।

बौनडारीस :

पूर्व : साइट सं. 506  
पश्चिम : साइट सं. 510  
उत्तर : 45 क्रास रोड, और  
दक्षिण : राहत सं. 508

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०-----

आधकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 6 जनवरी 1979

निवेदा सं० सी०आर० 62/19400/78-79/०सी०क्य०/बी-  
—यतः मुझे पि० रंगनाथन  
आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 ब्लाक सं० 18 है, तथा जो अपनीनी रोड़,  
मदीकेरी टौन, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
मदीकेरी तालुक, कुडागू डिस्ट्रिक्ट-571201 मरकेरा दस्तावेज  
सं० 416/78-79 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 30-6-1978

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक  
है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों)  
के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
मिन्मिनिक्षित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण किसत में बास्तविक रूप से  
कागित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के ग्रन्तरक के बायित्व में  
कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;  
प्रोर/या

(ख) ऐसा किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर  
ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै  
अवधिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भाग: यदि उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-प के ग्रन्तरण में,  
में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टुति:—

1. (1) श्री सि० वि० सदाबीवा राव  
सुपुत्र सि० यन वेनकापाया
- (2) श्री सि० वि० शंकर,  
सुपुत्र सि० यन वेनकापाया

- (3) श्रीमती सि० एस० कावेरीयममा  
पत्नी सि० वि० श्रीबीवा का राव
- (4) श्री मि० एस० श्रान्ननथाया  
उनकी मां सि० एस० कावेरीयममा प्रेसन्त कर  
रहे हैं ।
- (5) यमोना एस० राव और आब यमोना कोडेकाडा  
मुपुत्री सि० एस० श्रीनिवासा राव और पत्नी  
न० कोडेकाडा और उनकी मां प्रेसन्त कर  
रहे हैं सी० म० कावेरीयममा
- (6) श्रीमती गायात्री शाशीधर,  
पत्नी श्री क० जी० शाशीधर, सं० 13, पाटरी  
रोड़, रिचर्ड्स टाउन बंगलौर श्रीमती सि० एस०  
कावेरीयममा,  
सबका पता : स्कूल रोड, मदीकेरी,  
कुडागू डिस्ट्रिक्ट । (अन्तर्रक्ष)

2. श्रीमती सि०य० पुन्नमा, पत्नि सि०बी० शंकर सिडी-  
केट बैक, मदीकेरी, कुडागू डिस्ट्रिक्ट । (अन्तर्रक्ष)  
को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के जैन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी धर्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 416/78-79 तारीख 30-6-1978)

एक एकड़ जमीन जो सरवे सं० 9 तथा जो 1.61 एकड़  
जमीन में थी उसके साथ एक घर 1800 नर्म गज क्षेत्रफल  
खपरेले का बना हुआ है ? वह ब्लाक सं० 18 मदीकेरी टौन  
म्युनिसिपलिटी मदीकेरी तालुक कुडागू डिस्ट्रिक्ट में है।  
चकबन्दी :

पूर्व बचत जमीन सरवे सं० 9 और जमीन जो सरवे  
सं० 13/1, 13/2 और 14 में है।

परिचय : जमीन सरवे सं० 515/3 और 18/4

उत्तर : जमीन सरवे सं० 10, 514, 515/3 और

दक्षिण : जमीन सर्वे सं० 18/4

पि० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख 6-1-1979

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/19179/78-79/ए०सी०ध्य०  
वी—यह: मुझ पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 692/ए० टी० एस० सं० 106/ए०  
है, तथा जो थिशिलेषवरा वारड, थिशिलेषवरा टेमपल रोड,  
कसाबा बाजार, विलेज मेंगलूर-1 में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय मेंगलूर दस्तावेज सं० 216/78-79 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
व्यय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसंरण  
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, प्राचीत:—

1. श्री के० देवादास कामथ सुपुत्र श्री आर० रामाराया कामथ  
थिशिलेषवरा टेमपल रोड, मेंगलूर सिटी-1 (अन्तरक)

2. श्री पि० सुवराया कामथ

1 सुपुत्र पि० विटाला कामथ  
लूम्बूर रोड, गोलीकट्टा बाजार, मेंगलूर। (अन्तरिती)

3. (1) वेंकटेष प्राशू
- (2) किषण मलाया
- (3) मद्दी कृष्ण प्राभू
- (4) बापटिस्ट लाबू
- (5) वासुदेवा पाये
- (6) सिरीनीवासा पाये
- (7) श्रीमती राधा पाये
- (8) श्रीमती लालिता पाये

थिशिलेषवरा वारड, थिशिलेषवरा टेमपल रोड,  
कसाबा बाजार, विलेज, मेंगलूर-1

(वह अविक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लिखितरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 216/78-79 तारीख 7-6-78

सर्वे सं० आर० एस० 692/A, टी० एम० सं० 106/ए  
बर सम्पत्ति जो थिशिलेषवरा वारड, थिशिलेषवरा टेमपल रोड,  
कसाबा बाजार विलेज, मेंगलूर-570001 में है।

चक्रबन्धी:

बाउन्डीज़:

पूरब: सम्पत्ति आर० एस० सं० 103 और० 108

पश्चिम: थिशिलेषवरा टेमपल वारड,

उत्तर: सम्पत्ति आर० एस० सं० 104/ए

दक्षिण: सम्पत्ति आर० एस० सं० 107

पि० रंगानाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
प्रज्ञन रेज, बंगलूर

तारीख: 8-1-1979

मोहर :

प्ररूप ग्राइंड टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निदेश सं० सी० आर० 62/19188/78-79/ए०सी०कू०/बी  
—यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269म के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नया 37 और पुराना 51 है, तथा जो लिंगाराधापुरम अशोका रोड, संट थामस टौन, बैंगलूर में स्थित है

और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर, दस्तावेज सं० 75/78-79 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पश्चात प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेष्ठ से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) ग्रन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्रिधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या ग्रन्तरितियों को जिस्ते भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुद्रिधा के लिए;

ग्रन्त : यह, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के ग्रन्तरण में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269म की उपलाहा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- श्री यूरोन पिटर बरड़ सुपुत्र एच०आर० बरड़ 37, अशोका रोड, संट थामस टौन, बैंगलूर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती नजमुनियम (नजमा) पत्नी अकबर अली खान 11/1, बौर बैंक रोड, बैनमन टौन, बैंगलूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के ग्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा ग्रन्तोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रधाय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 756/78-79 तारीख 9-6-1978)  
जमीन और धर के साथ तथा जो सर्वे सं० 11 लिंगाराधा पुरम, नया सं० 37 (पुराना सं० 50) अशोका रोड, संट थामस टौन, बैंगलूर (49 डिवीजन)।

पूरब : अशोका रोड,

पश्चिम : मेटरनिटी होम।

उत्तर : एस० ये० डी० मिलवास का धर

दक्षिण : सं० 1 हेन्नूर रोड

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर  
बैंगलूर, दिनांक 9 जनवरी, 1979

निदेश सं० सी०आर० 62/1919 4/78-79/ए०सी०क्य०/  
बी०-यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15 (पुराना 631) है तथा जो 17 ए.क्रास,  
10 ए मेन मलेश्वरम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
ग्रन्तिकारी में और जी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, दस्तावेज सं० 1152/78-79  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री पि० एस० वंकाटाचलम

सं० 193, 14वीं मैन रोड, वासंतनगर  
बैंगलूर-52

(अन्तरक)

2. श्री के० रंगानाथन

सं० 296, 16वीं क्रास, मदाशिवामगर,  
बैंगलूर-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### ग्रन्तिकारी

(दस्तावेज सं० 1152/78-79 तारीख 19-6-1978)  
घर सम्पत्ति सं० 15 (पुराना सं० 631) है तथा जो  
17 ए.क्रास 10 वीं ए मेन मलेश्वरम बैंगलूर-3  
बाउन्ड्रीस :

पूरब : 10 ए मेन

पश्चिम : श्री एस० आर० सुब्बाराव का घर

उत्तर : घर सं० 460/3

दक्षिण : 17 वीं ए.क्रास।

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहर :

प्रकल्प ग्राही० दी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलुर

बंगलुर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निदेश नं० सी०आर० 62/19430/78-79/ए०सी०क्य०/बी०  
—यतः मुझे पि० रंगानाथन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-अ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 22 और पुराना 96/2 है, तथा जो आज नया  
टेम्पल स्ट्रीट, VI क्रास, आमटिन टौन, बंगलुर-7 डिवीजन-61  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर,  
बंगलुर दस्तावेज सं० 906/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23-6-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्डह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख  
से उक्त अन्तरण अन्तरित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर हेने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की बारा 269-अ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-अ की उपाय (1) के  
निम्नलिखित अवितर्यों, बाबौदा—

1. मिसेज रीना शंकर  
(इसके आगे मिस रीना)

सं० 14, 27/3, नाहर, जुहू रोड,  
बांगलूर-400054

(अन्तरक)

2. (1) मिसेज मारीना नरोनहा,

(2) मिस्टर नोयल डे नजारथ,

सं० 22, केवास्टल स्ट्रीट, बंगलूर-47

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से  
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अन्तरिती द्वारा, अन्तरिती द्वारा के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

ल्पव्योकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित है,  
वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 906/78-79 तारीख 28-6-78 )

जमीन और घर सं० 96/2 पुराना और सं० 22,  
अनिजानेया टेम्पल स्ट्रीट, VI क्रास, आमटिन टौन,  
बंगलूर-560007

बाउन्ड्रीज़ :

पूर्व : घर सं० 3

पश्चिम : घर सं० 1

उ० आमजेनेया टेम्पल स्ट्रीट

दक्षिण : सम्पत्ति सं० 2

पि० रंगानाथन

सभम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायकस (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलुरु

बंगलुरु, दिनांक 8 जनवरी 1979

निदेश सं० भी०आर० 62/19203/78-79/ए०सी०ब्य०/बी०

यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० ए०स०सं० 38/2 और नया 130/2, 130/3 और 130/4 है तथा जो चिकाहल्ली विलेज बरना हौबली महार टालुक में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महसूर टालुक, दस्तावेज सं० 466/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के अधीन सिंसलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० मल्लण्णा सुपुत्र मल्लण्ण, चिकाहल्ली विलेज, मईसूर टालुक।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० विद्यागराव

(2) श्री एम० वंकटेश गौडा

(3) श्री एम० राजाषेकारा गौडा

(4) श्री एम० प्रामना कुमार  
पता : अमकादेवनाहल्ली बेलुर  
टालुक हासन डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 466/78-79 तारीख 22-6-1978)

खाली जगह घर के माथ सब सं० 38/2 उसके बाद सं० 130/2, 130/3, और 130/4 चिकाहल्ली विलेज बरना हौबली, मईसूर टालुक।

पि० रंगानाथन  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलुरु

तारीख: 8-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० आर० नम्बर 62/20367/78-79/  
ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 284 है, तथा जो 36 वीं क्रास बलाक  
अयानगर बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के वार्यालय  
जयानगर बंगलूर दस्तावेज सं० 1026/78-79 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-6-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अक्षरता की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से दूर्वा किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अस्तियों समर्थतः—

1. श्री वि० वि० बंकाटपा, सं० 174, 2री सि० मेन  
रोड 8वीं बलाक (यदीपुर) बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्रीमती के० विमालममा श्रीमती श्री के० एम० सुदरेन  
रामेश्वरा टेमपल, मेन रोड, चामराधेपेट बंगलूर (अन्तरिती)

3. श्री (1) श्री वि० एस० अथवत पुत्र वि० वासुदेवामूर्ती

(2) श्री सि० एन० चन्द्राधेकेर पुत्र वि० नारायण आहर  
36वीं क्रास : 284, (4) बलाक जयानगर एक्सटेंशन बंगलूर  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य  
किसी प्रत्यक्ष द्वारा अधिकृताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

हृष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1026/78-79 ता० 28-6-1978)..  
घर सम्पत्ती सं० 284 है जो 36वीं क्रास, 7वीं बलाक,  
जयानगर, बंगलूर-II

आउन्डीजः पूर्व : साइट सं० 285  
पश्चिम : साइट सं० 283  
उत्तर : साइट सं० 279  
दक्षिण : 36वीं क्रास रोड

पि० रंगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० निर्देश सी० आर० न० 62/18796/78-79/  
एसीक्यू/बी०—यह मुझे पि० रंगनाथनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 36 और 37 है, तथा जो बसाबणा लेन, कावडी  
रेवशा पट्टी पेट बंगलूर-2 डि० सं० 42 में स्थित है और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 807/  
78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन ता० 8-6-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुसरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ प्रतिरक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में तबिष्ठा  
के लिए;प्रत: प्रम, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आर० बसम्पा

(2) श्रीमती गंगम्मा

(3) बी० भारत

सं० 37 बसाबणा लेन कावडी रेवशा पट्टी पेट बंगलूर-2  
(अन्तरक)2. एस० नरसिम्हेया पुत्र पोषायी सिहूशालिंगप्पा सं० 22  
पट्टाशी रामाषापतरी लेन नगरथपेट क्रास बंगलूर-2  
(अन्तरिती)

3. (1) श्री महेनद्रा कुमार

(2) जे० बागेन्द्रा

(3) श्रीमती कमालम्मा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 807/78-79 ता० 8-6-1978)  
घर सम्पत्ति सं० : 36 और 37 बसाबणा लेन, कावडी  
रेवशा पट्टी पेट, बंगलूर-2 (डिवीजन-42)

तारीख : 12-1-1979

मोहर :

पि० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

प्रधान प्राईंटी० एन० एम०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/20394/78-79/ए० सी०  
क्षेत्र०/बी—यह: मुझे पिं रंगनाथन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269व के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे, 94, 95 और 96  
है, तथा जो कोडीहल्ली विलेज एच० ए० एल० में स्थित है (और  
इससे उपावश्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर दस्तावेज  
सं० 1181/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन ता० 2-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई रितो ग्राम के बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी रिसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यह, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपचारा  
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:—

- (1) श्री० एस० सुन्द्रामूर्ती  
(2) एस० षनमोगम पुत्र लेट एस० बी० सुब्बरामनयम  
सं० 23, एम जी० रोड, बंगलूर 560001 (अन्तरक)
- मेटल लियायम कियापरन (इनडिया) लिमिटेड, सं०  
2, मरफी रोड अलसूर बंगलूर-560008 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधान वाय  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास सिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दउतावेज सं० 1181/78-79 ता० 2-8-1978)

सर्वे सं० 94, 95, 96 में जमीन जो० 14061 स्क्युयर  
मीटर है और उसके साथ 212 स्क्युयर मीटर घर भी है की :  
कोडीहल्ली विलेज एच ए एल II स्टेज बंगलूर में है।

बाडन्ड्रीज :

पूर्व : 80 फिट रोड

पश्चिम : सरवे सं० 93

उ० : सी० आई टी० बी० लयान्ड

द० : एम० एल० सी० (आई०) (पि०) लिमिटेड  
लगान्ड

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 11-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एम० सी० /78-79/112—यतः— मुझे जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 13791 है, जो कटरा अहलूवालिया अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रायः से ही हिसा आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाद्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने वें सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपेक्षा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :— 11—496GI/78

(1) श्रीमती कमलावती विवाही लाल चन्द वा केवल खन्ना मुद्रण, जनकराजवा पौमीना कटरा अहलूवालिया, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री जनक राज मेहरा पुल देवराज मेहरा, 376-बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) यदि कोई पुरुष इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकारी, द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपचारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. मकान सम्पत्ति नं० 1379 / कटरा अहलूवालिया, अमृतसर, जैसा रजिस्ट्रीडीड नं० 838 दि० 5-6-78 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रख्युप ग्राही दी० एन० एस०—  
प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979  
निर्देश सं० ४० एम० ग्रार०/78-79/113—ग्रन्त:  
मुझे जी० एल० गाहू,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 435 ए है, जो ग्रीन एवन्यु, अमृतसर में  
स्थित है (ग्रोर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वाम से वर्णित  
है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 19 जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उक्त  
ग्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, ग्रोर/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अस्य ग्रास्तियों,  
को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269ध के  
अनुसरण में, भी, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269ध  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों:—

1. श्रीमती मुरजीन कौर दुख्तर हरवंस मिहं ग्रीन एवन्यु  
अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री हंग राज पुव श्री धर्म देव निवासी चौक करमो  
डियारी, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि सीरीयल नं० 2 में है ग्रोर कोई किरायदार  
हो नो। (वह अवित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि ग्रोर कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितब्रह्म है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म  
किसी अस्य अवित द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

संख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर व पदों का, जो उक्त  
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान की जायदाद नं० 435 ए जोकि ग्रीन एवन्यु अमृतसर  
जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 918 तिथि 9-6-78 ग्राफ रजिस्ट्रिंग-  
ग्रामार्गी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गाहू,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-2-1979  
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०--  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79-114--प्रतः मुझे  
जी० ए८० गाल०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है, जो ख० नं० 1342,  
43 व 44 मुलतान विंग रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें  
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा०  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978  
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तकिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या वासत 'उक्त  
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की  
उप-घारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैतु:—

(1) मैं पूर्ण एण्ड मन्स, द्वारा सर्वजीत सिंह पुत्र स  
पूर्ण सिंह वा श्रीमति कुलदीप कौर विद्वा जोगिन्वर सिंह  
अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री के० बी० मशीन फैक्टरी, सुन्तान फिड रोड  
अमृतसर (अन्तरिनी)

(3) जैमा कि उपरोक्त नं० 2 में है, और कोई किरायेदार  
होतो (वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो  
(वह अक्षित, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 425 वर्गगज जो कि मुलतान विण्ड रोड अमृतसर  
पर है जैमा कि रजिस्ट्री नं० 889 दि० 8-6-78, रजिस्ट्री कर्ता०  
अमृतसर शहर में है।

जी० ए८० गाल०

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 6-2-79

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०-ज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० (बी० टी० एल०/78-79/115— यतः, मुझे जी० एल० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० कृपि भूमि 31-के०-19<sup>1</sup> एम० भाग 190 के० 19 एम० का जिसमें गाट 2 के० 0 एम० 1/2 भाग 6 के० 0 एम० था जो कि किला देसा मिह जिसमें एक कमरा भी साथ है जो कि तहसील बटाला में स्थित है और इससे उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी प्रतिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1978,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अप्रसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बूदा सिंह पुत्र मकसूदन मिह गांव देसा मिह, तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर। (अन्तरक)

(2) (1) श्री बलवन्त मिह

(2) श्री बीराजिन्दर पाल मिह पुदान हरवंस रिह गांव तलवड़ी मर्थ, तहसील बटाला। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि सीरीयल नं० 2 ऊपर में आर कोई किरायेदार होतो (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में प्रधोहस्ताथरी जानता है)

(4) यदि आर कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताथरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताथरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 63 के० 13 एम०  $\frac{1}{4}$  share of 190 के० 19 एम० जो कि किला देसा मिह 320 तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर जैमा कि रजिस्ट्री डी० नं० 2858 आफ जून 1978 रजिस्ट्रीग अथारटी बटाला में दर्ज है।

जी० एल० गाह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 6-2-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश मं०BTI/78-79/116— धन; मुझे जी० एल०  
गां०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इमर्ग परामर्श 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के पास सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवर्ता उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी भू० ग्रामीण निवास तहसील बटाला, जिला गुरुदासपुर है  
जो भू०मि किना देता भिन्न Including Room में स्थित है (और  
इसमें उत्तित अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जून 1978  
को पूर्वोक्त प्रतिक्रिया के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के उत्तित बाजार मूल्य से यह विश्वास करने  
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त प्रतिक्रिया के उत्तित बाजार मूल्य,  
उनके दृश्यमान प्रतिक्रिया गे, तो से दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, पार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से नहिं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बूटासिंह पुत्र मक्कुदत मिह, गाव : देशा सिह, तहः  
बटाला, जिला गुरुदासपुर (अन्तरक)

(2) मुस्तिर्द्वाल मिह पुत्र हरबन मिह, गाव तलबण्डी  
मरय, तहः बटाला जिला गुरुदासपुर द्वारा हरबन मिह पिता  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में है (यदि कोई किराए दार  
हो तो (वह अवित्त जिसके अधिभोग में अधोहस्ताधरी जानता  
है))

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रखता हो तो (वह अवित्त  
जिसके दारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भावात पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भावात उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टीकारणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के अन्तर्भूत  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृपि भू०मि 31 कनाल 17 मरले 1/6 हिंसा, 190  
कनाल 19 मरले वा गत्था 2 कनाल, 1/3 हिंसा, 6  
कनाल वा गा० देशासिंह साथ में कमरा जैसा कि रजिस्ट्री-  
नं० 2948 दि० जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता बटाला में

जी० एल० गां०  
सभाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
श्रीजन रेज, अमृतसर

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपूर

नागपूर, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई०ए० सी०/ए० सी० क्य०/86/78-79—  
 ग्रतः मुझ एम० विह० आर० प्रसाद,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
 से अधिक है

और जिसकी सं० मालिक मकबुजा प्लाट 100×112.6' तथा  
 मकान नं० 10 है 4 (पुराना) तथा 285 (नया) है तथा जो  
 धरमपेठ नागपूर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
 का 16) के अधीन तारीख 27-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
 कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
 अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
 उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया  
 है।—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की वाकत, उक्त अधिनियम;  
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
 या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
 जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना  
 चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः यह, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में,  
 में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन;  
 निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणित:—

(1) श्री एम० विह० जिमराणी, पिन्सिपल गवर्नरमेट आर्ट्स  
 अंड सायन्स कालेज श्रीरंगाबाद  
 (अन्तरक)

2. श्रीमनी कुसल मोहन्द बोस खरे टाउन, नागपूर  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि पर तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
 व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

## अनुसूची

मालिक मकबुजा प्लाट एरीया 11.250 चौ० फू० तथा  
 बिल्डिंग एरीया 3482.77 चौ० फू० धरमपेठ, जिसका  
 मुनसिपल मकान नं० 1094 (पुराना) तथा नया मुनसिपल  
 मकान नं० 285, सर्कल नं० 20 डिविजन नं० 8 नागपूर  
 ईटस्ट ब्लाक (डी०) प्लाट नं० 2 एस० के० बुटी लेआउट,  
 नागपूर।

एम० विह० आर० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, नागपूर

तारीख: 15 दिसम्बर, 1978

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए०सी०/रेंज-I/कल०/1979—यतः मुझे, आई० भि० एस० जुनेजा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

ध० से अधिक है

और जिसकी सं० 159, है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मियालटद कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा रहा में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गिम रजि बिश्वास 159, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-17  
(अन्तरक)2. श्री (1) माहामाहा पारम्पर (2) तारिक, महाद  
(3) तालाल मद्भट (4) ताहिर महामेट (5) तालाल,  
महमुद (3) पीदार लेन, कलकत्ता-12  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधार :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

159 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, 6 कट्टा 8 छटाक, 13 वर्ग फिट जमीन पर तिन तल्ला भवान जो 30-6-1978 तारीख में 712 डीड न० अनुसार रजिस्ट्र हुआ।

आई० भि० एस० जुनेजा  
कलकत्ता प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 28-1-1979

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 3 जनवरी 1979

निर्देश सं० 43४ /ग्रकुरे० III/78-79/कल०—अतः मुझे,  
भास्तर मेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक है और जिसके सं० फैटेंग सातवीं

मंजिल पर है तथा जो 2, मन्डेमिल गार्डेनेस, कलकत्ता  
स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्णी अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यातूर्वेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया  
गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म  
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने  
में सुविधा के लिए;

का धारा 269 उचारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd.,  
6, Hurlington Street,  
Calcutta-16.

(2) Sm. Chhabi Mitra  
Sti Ranjit Mr. Mitra &  
Sm. Basanti Ghosh,  
all of 22/6, Monoharpukur Road, Calcutta.  
(Transferees)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजन में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तारीखी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से इक्की व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजन में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन के भीतर उस स्थान सम्पत्ति में हितगद्द  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रहस्ताभरी के पास  
लिखित में लिया जा सके।

स्वाक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम, के अन्याय 20-क में परिचयित है वही  
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

समुक्त फ्लैट ए सातवीं मंजिल नं० तलापर जो 2  
मन्डेमिल गार्डेनेस, कलकत्ता पर अवस्थित “जयजयन्ति” नाम का  
मकान में स्थित है।

भास्तर मेन,  
मन्डम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन है रेंज-III  
54 रकीप्रहसद किल्वर्ड रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 3-1-1979

मोहर :

प्रलेप ग्राही टी. एम. एस.---

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता  
कलकत्ता वित्तीक 3 जनवरी 1979निर्देश सं. 433/एफ्युरेIII/78-79/कल०—ग्राम्य मुझे  
भास्कर सेन,ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन संक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से प्रधिक हैऔर जिसकी सं. है तथा तो 2 मन्डेमिला  
गार्डेनिस, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से प्रधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित  
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया  
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में  
बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायित्व में  
कमा करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्रनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राप्त ग्राही धन या ग्रन्थ ग्राम्यकरों को,  
जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावे  
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिए;समुक्ता फ्लैट सं. तल्लापर जो 2 मन्डेमिल गार्डेनिस,  
कलकत्ता पर "अवस्थित" जमजयन्ति नाम का मकान में स्थित  
है।भास्कर सेन  
संक्रम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III  
54, रफीग्रहमद किल्डवई रोड  
कलकत्ता-16

तारीख : 3-1-1979

मोहर :

ग्राम्यकर अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षित में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
से अद्वितीय निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत :—

प्रकाश नार्द ३० एन० एन०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

निर्देश सं० 435/एकुरेIII/78-79/कल०—प्रत: मुझे, भास्कर सेन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उच्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269प के प्रधीन वक्तम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट एफ० छठी मंजिल पर है तथा जो 2, मन्डेमिला गाडेन्स, कलकत्ता स्थित है (और इसे उपावदू भन्नुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-6-1978 को ग्राहक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य पर कम के दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 1.5 प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त प्रमत्तरण विविध में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) ग्राहरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दृश्यमान में क्यों करके वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या इसी वर्त या अन्य स्थानियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे घन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: जब, उक्त प्रधिनियम को आरा 269प के प्रमत्तरण में, उक्त प्रधिनियम की आरा 269प की उपशारा (1) के अधीन, विवरित व्यक्तियों, अवैद :—

मै० सैलोनी ओनरजिप फ्लैट्स स्कीम्स प्रा०बि० 6, हैरिंगटन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (घन्तरक)

श्रीमती कानीका साहा 225 बी० राश विहारी एवीनीयू कलकत्ता (घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए आयवाहिया करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी ग्राहक, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्तजः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

समुक्त सं० एफ० छठी मंजिल तलापर जो 2, मन्डेमिला गाडेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित अयज्यन्ति नाम का मकान में स्थित है ।

भास्कर सेन,  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भ्रजन रेज-III  
54, रफीभग्हमद कियवर्ड रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 3-1-1979 :.

मोहर :

प्रकाश पाइ॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वं (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० (37) रेज-I कलकत्ता  
1978-79—यतः मुझे, एस० सी० यादव,भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वं  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ए०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० महेशताला डि० 24 परगना पास है तथा  
जो बोजा शम्मा मिरजानगर पि० एस० स्थित है (और  
इसके उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्री नं० अधिकारी के कार्यालय, जयेन्द्र श्रोत रजिस्ट्रार आफ  
आलीपुर, बेहाला में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1978को इसका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वाक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृ प्रतिकृत  
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित चरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही कियो पाय की बाबत उक्त अन्तरण  
नयम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के कार्यालय  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
मोर्या(ख) ऐसी किया आय या किया जा या प्रथा अस्तियों  
को, जिसमें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या ज्ञान-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिये;यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनुसार  
में, वे, उक्त अधिनियम, की धारा 269वं की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों प्रवर्त्ततः:—(1) श्री राजेन्द्र प्रसाद सांगानरिया (2) ललित मोहन  
सांगानरिया (3) श्रीमति नर्मदा देवी 3-बी शफि आमेद किल्वाई  
रोड, कलकत्ता-13  
(अन्तरक)(2) मेसर्ज श्रीज श्रील इष्टस्ट्रीज (प्रा०) लि० 3 की  
शफि आमेद किल्वाई रोड, कलकत्ता-13  
(अन्तरिती)को इह सूचना बारी करके पूर्वीकर सम्पत्ति के प्रवर्तन के  
लिए कायेबाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के प्रबन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर नूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि द्वारा  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर अस्तियों में  
से किसी अस्तित हारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अस्ति अस्तित हारा, प्राप्तोहस्ताभारी के पास  
तिवित में किये जा सकेंगे।तथावृत्तरण:—इसमें प्रदूक्ष गद्दों और पद्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अव्याय 20-क में परि-  
भावित है, वही अस्ति होता, जो उस अव्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

मोजा सम्मा मिरजानगर, पि० एस० महेश तला, डि  
20 परगनापास में अवस्थित 1.13 एकर्स जमीन है।ए० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण),  
भ्रजन रेज कलकत्ता  
54, रफीमहूमद किल्वाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख: 22-2-1979

मोहर:

प्रमुख प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 38 रेज-II, कल० 1978-79—यतः मुझे, एस० सी० यादव,  
प्रायकर प्राधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-प के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० 7-ए है तथा जो बलमोदिया रोड  
आलीपुर पि० एस० आलीपुर, कलकत्ता, स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ  
एसोरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रातिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) की दृश्यमान प्रतिफल के लिए क्षय पाया गया प्रातिफल  
निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विवित में वास्तविक कम  
से कमित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धार्य की बावत उक्त विवित  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(म) ऐसा किसी धार्य या किसी धन या प्रस्तुत आंशिकों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
प्राधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले  
अन्तरक द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहें था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रद उक्त प्रधीनियम की धारा 269-प के अनुसरत में,  
उक्त प्रधीनियम को धारा 269-प की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अमिता मिश्र 18/2, टालीगंज सरकुलर  
रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. कविता मंडल और दीनबंधु मंडल, 63/3ए०  
आचार्य प्रकुल चंद्र रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताथरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एक्सीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधीनियम  
के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही प्रबं  
हीगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

7-ए बलमोदिया रोड, आलीपुर, पि० एस०  
आलीपुर कलकत्ता में 3 कद्दा वाली जमीन का साथ गरेज  
है।

एस० सी० यादव,  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कलकत्ता  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख: 12-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० ट्रो० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जनवरी 1979

निर्देश सं० 481/एकुरे-III/78-79/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8/मी० है तथा जो बिलबी पुलिन दाम स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्थति:—

1. श्रीमती अमिता राय 26 बि, कालिदास मिमी सेन,  
कलकत्ता  
(अन्तरक)2. श्रीमती सिंहा महाचार्य 8 सि०, बिलबी पुलिन  
दाम स्ट्रीट कलकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्धियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदर्भांकन:—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्य होगा जो उस आध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्टा 1 छंटाक 21 स्को० फ्लैट जमिन साथ उपर बताया मान जो सं० 8 सि०, बिलबी पुलिन दाम स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन,  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता  
54, रफीअहमद किल्वर्ह रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 17-1-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टो० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1979

तिर्देंग सं० १० सी० ४१ रेज/कलकत्ता/1978-79—यतः  
मुझे, एस० सी० यादव,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० १ है तथा जो पंचानन तला लेन वेहासा  
कल०-४५ स्थित है (और इससे उत्तरवद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सबरजिस्ट्रार आलीपुर, सदर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 7-6-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किसबात  
करने का कारण है कि यावूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक का सेफित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन, कर देने के प्रत्यरक के  
वायिक्य में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा  
के लिए; भीर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य अस्तित्यों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
के सुविधा के लिए;

यतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों पर्याप्तः—

1. श्री शेलेष्वर चाहूर्जी (प्रत्यरक)

2. श्री विमलेन्दु घोष और भमलेन्दु घोष (अन्तरिती)

3. श्री अन्तरिती  
(वह अविति, जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के यत्वेन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के यत्वेन के प्रत्येक में कोई भी भाजेप:—

(क) इस सूचना के राजाव्र में प्राहागत की तारीख से  
45 दिन को प्रविति या तस्मान्यथो अवित्यों पर  
सूचना को तामोज से 30 दिन को प्रविति, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में किसी अविति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविति द्वारा प्रयोग्यताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिमावित है, वही  
अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) पंचाननतल्ला लेन वेहासा, कलकत्ता 34 में 1/3  
भाग है। जमीन का परिमाप 2 कटा 13 छंटांग।

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

54 रक्षीभूमद किलोमीटर रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 18-1-1979

मोहर :

प्रहर श्राई० टा० १००००—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 42 रेंज- /कल०/1978-79—यतः  
मुझे, एस० सी० यादव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व  
के प्रधीन सकाय प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 18 के० है तथा जो आलीपुर रोड कलकत्ता  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ  
एसोरेन्सेस कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-6-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पक्षह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे परन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अनुरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरण से ही किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; धीर/या

(ख) ऐसी किसी धाय या लिपि धन या अन्य वास्तुयों  
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम, की आरा 269व का उपाया (1)  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित :—

1. मेसर्स प्रनब इन्वेस्टमेंट (एम० पी०) को० लि०  
(अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र नाथ मिश्र (अन्तरिती)  
3. श्री अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

4. श्री अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के प्रबंन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भातर तुदांवता  
अधिकारी में मे किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी भी अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
विवित में किए जा सकेंगे।

व्यापीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बायाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याय होता, जो उस बायाय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति नं० 18, के आलीपुर रोड, कलकत्ता में अवस्थित  
6.0250 कहा जानी है।

एस० सी० यादव,  
सधम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन-II रेंज, कलकत्ता  
54, रफीशहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 20-1-1979

मोहर :

प्र० १९८० टी० ए० ए०-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश स० ए० ए० 477/टी० आर० 483/सी०-  
४३६/कल० 2/78-79—ग्रत: मुझे, आई० मि० ए० ए० जुनेजा,  
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है),  
की आरा 269-वा के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विष्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

प्रीर जिसकी स० 3 है तथा जो ओरियन्ट रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (प्रीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 21-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहूँ  
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया याहा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दूसरी आय की अन्तरण  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम वा इनकर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
याहा या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

ग्रत: अब उक्त प्रधिनियम की आरा 269 वा के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आरा 269 वा को उपलाभ (1) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवैत्ति :—

1. श्रीमती मन्जुला बोस (अन्तरक)

2. श्रीमती मानसी रायचौधुरी (अन्तरिती)

3. मैं निलंबन सिन्चेटिक को० (वह व्यक्ति जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, और  
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिवाय  
किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया  
है ।

### अनुसूची

करीब 450 रुपी० फूट जमीन जो 3 कट्टा 2 छटोंक  
जमीन साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान का अंशविशेष  
और जो 3, ओरियन्टरी, कलकत्ता पर अवस्थित । इस अन्तरम  
सब-रजिस्ट्रार, सियालदह द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल स०  
I 3484/1678 का अनुसार है ।

आई० मि० ए० ए० जुनेजा,  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता  
54, रफीअहमद किल्वर्झ रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 5-2-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस० ----

1. श्री हेमन्त चतुर्दश मन्मदार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश मं. ए० भि० 52/रेज कल०/1978-79—  
 यतः मुझे एम० क०० दासगुप्ता,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी गं. 77 है तथा जो स्टेशन रोड, बानेपुर जिला बर्धमान विधि है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, आगरानसाल में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(५) अन्तरा में दूई निसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्य में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए।  
 और/या।

(६) ऐसी किसी प्राय या निसी वर या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, डिग्नें में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए की उपधारा (1) के अन्वार, निम्नलिखित अस्तियों, प्रथा तु:—

13-496G1/78

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पात तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसंघी

77 स्टेशन रोड, बानेपुर, जिला बर्धमान के 2 42 कट्टा जमीन साथ मकान जैसे के सं. दलिल सं. 3597 (1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० क०० दासगुप्ता  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज IV, कलकत्ता  
 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 6-2-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राईटी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मार्च 1979

निदेश मं० बी० डी० आर०/3/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षक महायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रक्वा 17,714 वर्ग गज है, तथा जो बहादुरगढ़, नक्काशगढ़ रोड, बहादुरगढ़ में स्थित है (और इसे उपनिवेश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहादुरगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित डिएश से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, म उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपलाभ (1) प्रतीन निम्ननिमित अवित्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री सीताराम पुत्र श्री मन्ता नाल  
बहादुरगढ़ (जिला रोहतक)।

(अन्तरक)

2. मै० इन्डियन मैग्नी, एनोइज प्रा० नि०  
प्र०-4९, राजेन्द्र गार्डन, नई दिल्ली-110027।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पति जोकि भूमि प्लाट रक्वा 17714 वर्ग गज है तथा जोकि बहादुरगढ़—नक्काशगढ़ रोड, बहादुरगढ़ (ब्रसरा नं० 1236/2, 1237 तथा 1242) पर स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बहादुरगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रांक 421, तिथि 26-8-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक  
तारीख 3-3-1979  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश मं० बी० जी० आर०/४/७८-७९—अतः, मुझे, ग्रीन्ड कुमार, पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिमरी म० भूमि रकवा 61 कनाल, 5 मरले हैं तथा जो मरान खाजा, फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इनमें उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पष्ट वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़, मैराजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजेक्टर्स अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

- (1) श्री हरि राम पुत्र श्री जीवना
- (2) श्री बुद्धा पुत्र श्री चेणा
- (3) श्री नाल भिह पुत्र श्री खेमा
- (4) सर्वधी स्वप्न मिह, दुर्गा पुत्रान श्री गिरधारी
- (5) श्रीमती गोपी पुत्री गिरधारी
- (6) श्री भीमा पुत्र श्री जीवनदाम
- (7) सर्वधी निदाल गिह, श्रीचन्द्र पुत्रान श्री कालू
- (8) श्री हंसा पुत्र श्री गम स्वप्न
- (9) सर्वधी केवल, हरिया, हर मध्य, मामचन्द्र पुत्रान, व श्रीमती ग्रामा
- (10) श्रीमती चन्द्रो पुत्री श्री मुखदेव।

(अन्तरक)

2. म० खोमला फाउन्डरी प्रा० वि० देश बन्धु गुप्ता रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यवर्ध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्हे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गम्भति भूमि रकवा 61 कनाल 5 मरले जोकि मराने खाजा, फरीदाबाद में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीर्टी बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1798, तिथि 15-6-78 पर दर्ज है।

श्रीनंद्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 5-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 मार्च 1979

निदेश सं० बी० जी०आर०/७८-७९—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रक्वा 61 कनाल, 5 मरले हैं तथा जो सराये खाजा, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्वरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया या प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, प्रवार्ति:—

1. (1) श्री खेमा पुत्र श्री जीवना
- (2) श्री बुद्ध सिंह पुत्र श्री चेता
- (3) श्रीमती चम्पी पुत्री श्री चेता
- (4) श्रीमती सोमवती पुत्री श्री चेता
- (5) मर्वश्री रूप मिह, दुर्गा पुत्रात श्री गिरराधी
- (6) श्री भेद सिंह पुत्र श्री हेता
- (7) श्री मंगत राम पुत्र श्री भीमा

सभी निवासी सराय खाजा, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. म० खोला फाउन्डरी प्रा० लि०

1, देशबन्धु गुप्ता रोड,  
पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजंते के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अजंते के संबंध में कोई भी आमेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**लाप्तीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति, भूमि रक्वा 61 कनाल, 5 मरला, जोकि सराय खाजा, फरीदाबाद में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री अमांक 1799 तिथि 15-6-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-3-79

मोहर:

प्रकल्प आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० राज./महा० आ० अर्जन—525 यता, मुझे,  
हरी शंकर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
आरा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- इ० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है तथा जो कोटा में स्थित है (ग्राम  
इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 जून 1978  
को पूर्वोक्त मर्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिष्ठान से  
प्रधिक है और अन्तरक (प्रस्तारकों) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तर पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय के बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रथा प्राप्तियों को  
जिम्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की आरा 269-वा के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-वा की उपचारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात् :—

1. श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र हंसराज, नारायण लाल पुत्र लगन  
लाल, रूप किंगोर पुत्र तुलसी राम, भगवान्दाम पुत्र  
नारायण मर एवं चान्दमल पुत्र चतुरमुज द्वारा फर्म  
मैनस न्यु गणेश फाईनेन्स कम्पनी, कोटा  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रत्नी देवी पति श्री जियारामजी विलोचनी,  
पो० बा० न० 2807 दुर्बृ  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मरमेत के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संगति के मरमेत के निवेदन में कोई सी वाक्येवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास निखित में  
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रधायाय 20क में परिभ्राष्ट हैं, वही  
मर्यादित नहीं किया गया है।

मुझसे

मकान जो आलावाड़ रोड, कोटा में स्थित है और उप  
पंजायिक, कोटा द्वारा क्रमांक 721 दिनांक 2-6-78 पर पंजीबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहूर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 25th January 1979

No. A.32013/2/77-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 19-1-79 to 18-4-79 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulation, 1958.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
*for* Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 6th February 1979

## CORRIGENDUM

No. P/1878-Admn.I.—In the first line of the Union Public Service Commission Notification of even No. dated 1-1-1979 the words "a permanent SSO II" shall be substituted by the words "permanent SSO II/Temporary SSO I".

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

New Delhi, the 9th February 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Kishan Singh, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to perform the duties of Desk Officer for the period from 5-2-1979 to 31-3-1979 or until further orders, whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.

2. Shri Kishan Singh shall draw Special Pay @ Rs. 75/- p.m., for the period he performs the duties of Desk Officer, in terms of D.O.P. & A.R.O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

The 16th February 1979

No. P. 174/Admn.III.—On reversion from deputation on foreign service from the post of Assistant Administrative Officer in Delhi Electric Supply Undertaking, Shri R. G. Purang assumed the charge of the Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 17th November 1978

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
(Incharge of Admn.)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110022, the 16th February 1979

No. 1-34/73-CFSL/1004.—Consequent on his appointment as Assistant Director, Serology, Forensic Science Laboratory, Gujarat, Ahmedabad, Dr. Pankaj Kumar Chatterjee has been relieved of the office of Senior Scientific Officer (Serology), Central Forensic Science Lab. C.B.I., New Delhi on the afternoon of 29th January, 1979.

S. K. JHA,  
Dy. Director (Admn.)  
C.B.I.

## DIRECTORATE OF COORDINATION

## (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 14th February 1979

No. A.13021/1/78-Admn.—Consequent on his selection as Programmer in the Union Public Service Commission, Shri J. P. Aggarwal, a temporary Extra Assistant Director and a permanent Senior Technical Assistant of the Directorate of Coordination (Police Wireless), Ministry of

Home Affairs, New Delhi, has been relieved from his duties with effect from the afternoon of 16-1-1979.

C. P. JOSHI,  
Director  
Police Telecommunications.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,  
New Delhi-110001, the 19th February 1979

No. F.4/3/1973-Estt(CRPF).—The President is pleased to confirm Shri K. Kesavan, Assistant Commandant as Deputy Superintendent of Police in the Central Reserve Police Force with effect from 8-5-1973.

This issues with the concurrence of the MHA *vide* their U.O. No. 5748/78-Pers-II dated 27-1-79.

No. O.II-1250/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Jagadeesh Suryanarayana, Deputy Superintendent of Police, CRPF with effect from 25-10-78(AN).

A.K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm)

CENTRAL TRANSLATION BUREAU  
New Delhi-110022, the 16th February 1979

No. 35-18/76-Admn.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Class III), Shri Anand Prakash, presently officiating as Administrative Officer on *ad hoc* basis in the Central Translation Bureau, is appointed to officiate as Administrative Officer on temporary regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-F200 with effect from 27-1-1979 Forenoon, until further orders.

R. K. BANSAL,  
Director

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION  
New Delhi, the 15th February 1979

No. DD.PRS.040.—On his attaining the age of superannuation, Shri Nivas, a permanent Section Officer and officiating Under Secretary, of the Central Vigilance Commission retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1979.

CHANDRAMONI NARAYANASWAMY,  
Director  
*For* Central Vigilance Commission

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 15th February 1979

No. Admn.I/0.0.550/5-5/Promotion/78-79/2368.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer, with effect from the forenoon of 30th January, 1979.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISRY OF LABOUR  
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th March 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 332 (three hundred and thirty two) during the month of January, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of January, 1979 works out to 404 (four hundred and four).

TRIBHUAN SINGH  
Deputy Director  
Labour Bureau

MINISTRY OF DEFENCE  
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE  
DIRECTORATE GENRAL, ORDNANCE FACTORIES  
Calcutta, the 7th February 1979

No. 3/79/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Shub Chandra Sarkar, Subst. & Permt. Asstt., Ty. A.S.O. retired from service with effect from 31-1-79 (A/N).

No. 4/79/A/F-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Tulshi Charan Das, Sbst. & Permit. Asstt., Ty. A.S.O. retired from service with effect from 31-1-79 (A/N).

D. P. CHAKRAVARTI,  
ADGOF/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 12th February 1979

No. 4/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officer as Offg. ADGOF Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders:—

(1) Shri P. C. Shingla, Pt. ADGOF/Gr. II—20th Nov., 1978.

No. 5/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Sr. DADGOF/Manager, with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri K. K. Sodhi, Pt. D.M.—1st Dec., 1978.
- (2) Shri S. Tewari, Offg. D.M.—1st Dec., 1978.
- (3) Shri V. Krishnamurthy, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (4) Shri S. K. Wadhwan, Pt. D.M.—30th Nov., 1978.
- (5) Shri Balbir Singh, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (6) Shri V. K. Sharma, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (7) Shri A. K. Misra, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (8) Shri G. Krishnamurthy, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (9) Shri V. K. Singh, Pt. D.M.—20th Nov., 1978.
- (10) Shri K. C. Mukherjee, Pt. DADGOF—20th Nov., 1978.
- (11) Shri S. R. Guha Roy, Pt. DADGOF—20th Nov., 1978.

No. 6/G/79.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. DADGOF/D.M. with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri P. P. Rao, AM(Prob)—1st Nov., 1978.
- (2) Shri P. C. Arora, AM(Prob)—1st Nov., 1978.
- (3) Shri G. R. Bhatta, Offg. A.M.—1st Nov., 1978.
- (4) Shri A. P. Tripathi, AM(Prob)—2nd Sept., 1978.
- (5) Shri R. M. Gupta, AM (Prob)—2nd Sept., 1978.
- (6) Shri H. S. Pundle, AM(Prob)—2nd Sept., 1978.
- (7) Shri Ashok Kumar, AM (Prob)—2nd Sept., 1978.
- (8) Shri S. S. Khot, AM(Prob)—1st Dec. 1978.
- (9) Shri Miskeen Hussain, Offg. AM—1st Dec., 1978.
- (10) Dr. P. K. Sanyal, AM (Prob)—2nd Sept., 1978.
- (11) Dr. O. P. Yadava, AM(Prob)—2nd Sept., 1978.

The 15th February 1979

No. 7/79/G.—On attaining the age of 58 years Shri T. F. Decunha, offg. Dy. Manager (Subs/Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-12-78 (A/N).

V. K. MEHTA,  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 2nd January 1979

No. Jute (A)/147/58.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri K. P. Das, Assistant Director (Exports) as Assistant Director (Marketing), Group 'A' Officer in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- on an ad-hoc officiating capacity in this office w.e.f. 22-1-79 (F/N) to 17-3-79 (A/N) vice Shri S. Roy proceeded on leave.

K. K. BANERJEE,  
Administrative Officer.

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th February 1979

No. A-1/1(982).—The President is pleased to appoint Shri Harbans Lal, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate, on ad hoc basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 3-2-79 and until further orders.

No. A-1/1(1131)/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned candidates nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1977 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the dates given against their names:—

- (1) Shri Dinesh Kumar Singh—1-2-1979 (FN).
- (2) Shri Daventra Kumar Singh—1-2-1979 (FN).

SURYA PRAKASH,  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

#### INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 13th February 1979

No. A. 19012(24)/70-Estt.A.—On his voluntary retirement with effect from 31st December, 1978 (afternoon), Shri V. P. Malik, Pmt. Assistant Administrative Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st December, 1978 and accordingly struck off the strength of establishment of this department.

S. BALAGOPAL  
Head of Office,  
Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th February 1979

No. 5(27)/69-SI.—Consequent on his appointment as a Public Relations Officer, Grade I, in the Oil and Natural Gas Commission, Dehradun, Shri N. N. Taye, Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh, who was on leave from 15-11-78 to 13-12-78, was relieved of his duty as a programme Executive to join duty in the Oil and Natural Gas Commission, Dehradun on the expiry of leave.

No. 4(20)/75-SI.—On his repatriation at his own request to his parent department viz. Office of the Senior Deputy Accountant General, Commerce, Works, and Miscellaneous, Calcutta as S.G. Auditor, Shri S. K. Saha, Programme Executive, II India Radio, relinquished charge of the post of Programme Executive, AIR w.e.f. the 4th December, 1978 (AN) and is deemed to have resigned from the post of Programme Executive in All India Radio with effect from the same date.

M. L. SABHARWAL,  
Section Officer,  
for Director General.

New Delhi-1, the 19th February 1979

No. 6(131)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. Venkataraman as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 31-1-1979 and until further orders.

J. R. LIKHI,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

#### (AUDIENCE RESEARCH UNIT)

New Delhi, the 16th February 1979

No. A-12026/2/76-SV.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 2nd Sep. 1976

and 19th Sep. 1978, the Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. L. Sharma, Senior Investigator, Central Statistical Organisation, Department of Statistics, Ministry of Planning, New Delhi to the post of Statistical Officer in the Directorate General, All India Radio, New Delhi in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on deputation on *ad hoc* basis for a further period from 1-1-79 to 23-8-79, *vice* Shri N. P. Varia, Statistical Officer sent on deputation as Economist in the Department of Coal, Ministry of Energy, New Delhi.

B. K. KHURANA,  
Dy. Director Audience Research,  
for Director General.

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
(FILMS DIVISION)**

Bombay-26, the 8th February 1979

No. 2/1/62-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri V. G. Patki, Permanent In Between Animator in the Films Division, Bombay, retired from service from the afternoon of the 31st January, 1979.

N. N. SHARMA,  
Assistant Administrative Officer,  
for Chief Producer

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES  
New Delhi-110011, the 14th February 1979**

No. A.32013/8/76(NMEP)/Admn.I.—In consequence of the temporary transfer of the post of Deputy Director (L&A) and its incumbent in the Directorate of National Malaria Eradication Programme to the Directorate General of Health Services Shri A. R. Nim the incumbent of the post resumed duty in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 1st February 1979 until further orders.

S. W. OAK,  
Director (Administration & Vigilance)

New Delhi, the 13th February 1979

No. A.12026/1/76(HQ) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. C. Dhawan to

the post of Technical Officer (Medical Stores Organisation) in the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12th January, 1979 until further orders.

No. A.12026/23/77(SJ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Anita Kochhar to the post of Dietician at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 4th January, 1979, on *ad hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTIALA,  
Deputy Director Administration (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**

**DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 13th February 1979

No. A.19025/118/78-A.III.—On the recommendations of the D.P.C. Shri S. S. Bimbra, Senior Chemist has been promoted to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Dte. at Bangalore w.e.f. 19-12-1978 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIWAR,  
Director of Administration,  
For Agricultural Marketing Adviser

**PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES**

Dehra Dun-248001, the 15th February 1979

No. 4-5/71-Adm.—On being relieved of his duties with effect from 31-1-79 (A.N.) by the Co-Investigator, Research Project 01-658-R "Longitudinal Study of outcome and Survival of Birth Cohort" Department of Paediatrics, Safdarjang Hospital, New Delhi Shri T. K. T. S. Ramanujacharyulu has joined as Statistical Officer in the Headquarters Office, Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Dun with effect from 1-2-79 (F.N.).

C. L. BHATIA,  
Chief Coordinator

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400 085, the 24th January, 1979

No. 5/1/78 Estt. II/423.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
S/Shri				
1. V.A.V. Menon, Assistant	Asstt. Personnel Officer	1-11-78 (F.N)	9-1-79 (A.N)	
2. S.G. Sipuliga, Assistant	Asstt. Personnel Officer	15-11-78 (F.N)	16-12-78 (A.N)	
3. V. Narayana Rao, Steno (Sr.)	Asstt. Personnel Officer	20-11-78 (F.N)	30-12-78 (A.N)	
4. P.V. Krishnamurthy, Steno (Sr.)	Asstt. Personnel Officer	29-11-78 (F.N)	9-1-79 (A.N)	
5. A.K. Kite, Assistant	Asstt. Personnel Officer	27-11-78 (F.N)	30-12-78 (A.N)	

The 31st January 1979

No. J-38/Estt.II/493.—Consequent on his voluntary retirement from Government service under the provisions of Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-1977, Shri Natarajan Jayaraman a permanent Assistant Administrative Officer in the scale of Rs. 650-960 in this Research Centre relinquished the charge of his post on the afternoon of January 20, 1979.

M. S. RAO,  
Dy. Establishment Officer

**RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT**

Anushakti-323303, the 15th February 1979

No. RAPP/04627/1(460)/Admn/S/471.—Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, Department of Atomic Energy, P.O. Narora, (U.P.) Shri R. N. Bhardwaj, a quasi permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in this project relinquished charge of his post in the afternoon of 5th February, 1979.

GOPAL SINGH,  
Administrative Officer (E)

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 12th February 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nandkumar Ramkrishna Kale as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th January 1979 until further orders.

The 15th February 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nandkumar Ramkrishna Kale as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th January 1979 until further orders.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints

Shri Ghan Shyam Sharma as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th January, 1979 until further orders.

S. Y. GOKHALE,  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401 504, the 13th February 1979

No. TAPS/2/291/70.—Shri N. K. Agrawal, SO/Engr. SB was relieved of his duties in Tarapur Atomic Power Station with effect from the afternoon of February 10, 1979, consequent on acceptance of his resignation.

A. D. DESAI,  
Chief Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 1st February, 1979

No. VSSC/EST/CON/2-101.—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned officers of the Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space to posts and with effect from the forenoon of the dates as indicated against each in a substantive capacity.

Sl. No.	Name	Division	Presently officiating as	Post to which appointed in a substantive capacity	Date
1	2	3	4	5	6
S/Shri					
1. Abdullah KM	.	RES	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
2. Muthu C	.	PED	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
3. Pauly KO	.	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
4. Vijayan A	.	FRP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
5. Ayyappan Nair N	.	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
6. Alex NK	.	RES	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
7. Mathew KV	.	RES	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
8. Joseph KP	.	FRP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
9. Unni APR	.	ELS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
10. Varghese PM	.	ISI	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
11. Krishnakarani Achari KN	.	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
12. Nair NS	.	ISI	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
13. Ravindranathan Nair N	.	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-7-45
14. Fernandez G	.	GSS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
15. Gopala Pillai S.	.	GSS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
16. Venugopalan V	.	GSS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
17. John PD	.	EFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
18. Janardhanan Pillai PN	.	EFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
C. Ishna Swamy M	.	ELS	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
20. Kumaran VK	.	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
21. Mohan K.	.	CWS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
22. Prabhakaran M	.	ELS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
23. Panicker KPS	.	QAD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
24. Sukumaran Nair PK	.	SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
25. Sadashivan PT	.	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
26. Subba Rao K	.	EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
27. Kurian K	.	VIK	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
28. Mathunny Y	.	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
29. Subhash C. Bose	.	RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
30. Balan TA	.	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
31. Krishnan Kutty VK	.	SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
32. Mohamed Rafee U	.	RES	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
33. Nurayanan Kutty N	.	SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
34. Parameswaran Pillai MN	.	EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
35. Pillai PKP	.	TPT	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75

1	2	3	4	5	6
S/S/bri					
36. Sreedharan CV		EMD	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
37. Abraham I Mathew		PFD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
38. Arumugham Pillai S		SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
39. Balakrishnan Nair TK		PFD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
40. Bhaskaran Nair MK		STR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
41. Divakaran P		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
42. Devassy MA		PSN	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
43. Gopinathan Nair C		EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
44. Gopalan Nair M		ELS	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
45. Gopi ER		EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
46. Gupta GSR		EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
47. John Peter S		PSC	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
48. Johnson C		PSN	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
49. Krishnan D		EFF	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
50. Kurian AJ		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
51. Narasaiah Y		RSR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
52. Narayanan Kutty A		RSR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
53. Prabhakaran N		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
54. Pankajakshan Nair S		SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
55. Prasad CD		SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
56. Pandurang LP		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
57. Rao SG		SGR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
58. Radhakrishna Panicker P		EMD	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
59. Ramaswami Rao Jakati		PFC	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
60. Satyanarayana KR		STR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
61. Sreekumar KN		EFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
62. Sukumaran Nair K		EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
63. Sreedharan Asari K		SLV	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
64. Thomas KE		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
65. Unnikammu CTP		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
66. Uthaman P		ARD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
67. Venkitaraman BS		STF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
68. Vinayachadran Nair K		RSR	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
69. Vasudevan Unni KN		PSN	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
70. Yohannan CO		PED	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
71. Balchandran R		RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
72. Kalyan Sundaram KM		RFF	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
73. Madhavan C		RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
74. Sirsi ST		RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
75. Ravindra Nair KR		RPP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
76. Radhakrishnan NM		SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
77. Rabindranath Das		ERP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
78. Samiran Ray		FRP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
79. Vijayakumarar Nair M		RFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
80. Narayana Menon PK		SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
81. Pothen PP		SPN	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
82. Joseph PK		VIK	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
83. Nimboodiri KCN		GSS	Sci/Engineer SD	Sci/Engineer SB	1-4-75
84. Madhavan Nair K		FRP	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
85. Mohamed Sali A		FRP	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
86. Viswanath Pillai N		EMD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
87. Joseph PC		RPP	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
88. Selvaraj S		RFF	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
89. Peter George		SPD	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75
90. Stansilaus Samson KH		PSN	Sci/Engineer SB	Sci/Engineer SB	1-4-75
91. Thomas Varghese		EFF	Sci/Engineer SC	Sci/Engineer SB	1-4-75

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th February 1979

No. A.31013/2/77-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri V. Ramasubramanyam, Officiating Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same post with effect from the 31st March, 1978.

The 8th February 1979

No. A.12025/8/76-E.I.—The President is pleased to appoint S/Shri B. K. Gandhi, Senior Technical Assistant (Aeronautics), and J. S. Chauhan, Senior Technical Assistant (Aircraft Evaluation), to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department on an ad-hoc basis with effect from the 25th January, 1979 for a period of six months or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.31013/3/78-E.I.—The President is pleased to appoint the following Officers officiating in the grade of Regional Director, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same grade with effect from the 31st March, 1978:—

1. Shri H. D. Krishna Prasad.
2. Shri V. Chandrasekharan.
3. Shri S. D. Bahl.

The 13th February 1979

No. A.19014/49/72-E.I.—Shri G. S. Gupta, on retirement from Government service on attaining the age of superannuation relinquished the charge of office of the Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), on the 31st January, 1979 (Afternoon).

No. A.19014/138/72-E.I.—Shri J. S. Kapoor, on retirement from Government service on attaining the age of superannuation relinquished the charge of office of the Director, Training & Licensing on the 31st January, 1979 (Afternoon).

No. A.19014/60/72-E.I.—The President is pleased to permit Shri H. C. Rai Chaudhury, Deputy Director (Fire), Civil Aviation Department, to retire from Government service with effect from 31st January, 1979 (Afternoon) on the expiry of the period of notice of three months, at his own request under the provision of FR 56(k).

Shri H. C. Rai Chaudhury relinquished charge of the office of Deputy Director (Fire) in the afternoon of the 10th November, 1978 while proceeding on leave preparatory to retirement for 80 days, running concurrently with the unexpired portion of the notice of three months, 11th and 12th November, 1978, being Second Saturday and Sunday.

H. L. KOHL  
Director of Administration

New Delhi, the 14th February 1979

No. A.32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Bansal, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. 6-1-79 (FN) for a period of six months or till regular appointment to the grade are made, whichever is earlier and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

The 19th February 1979

No. A.39012/5/78-EC.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri S. Bhattacharyya, Technical Officer in the office of the Controller of Communi-

tion, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay with effect from 1-1-79 (FN).

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration.

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 17th February 1979

No. 1/14/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. K. Khemani Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in Arvi Branch, for the period from 15-11-78 to 2-12-78 (both days inclusive) on ad-hoc basis.

P. K. G. NAYAR,  
Director (Admn)  
for Director General.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 9th February 1979

No. 1/79.—Shri K. B. Bhusar, superintendent of Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office (Audit) Baroda has been permitted to proceed on Voluntary retirement with effect from 23-12-78 as he has completed more than 20 years qualifying service.

K. S. DILIPSINHJI,  
Collector of Central Excise,  
Baroda.

Bhubaneswar, the 5th February 1979

No. 3/79.—Shri Abhay Charan Pal, Superintendent, Central Excise and Customs, Group 'B' posted at Bhubaneswar Range in Cuttack Division retired from service in this Department on superannuation on the afternoon of 31-1-1979.

H. VUMKHAWTHANG  
Collector  
Central Excise and Customs  
Bhubaneswar

Indore, the 17th February 1979

No. 3/79.—Shri G. Z. Ramchandani, Superintendent, C. Ex. Group 'B' MOR Ujjain in Madhya Pradesh Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Government service in afternoon of 31st December, 1978.

No. 4/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Shri R. M. Gupta, Inspector of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent, Central Excise, Isolated Range, Gwalior in the forenoon of 14th December, 1978.

M. S. BINDRA  
Collector

## NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 7th February 1979

No. 4.—The following officers of Northern Railway, have finally retired from Service from the dates noted against each:—

1. Shri R. M. Bhatnagar, Asstt. Personnel Officer—24-3-72 A.N.
2. Shri Jaswant Rai, Divl. Personnel Officer—31-7-75 A.N.

R. SRINTVASAN  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Tara Trading Company Private Limited*

Bhubneshwar, the 6th February 1979

No. S.O./92/3950(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Tara Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa

MADHYA PRADESH

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kandol & Saraf Private Limited*

Gwalior, the 15th February 1979

No. 722/Tech/7479.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kandol & Saraf Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies  
M.P., Gwalior

PUNJAB, H.P. & CHANDIGARH

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Himachal Poultries Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/2904/12231.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Himachal Poultries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Rewa Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/3201/12233.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rewa Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Special Chit Fund & Financial Company Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/2898/12235.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s. Special Chit Fund & Financial Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. New Hindustan Ex-Soldiers Finance Private Limited*

Jullundur, the 19th February 1979

No. G/Stat/560/2740/12237.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. New Hindustan Ex-Soldiers Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H. P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 6th February 1979

INCOME-TAX

No. JUR/DLI-I/78-79/45278.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-I, New Delhi hereby directs that the I.T.O., T.D.S. (Salaries) Circle-I shall have concurrent jurisdiction with the I.T.Os, P.S.C. JV & V, New Delhi in respect of persons/cases assessed/assessable by I.T.Os Private Salary Circles IV & V, excepting the cases assigned U/s. 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorises the I.A.C. Range-I-B and I-C to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 6-2-1979.

K. N. BUTANI  
Commissioner of Income-tax  
Delhi-I, New Delhi

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 14th February 1979

No. F. 48-Ad(AT)/78.—Shri K. L. Rehani, temporary Labour Officer (Central Pool) Government of India, Ministry of Labour is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in a temporary capacity with effect from 5-2-1979 (afternoon) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 5-2-1979 (afternoon).

P. D. MATHUR  
President  
Income Tax Appellate Tribunal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd February 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/525.—Whereas, I, HARI SHANKER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 2-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Durga Prashad, s/o Hansraj, Narainlal s/o Chaganlal, Roopkishore s/o Tulsiram, Bhagwandass s/o Narainmal & Chandmal s/o Chaturbhui, through firm M/s New Ganesh Finance Co., Jhalawar Road, Kotah.

(Transferor)

(2) Shrimati Ratni Devi w/o Sh. Jiyaramji Bilonchi— P. B. No. 2807 Dubai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property situated at Jhalawar Road, Kotah and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Kotah vide Registration No. 721 dt. 2-6-78.

HARI SHANKER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-2-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

ACQUISITION RANGE-III

New Delhi, the 15th February 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/2-79/329/6044.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XV/1445 situated at Mohalla Sangtrahan, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Geeta Rani widow of Sh. Shiv Prakash Sethi R/o 226, Mohalla Meharpura, Amritsar as self and as general attorney of her children.  
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar & Chander Bhan sons of Shri Wasdev R/o XV/1445, Paharganj (Mohalla Sangtrahan), New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. XV/1445 measuring 55 sq. yds. situated in Mohalla Sangtrahan, Paharganj, New Delhi bounded as under:—

East House property No. XV/1444  
West House property No. XV/1446  
North House property No. XV/1437  
South Gali

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 15-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Girdhari Lal Madan, s/o Sh. Sukh Dayal Madan  
 (2) Sh. Jawahar Lal  
 (3) Sh. Satish Kumar  
 (4) Sh. Surinder Kumar, s/o Sh. Girdhari Lal &  
 (5) Sh. Bihari Lal, s/o Sh. Ladha Ram, r/o. 15/B, Punjabi Bagh, New Delhi-26.  
 (Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Kapoor, s/o Sh. A. N. Kapoor, r/o. E-226, Govt. Qurs. Dev. Nagar, Karol Bagh, New Delhi.  
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-II  
 4/14A, ASAFA ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/June-13/3876/78-79/6113.—  
 R. B. L. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15/8 situated at Punjabi Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storied building built on plot of land measuring 270.83 sq. yds. bearing No. 15, Road No. 8, Class 'D' situated in the colony known as Punjabi Bagh, Village Bassadarapur, Delhi and bounded as under:—

East : Property No. 13  
 West : Property No. 17  
 North : Service Lane  
 South : Road No. 8

R. B. L. AGGARWAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II  
 Delhi/New Delhi.

Date : 20-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Som Nath Khurna, s/o Sh. Haveli Ram  
r/o. 32, Bungalow Road, Subzi Mandi, Delhi.  
(Transferor)

(2) (1) Shri Som Nath Khurana, s/o. Sh. Haveli Ram  
Khurana  
(2) Smt. Agya Wanti, w/o. Sh. S. N. Khurana  
(3) Sh. Sunil Khurana, &  
(4) Sh. Gireesh Khurana, ss/o. Sh. Som Nath  
Khurana, r/o. 11061, Shidipura, Karol Bagh, New  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, New Delhi-110001

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-27/2735/78-79/6113.—  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

3/66A situated at Rohtak Road, W.E.A. Karol Bagh, New  
Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 25 July 1978

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor  
to pay tax under the said Act, in respect of any  
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block No. 66-A, measuring 575.77 sq. yds.  
situated at Rohtak Road, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi  
and bounded as under:—

East : Plot No. 4  
West : Plot No. 2  
North : 18' wide Public Lane  
South : Rohtak Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 20-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Lal Chand Bhatia, s/o. Sh. Jaman Lal Bhatia, r/o. K-1/39, Model Town, Delhi-9 &  
 (2) Sh. Bhagwan Dass *alias* Bhola Nath Bhatia, s/o. Sh. Jaman Lal Bhatia, r/o. 119-20, Tilak Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

(2) (1) hri Keshav Datt Sharma, s/o Sh. Bishnur Dutt Sharma r/o. 15, Hargore Park, New Delhi &  
 (2) Sh. B. D. Sharma, s/o. Sh. G. D. Sharma, r/o. 1553, S. P. Mukherjee Marg, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAFA ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-130/2428/78-79/6113.—  
 Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-12/3 situated at Model Town, Delhi,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 3-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15- 496GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building built on a plot No. 3, in Block No. F-12 measuring & 450 sq. yds. (376.258 sq. mts.) situated in the colony known as Model Town, Village Malikpur, Chhaoni, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Property No. F-12/4

West : Property No. F-12/2

North : Property No. F-13/3

South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II  
 Delhi/New Delhi.

Date : 20-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAFTI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 20th February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/June-74/3916/78-79/6141.—  
Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shops No. 1144 to 1148 &amp; 1150 &amp; 1149 Balkhana, situated at Kucha Mahajani Main, Chandni Chowk, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Virendra Swarup, s/o. Sh. Jatan Swarup, r/o Mohalla Kayasthwara, Sikandrabad, Distt. Bulandshar, U.P. for himself & for his four sisters.  
(Transferor)(2) Sh. M/s. Sardar Estates, A-3, Kailash Colony, New Delhi, through its partners  
(1) Sh. Inder Singh Kohli  
(2) Smt. Harcharan Kaur  
(3) Smt. Jabol Kaur  
(4) Smt. Inderjeet Kaur &  
(5) Smt. Amritpal Kaur.  
(Transferee)(3) Sh. L. Kidar Nath, M/s. Sardar Overseas M/s. Chhaju Mall Sadan Lal, M/s. Inder Singh & sons, L. Ram Richhpal, Sh. Hari Om, & Dr. P. B. Vyas & Dr. N. S. Jain.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of shops Nos. 1144, 1145, 1146, 1147, 1148 1150 &amp; 1149 (Balakhana) measuring 48.8 sq. yds. (total area 146.23 Sq. yds.), situated at outside Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 20-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAF ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/June-75/3917/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop Nos. 1144 to 1148, 1150 & 1149 (Balaklana) situated at Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on June, 1978  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Rajinder Swarup, s/o. Sh. Jatan Swarup, r/o. Mohalla Kayasthvara, Sikandrabad, Distt Bulandshar, U.P.

(Transferor)

(2) M/s. Sardar Estates, A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Kidar Nath  
(2) M/s. Sardar Overseas  
(3) M/s. Chhaju Mall Sadan Lal  
(4) M/s. Inder Singh & Sons  
(5) L. Ram Richpal  
(6) Dr. P. B. Vyas & Dr. N. S. Jain &  
(7) Sh. Hari Om.

(4) M/s. Inder Singh & Sons  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share of shops Nos. 1144, 1145, 1146 1147, 1148, 1150 & 1149 (Balaklana), situated at Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi and measuring 24.4 sq. yds. (total area 146.2/3 sq. yds).

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Date : 22-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Inder Swarup, s/o Sh. Sunder Sfarup, r/o Mohalla Kayasthvara, Sikandrabad, Distt. Bulandshar, U.P.

(Transferor)

(2) M/s. Sardar Estates, A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) (1) Sh. Kidar Nath  
 (2) M/s. Sardar Overseas  
 (3) M/s. Chhaju Mal Sadan Lal  
 (4) M/s. Inder Singh & Sons  
 (5) J. Ram Richhpal  
 (6) Sh. Hari Om.  
 (7) Dr. P. B. Vyas  
 (8) Dr. N. S. Jain.

(Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAFA ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-77/3919 78-79/6141.—Whereas, I R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops No. 1144 to 1148, 1150 & 1149 (Balkhana) situated at Kucha Mahajani, Main Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share of Shops No. 1144, 1145, 1146, 1147 1148 & 1150 and 1149 (Balkhana) measuring 73 1/3 sq. yds. (total area 146 2/3 sq. yds.) situated at Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 22-2-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. Surinder Singh Bhasin s/o S. Ujagar Singh  
r/o. D-9/16, Model Town, Delhi-9.  
(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Gohil, w/o. Sh. Chaman Lal  
(2) Sh. Punit Gohil, s/o. Sh. C. L. Gohil, r/o.  
C-1/28, Model Town, Delhi-9  
(Transferee)

(3) Sudesh Kumar Taneja & S. Joginder Singh.  
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-JI  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, New Delhi-110001

New Delhi, the 2nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/June-8/3871/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D-9/16 situated at Model Town, Delhi-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on 6-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storied building built on plot measuring 282 sq. yds. bearing No. 16, Block No. D-9, situated at Model Town, Village Malikpur Chhaoni, Delhi and bounded as under:—

East: Road.

West: House on Plot No. D-8/16

North: House on Plot No. D-8/17.

South: House on Plot No. D-9/15.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-2-1979  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFAI ROAD  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st February 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/2-79/330/6138.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 124 situated at Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 6-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal Schgal  
Shri Atma Ram Schgal  
R/o 124, Shankar Road,  
New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Yash Pal Ahuja S/o  
Shri Pishori Lal

2. Shri Prem Pal Ahuja  
S/o Shri Pishori Lal

3. Shri Promod Kumar S/o  
Shri Pishori Lal  
All R/o G-24, Mansarovar Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri Kanshi Ram

2. Shri Des Raj

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 124 measuring 89 sq. yds. Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi is bounded as under :—

East : Shop No. 123

West : Shop No. 125

North : Road

South : Lane

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 21-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
 GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD  
 NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd February 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/2-79/331.—Whereas, I,  
 D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 23 situated at Class C on West Avenue Road, Punjabi Bagh area of vill. Mandipur Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Delhi on 9-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur W/o  
 S. Avtar Singh Anand D/o  
 Late S. Beant Singh R/o  
 350/54, Katha Bazar, Bombay-9.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Gambhir and  
 Shri Gulshan Kumar Gambhir  
 S/o Shri Kaku Ram Gambhir  
 R/o A-85, 86 (double storeyed),  
 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing Plot No. 23, in Class C. on West Avenue Road, situated in the colony known as Punjabi Bagh area of Village Madipur Delhi State, Delhi, measuring 541.47 sq. yds. and the boundary of the said plot is as under :—

North : Service Lane  
 South : West Avenue Road.  
 East : Property No. 21  
 West : Plot No. 25

D. P. GOYAL,  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 22-2-1979  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 215/Acq./F.bad/78-79.—Whereas, I,

VIJAY BHARGAV  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Farukhabad on 2-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chunni Devi  
Wd/o Late Nawab Singh,  
R/o Village Nigar, P.O. Karanpur,  
Distt. Farukhabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Anangpal Singh, Om Pal Singh,  
Rishipal Singh, Rajpal Singh  
S/o Shri Gajraj Singh alias Gajjoo Singh,  
R/o Vill. Nigar, P.O. Karanpur,  
Distt. Farukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Nigar Karanpur, Distt. Farukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 56,000/- as against fair market value of Rs. 74,200/-.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Inamul Hak  
S/o Shri Nazir Hussain  
R/o Lahboli, Maglore, Roorkee,  
Shaharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Nayem  
S/o Shri Rahmat,  
S/Shri Nasheem Ahmed, Shaleem Ahemad  
Mohd. Kaleem S/o Shri Karimuddin  
R/o Lahboli, Maglore, Roorkee,  
Shaharanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 152/Roorkee/78-79.—Whereas, I,  
VIJAY BHARGAV  
being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 23-4-78  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16—496GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 Beeghas, 11 Biswas and 15 Biswansi situated at Vill. Lahboli, Maglore, Roorkee, District Shaharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/- as against valuer's report at Rs. 1,25,000/-.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ram Nandani  
W/o Shri Hari Nath  
R/o Vill. Chandpur, Kayamganj,  
Farukhabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Shankerpal Singh, Bishan Singh  
S/o Shri Manohar Singh  
R/o Vill. Chandpur, Kayamganj,  
Farukhabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1978

Ref. No. 262/Acq./Kaimganj/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kayamganj, Farukhabad on 21-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Chandpur, Kayam Ganj, Farukhabad transferred for an apparent consideration of Rs. 56,000/- as against Rs. 94,600/- fair market value.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Pyare S/o Shri Desh Raj Yadav  
R/o Basunda, P.O. Dibiyapur,  
Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Mahraj Singh S/o Shri Chetram Yadav  
R/o Basunda, P.O. Dibiyapur,  
Etawah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd November 1978

Ref. No. 264/Acq/Auraiya/78-79.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 6-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Basunda, P.O. Dibiyapur, District Etawah transferred for an apparent consideration of Rs. 64,480/- as against Rs. 1,08,400/- reported by the Valuation Officer as Fair Market Value.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Lala Gyan Chand S/o Lala Moti Ram,  
R/o 'Nand Villa, Kulsi, Mussorie.

• (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hikmat Singh S/o Shri Khushal Singh,  
R/o 'Nand Villa, Kulsi, Mussorie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Partly in the possession of Transferor & Transferee.  
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 227/Acq./Mussoric/78-79/4376.—Whereas, I, VIJAY BHARGAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussorie on 25-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Constructed house transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/- as against fair market value of Rs. 99,400/- reported by the Valuation Officer, Dehra Dun.

VIJAY BHARGAV  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Tek Chand S/o Shri Sita Ram,  
R/o 78-A, Mahmoodnagar,  
Lisarhi Gate, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Girwar Singh S/o Shri Umrao Singh,  
R/o Garhi, Majra Pachgaon, Patti Amar Singh,  
Teh. & Distt. Meerut.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1979

Ref. No. Acq. 460-A/Meerut/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauza Pachgaon, Patti Sawal, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-, fair market value of which is Rs. 86,312/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th January 1979

Ref. No. Acq/499-A/S.Pur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakur on 26-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vilayat Ali Khan S/o Shri Bhure Khan, R/o Vill. Islamnagar, Post : Khas, Parg. & Teh. Nakur, Distt. Saharanpur. Parg. & Teh. Nakur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtar Ahmed Khan S/o Shri Babu Allah Rakkhe Khan, R/o Vill. Babyala Post : Islamnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Muzaflarpur, Parg. & Teh. Nakur, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 19,800/-, stamp value of which is Rs. 51,160/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nand Lal S/o Shri Dula Ram,  
R/o 122, Dwarikapuri (Jassipura),  
Post : Khas, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Prof. Shri Krishna Srivastava,  
S/o Late Kunwar Bahadur Srivastava, and  
Smt. Asha Rani, W/o Shri Krishna Srivastava,  
R/o 40, Ramanuj Dayal (Nai Basti),  
Ghaziabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th January 1979

Ref. No. Acq/508-A/GBad/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 113, Dwarikapuri (Jassipura), Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-, stamp value of which is at Rs. 10,06,350/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th January 1979

Ref. No. 434-A/B.Sahar/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hapur on 26-6-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Chhidda S/o Shri Lalman  
R/o Malapur Moazzadpur,  
P.T. Hapur.

(Transferor)

(2) S/Shri Subhash Chandra and Dharmpal Singh and  
Saraina w/o Shri Bramhjit Singh  
R/o Chopara Maheshpur P&T Baghpat  
Distt. Meerut and  
Shri Rajkumar S/o Shri Satbir Singh  
R/o Firozpur P. Syana Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in respect  
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Malapur Muzaffarpur P&T  
Hapur Distt. Ghaziabad for an apparent consideration of Rs.  
97,000/- against which stamp value is at Rs. 1,10,935/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 25-1-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 104/Acq./Khair/78-79.—Whereas, I,

**B. C. CHATURVEDI**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khair, Aligarh on 12-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—496GI/78

(1) Shri Inder Singh S/o Shri Dallu  
R/o Biraula Parg. & Teh. Khair  
Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Johar Singh S/o Shri Tikam Singh,  
Raj Kumar Dev Raj under guardianship of  
Smt. Sukhdevi Mother S/o Shri Dharampal  
R/o Biraula Parg. & Teh. Khair  
Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 27 bighas situated at vill. Khair Tchsil Khair Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 40,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Dani Kuwar W/o Shri Puttu Singh  
R/o Vill and Post Machhanda P. Bidhnu  
Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) S/Shri Bansh Lal and Prabhu Dayal  
S/o Lalai  
R/o Purwa Misani, Mugridn,  
Belchhupur and Bhalpurgee  
Mst. Lakhta and Munshi Lal S/o Gayadeen  
R/o Purwa Milni Mauza Mugriha  
P.O. Belchhu P. Bidhnu Distt. Etawah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 121/Acq./Bidhnu/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bidhnu on 7-6-78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land Mauza Mugriha P. Bidhnu Distt.  
Etawah, transferred for an apparent consideration of Rs.  
45,000/- the value of the market which is at Rs. 1,12,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shanti Devi W/o Shri Gyanpal  
R/o Pali Rajakpur Tahsil Kol,  
Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Hardevi W/o Shri Shiv Lal,  
Smt. Lilawati W/o Talevar,  
Smt. Chandrawati W/o Shri Panna Lal  
R/o Phazalpur Pargana & Tahsil Atrauli  
Distt. Aligarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 153/Acq./Iglas/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli on 13-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Agricultural land No. 272 measuring 7/8 part of 16 bigha, 5 biswa 3 biswansi situated at vill. Phazalpur Pargana & Tahsil Atrauli Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 24,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 89,000/-.

## THE SCHEDULE

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 168/Acq/Bidhuna/78-79.—Whereas, I,  
 B. C. CHATURVEDI  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bidhuna on 28-6-78  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Nath S/o Shri Durga Deen, R/o Vill. Pasaipur, Post Mohammadabad, Parg. Bidhuna, Distt. Etawah.  
 (Transferor)

(2) S/ Shri Komal Singh, Nathu Ram, Brindawan Singh, S/o Shri Birbal Singh, R/o Pasaipur and Smt. Gaya Shri Wd/o Shri Ram Krishna Yadav, R/o Nala Nand Gram Hasanpur, and S/Shri Ahirawan and Vishram Singh S/o Shri Khushilal Yadav, R/o Rampur Phoonpha, Post Mohammadabad, Parg. Bidhuna, Distt. Etawah.  
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Vill. Pasaipur Parg. Bidhuna Distt. Etawah. Transferred for an apparent consideration of Rs. 57,000/- the market value which is at Rs. 91,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 179/Acq/Atarauli/78-79.—Whereas, I,  
**B. C. CHATURVEDI**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli, Aligarh on 20-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kishan Singh Mittar Singh  
 S/o Shri Tarif Singh,  
 Shri Nanki S/o Shri Shiv Ram  
 R/o Vilayat nagar Hal Mukam Anapur  
 Pargana Gangiri Tah. Atrauli  
 Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Manohar Lal, Om Prakash, Dharam Singh,  
 Deokinandan minor under guardianship of  
 Shri Manohar Lal Bhai S/o Vidhichand  
 R/o Paindara Pargana & Tahsil Atrauli  
 Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land No. 337 situated at village Gajipur Pargana & Tahsil Atrauli Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 17,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 84,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ranvir Singh S/o Shri Hari Singh,  
R/o Vill. Kamima, Post : Wamna,  
Teh. Mal, Distt. Mathura.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) S/Shri Dorilal, Chamanlal, Deshraj Bachchu,  
S/o Shri Mushilal and others,  
R/o Vill. Kamima, Post : Wamna,  
Teh. Mal, Distt. Mathura.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 229/Acq./Mat/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Mat (Mathura) on 27-6-78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Teh. Mat Distt. Mathura  
transferred for an apparent consideration of Rs. 29,509/- the  
market value which is at Rs. 83,040/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-2-1979  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ualta Prasad adopted S/o Sri Ram Prasad  
R/o Adig Post Khas,  
Parg. & Distt. Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME- TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 297/Acq./78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Mathura on 5-6-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land No. 1066 situated at vill. Adig Parg. &  
Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs.  
45,000/- the fair market value of which has been determined  
at Rs. 87,620/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 298/Acq./Mathura/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 5-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to have been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Jaypal S/o Lakhiram  
R/o Nagla Ramnagar vill. Kujaira  
Tah. & Distt. Mathura.

(Transferor)

(2) S/Shri Hukum Singh, Gulab Singh, Dinesh Singh,  
Govind S/o Sri Ram Sahai  
R/o Nagla Ramnagar vill. Kujaira  
Tah. & Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 336 situated at vill. Kujaira Tah. & Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 24,700/- the fair market value of which has been determined at Rs. 79,420/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur,

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq./318/Aligarh/78-79.—Whereas I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iglas (Aligarh) on 20-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1<sup>st</sup> of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18—496GI/78

1. Smt. Lilawati, Widow of Shri Raghuber Singh  
R/o Gowardhan Siktari, Post : Goda,  
Parg. Hasangarh, Teh. Iglas, Distt. Aligarh.

(Transferor)

2. S. Shri Ramji Lal, S/o Shri Babulal,  
Ram Gopal, Jagdish Prasad, sons of  
Har Prasad, R/o Fatehpur, Majra : Karkha,  
Post : Tohigarh, Parg. Hasangarh,  
Teh : Iglas, Dist. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Majra : Karkha Teh. Iglas Distt. Aligarh. Transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the market value which is at Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979

Seal:

## FORM ITNS

1. Smt. Kiran Kumari Bhargava  
w/o Late Sri Girraj Kishore Singh Bhargava  
r/o 7/56 Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

2 S/Shri Moti Lal Jain, President, Sri Wazir Chand Jain, Sri Gyan Narain Jain, Sri Sulekh Chand Jain, Vice-President, Sri Prem Kumar Jain, Secretary, Sri Dhannamal Jain, Sri Bachu Lal Jain, Deputy Secretary, Sri Virendra Kumar, Sri Nirmal Kumar, Sri Gyan Chandra Somratijan Parishad, Sissmau 108/32 Mahabir Swami Marg, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 357/A/Kanpur/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHFDUE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 1-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property situated at 108/23 Gandhinagar, Kanpur 478 Dashmal, 25 sq. yds, sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 99,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1979

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 360-A/Jansath/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 8-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. S/Shri Puran Singh s/o Pitambar Singh r/o Talda Hal near Bada Post Bikaner, Rajasthan.  
(Transferor)

2. Smt. Mulli d/o Kaley Singh, Smt. Vimla w/o Sri Subzey Singh, Virmati w/o Shyam Singh Smt. Bala widow of Ram Singh r/o Gujar House Pakka Bagh, Khatauli, Pargana Khatauli Tahsil Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land No. 498 measuring 11 bigha 15 biswa 4 plus 8 situated at village Talda Pargana Jauli sold for an apparent consideration of Rs. 71,820/- the fair market value of which has been determined at Rs. 97,200/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Shri Vijay Singh, S/o Lal Hoshiyar Singh, R/o Vill. Talda, Post; Jansath, Parg. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

2. S/Shri Ram Prasad and Ram Kishan, S/O Shri Kanhaiya Lal, R/O Vill : Talda, Parg. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/405-A/Jansath/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 2-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Vill : Talda Post Jansath Distt. Muzaffarnagar Transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the market value which is at Rs. 64,840/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nathi Lal s/o Kundan Lal  
R/o village Raipura Post Firozabad,  
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Mahendra Singh, Ram Sanehi, Virendra  
Singh minor under guardianship of father Adal Singh  
R/o Naglapan Sahai, Majara Mauja Tapa Khurd  
Tahsil Firozabad Distt. Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. 419/Acq/Firozabad/78-79.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Firozabad on 9-6-78  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bigha 5 biswa 2-10 pukhta  
situated at Pargana & Tahsil Firozabad Distt. Agra sold for  
an apparent consideration of Rs. 15,000 the fair market value  
of which has been determined at Rs. 77144/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq./452-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 29-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarvati W/o Shri Rati Ram  
Village Morpur P.O., Meerapur P. Mujha-Sambalheda T. Jansath Distt. Muzaffar Nagar.  
(Transferor)

(2) S/Shri Ratan and Mithan Singh and Kiranpal Singh  
S/o Mukhya Singh and  
Satya Bir Singh S/o Birbal Singh  
Mst. Rajkali W/o Shri Satya Bir Singh  
N. Baral Vill. Khedi Saraj T. Jansath  
Distt. Muzaffar Nagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khedi Saraj Distt. Muzaffar Nagar transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which is Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Haripyari widow of Shri Pokpal,  
R/o Elan Vill. Parg & Teh. Hathras,  
Post : Khas, Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) S. Shri Mohan Singh, Lal Singh, Megh Singh and  
Janak Singh sons of Shri Lila Dhar,  
R/o Godha, Post : Khas, Teh. Kol,  
Distt. Aligarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 2nd February 1979

Ref. No. Acq./132/Hathras/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the competent authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hathras on 15-6-78

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Elan (Parg. & Teh  
Hathras Distt. Aligarh, transferred for an apparent considera-  
tion of Rs. 40,000/- the market value which is at Rs  
71,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-2-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th February 1979

Ref. No. 574-A/DON/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 2-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Ded Raj son of Sri Mani Lal and Smt. Chandra Kanta w/o Sri Ded Raj  
R/o 211 Lunia Mohalla, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar S/o Sri Arjun Dass Matta  
R/o 2 Astlay Hall, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property situated at No. 2 Astlay Hall, Dehradun sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 101,400/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Narmada Bai w/o Sri Tokar Ji Bhai  
R/o Narmada Bhawan, Rai Bahadur Jassaram Road  
Haridwar.  
(Transferor)

(2) Shri Jauhari Lal S/o Sri Brij Lal  
R/o Laxmi Niwas, Rai Bahadur Jassaram Road,  
Srawannath Nagar, Haridwar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February 1979

Ref. No. 598-A/Haridwar/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Haridwar on 6-7-78

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—496G1/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Jassaram Road, Haridwar sold for an apparent consideration of Rs. 138,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1,88,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jagdev Singh s/o Sri Mahavir Singh  
R/o Dhamna Majra Maharajpur Parg. &  
Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Babu Ram Autar, Sri Satya Pal  
sons of Sri Roshan Lal,  
Smt. Buduwanti w/o Sri Roshan Lal  
R/o Herjendra Nagar, Kanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th February 1979

Ref. No. 558-A/Kanpur/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Kanpur on 11-7-78  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property, and  
I have reasons to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Agricultural land No. 99 situated at Mabarajpur Parg &  
Distt. Kanpur sold for an apparent consideration of Rs.  
60,000/- the fair market value of which has been determined  
at Rs. 152,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-2-1979

Seal :

## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th February 1979

Ref. No. 646 A/Haridwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 17-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Shri Jagdamba Prasad, Narain Singh Pisar Mutwas Maharani Jagdamba Devi w/o Late Maharaja Sir Pratap Narain Singh K.C.I.E. r/o Rajsthan Ayo.hya, Parg. Develi Awadh Tah. and Distt. Faizabad.

(Transferor)

(2) Shri Chandi Prasad s/o Pandit Khushi Ram and Ganga Prasad s/o Sri Chandi Prasad R/o Vishnu Ghat Haridwar Parg. Jwalapur Tah. Roorkee Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Vishnu Ghat, Haridwar sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined as Rs. 1,25,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th February 1979

Ref. No. 441-A/Meerut/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 5-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dhoopkali w/o Sri Prem Raj Bramhpuri Hall, Sabzimandi, Ghantaghar near Ambala Talkies, Delhi-Meerut. (Transferor)

(2) Shri Mool Chand Sharma s/o Ramnath Sharma R/o 1619/28 Navin Shahadara, Delhi C/o Allahabad Bank, Timanpur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House property No. 581 Hal 573 Bramhpuri Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 117,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Sahadev Singh, Chowdhary Ishwari Prasad  
R/o Kasba Phalabada Pargana Hastinapur Tah.  
Mawana. Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Narain Singh, Chowdhary Shashiram  
R/o Vill. Bhu-garhi Majara Joni Khurd Parg.  
and Tahsil Meerut now Kasba Phalavada Parg.  
Hastinapur Tahsil Mawana, Distt. Meerut.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd February 1979

Ref. No. 554-A/Mrt/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Mawana on 18-7-78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1923 situated at village Phalavada  
Pargana Hastinapur Distt. Meerut sold for an apparent consideration  
of Rs. 92,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 120,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chimadhar s/o Gangadhar  
R/o village Ujneh Post, Dhagwan Parg. and  
Tah. Rath Distt. Hamirpur.

(Transferor)

(2) Shri Drogpal Khemchand sons of Sripat,  
Pyare Lal, Shiyal s/o Badlu Prasad  
R/o Village Athgav Post Dhagwan Parg. & Tah.  
Rath, Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th February 1979

Ref. No. 160/Acq/Rath/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering officer at  
Rath, Hamirpur on 8-6-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
marked value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agricultural land No. 131 situated at Ujneh Parg. and  
Tah. Rath, Distt. Hamirpur sold for an apparent considera-  
tion of Rs. 22,000/- the fair market value of which has  
been determined at Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 13-2-1979  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th February 1979

Ref. No. 185/Acq/Rath/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rath, Hamirpur on 26-6-78  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sarju Prasad s/o Sunder Lal  
R/o Itayai Post Amgav Parg. and Tah. Rath  
Distt. Hamirpur.  
(Transferor)

(2) S/Shri Shivram Singh, Gur Prasad  
S/o Laxman Singh  
Brijendra Singh minor under guardianship of  
Laxman Singh.  
Kalloo Singh minor son of Sri Bhola Singh  
S/o Daya Ram  
R/o vill. Kacho, Rath, Mohal Chaubdaha Parg. &  
Tah. Rath, Distt. Hamirpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1.49 bigha situated at vill. Itayal Parg. & Tah. Rath Distt. Hamirpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,7000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 136,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-2-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 7th February 1979

Ref. No. AMB/3/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi No. 85 situated at Durrand Road, Ambala Cantt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amrit Lal Sarin  
s/o Shri Rai Sahib Mohan Lall Sarin  
c/o Glaxo Laboratory, Mathura Road,  
Koikela, Delhi.
- (2) Smt. Neelam Sarin  
w/o Shri Sukhdev Ram Sarin  
100, The Mall, Ambala Cantt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 Kothi No. 85 with six servant quarters situated at Durrand Road, Ambala Cantt and as described in sale deed No. 984 dated 20-6-1978 and registered in the office of the Registering authority, Ambala.

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-2-1979

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th February 1979

Ref. No. SNP/7/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 34-L, Model Town situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Sudarshan Lal s/o Shri Rajinder Shah, alias Jinde Shah, Commission Agent, Old Subzi Mandi, Sonepat.

(Transferor)

(2) Smt. Anguri Devi wd/o Shri Raghbir Singh H. No. 34-L, Model Town, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 34-L, Model Town, Sonepat and as mentioned in the sale deed No. 1960 of July, 1978 registered with the Sub-Registrar, Sonepat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—496GI/78

## FORM ITNS—

(1) Smt. Probha Shome, Sri Subroto Shome and Sri Sushanta Shome.

(Transferor)

(2) Shri Jyant Sarma,

(Transferee)

(3) Sri Paresh Nath Sarma.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Lucknow, the 14th December 1978

Ref. No. 3-48/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land and house No. 172-D, Newada, 17-B, Hastings Road, Allahabad situated at Allahabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 6-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A plot of land and house property situate at plot No. 23 at Nasibpur Bakhtiyara, Tehsil Chhail, Distt. Allahabad including house No. 172-D, situate at Newada, 17-B, Hastings Road, Allahabad admeasuring 900-11 sqm. land and cottage on 214.66 sqm. situate at Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and from 37-G No. 1428 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 6-6-78.

AMAR SINGH BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-12-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ganga Devi

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narain Dass &amp; Shri Bhagwan Dass

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW\*

Lucknow, the 7th February 1979

Ref. No. N-27/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

291/1-2 situated at Mohalla Badli Katra, Mirzapur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mirzapur on 30-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

A house No. 291/1-2 situate at Mohalla Badli Katra, Mirzapur City and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 2670 duly registered on 30-6-1978 at the office of the Sub-Registrar, Mirzapur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Narain Dass Sindhi &  
Smt. Kaushaliya

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hira Nand, Dev Kishan & Ghanshyam.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1979

Ref. No. 31-H/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 289/181 situated at Moti Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house No. 289/181 situate at Moti Nagar, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 2916 duly registered at the office of the Sub-Registrar Lucknow on 8-6-1978.

AMAR SINGH BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-2-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Shivgovind Sharan, Hargovind Sharan and Smt. Shivpati Kunwari,  
(Transferor)

(2) Shri Prabhawati Mall  
(Transferee)

(3) Transferor  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1979

Ref. No. P-69/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. B. No. 262 situated at Mohalla Diwan Bazar, Gorakhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gorakhpur on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. M.B. 262 measuring 4000 sqr. ft. situate at Mohalla Diwan Bazar, District Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 4390 duly registered on 7-6-1978 at the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur.

AMAR SINGH BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-2-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Ammu Haji (2) Nabeeza.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. K. Nanu.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. L.C. 250/78-79.—Whereas, I, V. MOHAN LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Chavakkad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 12-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1.22 acres of land with buildings vide document No. 604/78 of S.R.O. Kottappady.

V. MOHAN LAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri K. S. Krishna Iyer

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 8th November 1978

Ref. L.C. 259/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Orumanayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chavakkad on 20-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

82 cents of land vide schedule attached to document No. 806/78 of SRO, Chavakkad.

V. MOHANLAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 8-11-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri K. S. Krishna Iyer.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. K. Noorudhin

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th November 1978

Ref. L.C. 260/78-79.—Whereas, I, V. MOHAN LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Orumanayoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chavakkad on 8-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

79 cents of land vide schedule attached to document No. 772/78 of SRO, Chavakkad.

V. MOHAN LAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mangaladevi Amma & others,  
"Sarojam", Divan Narayana Menon Road, Trichur-1.  
(Transferor)

(2) K. P. Ravindran,  
"Sangeet", Near H. No. 27/135,  
Divan Narayana Menon Road, Trichur-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, ANUPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16th November 1978

Ref. No. I.C. 266/78-79.—Whereas, I, K. Narayana Menon being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 16-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—496GI/78

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to document No. 2687 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Narayanan, Plot No. 7991,  
"Sree Lakshmi Nivas", Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, ANUPARAMBIL BUILDINGS  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-68216, the 20th November 1978

Ref. I.C. 269/78-79.—Whereas, I. K. Narayana Menon being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 14-6-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Chandra Balakrishnan, W/o K. Balakrishnan, Managing Editor & Proprietor, "Express" Malayalam Daily, Trichur-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

60 cents of land with building vide document No. 2713/78 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ettukulam

Date : 20-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 5th February 1979

Ref. No. I.C. 287/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 29-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) K. B. G. Rao Estate (HUF),  
Represented by Shri K. B. Govinda Rao,  
3/647B, Gandhi Road, Calicut 1.

(Transferor)

(2) Shri K. Moosa Haji,  
S/o Kunhiath,  
Methale Kannanankudiyil House,  
P.O. Cheruparamba,  
Via. Thuvakunnu, Cannanore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4th right over the first and second floor of the building as per schedule attached to document No. 580/78 of SRO, Kozhikode.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 5-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Madhusudan D. Sethna, (2) Bharatkumar S. Shethia (3) Surendra D. Seth  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 19th December 1978

Ref. No. AR-I/3063-11/May-78.—Whereas, I V. S. Sheshadri being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 184, 185 & 186 of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Green Ladiwala Co-op. Apartments Co-op. Housing Soc. Ltd.  
(Transferee)

(3) Members of the Society.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered deed No. 2872/Bom/72/Bom and registered on 27-6-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SHESHADRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Bombay.

Date : 19-12-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1979

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-1-1779(778)/12-2/77-78.—  
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, situated at Nagrik Society, Vijaya Nagar Area, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 5-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ratnakar Jadavrat Dholakia,  
P.A. Holder of Dr. Rajendrakumar Prataprai Dholakia, Nagrik Society, Bhuj.

(Transferor)

(2) Shri Umedlal Maganlal P.A. Holder of  
Shri Maganlal Parshottam Bajaria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 500 sq. yds. bearing Plot No. 11, M. No. 10/7/32 situated at Nagrik Society, Vijaya Nagar Area Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 804 dated 5-6-1978.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Zinabhai Anandbhai Kacha;  
Ranmagar, Main Road, Gondal Road,  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Maganlal Kalyanbhai Sheth;  
Shramjivi Society Marg No. 6,  
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th February 1979

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-I-1784(782)/16-6/77-78.  
Whereas, I, S. C. PARIKH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Plot No. 154 situated at Shramjivi Coop. Housing Society,  
Street No. 6, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Rajkot on 4-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A double storied building known as "GOKUL NIWAS"  
standing on land admeasuring 300.00 sq. yds. bearing Plot No.  
154, situated at Shramjivi Coop. Housing Society, Street No.  
6, Rajkot.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12th Feb., 1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I

Bangalore, the 25th November 1978

C.R. No. 62/19382/78-79. Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/A and 1 A 1, First Main road, situated at Srikanta layout, Bangalore-56.0001 (site No. 19 originally) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Gandhinagar, Bangalore Doc No. 944/78-79 on 19-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saraswathi Shantha Ramakrishnan, w/o Shri S. Ramakrishnan, 1/A, Srikanta layout Bangalore. (Transferor)
- (2) 1. Mr. K. Venkatesh Nayak s/o K. Madhava Iyak.  
2. Mr. K. Pundalik Nayak } Children of Sri  
3. Mr. K. Panduranga Nayak } K. V. Nayak.  
4. Mr. K. Harish  
All are residing at 1/A and 1/A-1, First Main road, Srikanta layout Bangalore 560001. (Transferee)
- (3) M/s. Devangere Sugar Mills Ltd., First floor, 1/A and 1/A-1, First main road, Srikanta layout, Bangalore-560001. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 944/78-79 dated 19-6-78. Property bearing No. 1/A and 1/A-1, First Main road, Srikanta layout, Bangalore-560001 (site No. 19 originally division No. 44). Boundaries :

E.—Crescent road.  
W.—Site No. 19/A.  
N.—50' road and  
S.—Channa Basanagowde's property.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-11-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th December 1978

C. R. No. 62/19433/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vavant site No. 716, situated at Binnamangala Layout, 1st Stage, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 922/78-79 on 30-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ziaulla Meccai,  
S/o Sri Arifulla Meccai,  
No. 49, Khazi Street, Basavanagudi,  
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati Saswati Paul,  
W/o Sri Shankar Paul,  
No. 1/18, Ulsoor Road,  
Hanumantha Layout,  
Bangalore-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 922/78-79 Dated 30-6-78]  
Vacant site bearing No. 716, Binnamangala 1st Stage,  
Bangalore City.

## Boundaries :

East—Site No. 717  
South—Site No. 715  
West—Road  
North—Road.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-12-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Shankat,  
S/o Late P. Suryanarayana Setty,  
No. 370, Palace Upper Orchards,  
Bangalore-6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Ansu Ashok Amin,  
W/o Sri Ashok B. Amin,  
No. 196, 38th Cross, 5th Block,  
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th January 1979

C. R. No. 62/19183/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 507, situated at 45th Cross, 5th Block, Jayanagar, Extn., Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 670/78-79 on 8-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 670/78-79 dated 8-6-78]  
Vacant site measuring 507.78 Sq. metres bearing No. 507 situated in 45th Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

## Boundaries:

East—Site No. 506  
West—Site No. 510  
North—45th Cross Road and  
South—Site No. 508

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22—496GI/78

Date : 6-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 6th January 1979

C. R. No. 62/19400/78-79/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mercara, Document No. 416/78-79 on 30-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Sri C. V. Sadashiva Rao, S/o Late C. N. Venkappaya
- (2) Sri C. V. Shankar
- (3) Smt. C. S. Kaveriamma, W/o Late Sri C. V. Srinivasa Rao
- (4) Sri C. S. Dhananjaya represented by mother Smt. S. S. Kaveriamma. All residing at School Road, Madikeri, Kodagu District.
- (5) Yamuna S. Rao now known as Yamuna N. Kodekadi, D/o Sri C. S. Srinivasa Rao and W/o Sri N. Kodekadi represented by acting Holder Smt. C. S. Kaveriamma, School Road, Madikeri, Kodagu District.
- (6) Smt. Gayathri Shashidhar, W/o Sri K. G. Shashidhar, No. 13, Pottery Road, Richards Town, Bangalore—Acting holder Smt. C. S. Kaveriamma, School Road, Madikeri, Coorg Dist.

(Transferors)

- (2) Smt. C. A. Ponnamma, W/o Sri C. V. Shankar, Syndicate Bank, Madikeri, Kodagu Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 416/78-79 Dated 30-6-1978)

All that piece and parcel of land comprising one acre out of the site and the vacant land bearing survey No. 9 of 1.61 acres together with a tiled roofed building with a plinth area of 1800 sft. in Block No. 18, Madikeri Town Municipality, Madikeri Taluk, Kodagu District

Boundaries :

East=The remaining portion of Survey No. 9 and lands in Survey No. 13/1, 13/2 and 14.  
West=Lands bearing Survey No. 515/3 and 18/4.  
North=Lands bearing Survey Nos. 10.514, 515/3 and 9/4.  
South=Land bearing Survey No. 18/4.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6 1-1979

Seal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 8th January 1979

C. R. No. 62/19179/78-79/Acq./B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 692/A.T.S. No. 106, A, situated at Thishileswara Ward, Thishileswara Temple Road, Kasaba Bazaar village, Mangalore I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 216/78-79 on 7-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Devadas Kamath s/o R. Ramaraya Kamath, Thishileswara Temple Road, Mangalore City.  
(Transferor)

(2) Sri P. Subraya Kamath, s/o P. Vittala Kamath Chamber Road, Golikatta Bazar, Mangalore.  
(Transferee)

(3) 1. Shri Venkatesh Prabhu Thishileswara  
2. Shri Krishna Mallya ward Thishileswara  
3. Shri Matti Krishna Prabhu, Thishileswara Temple  
Road,  
4. Shri Vasudeva Pai, Mangalore-1.  
5. Shri Srinivas Prabhu.  
7. Smt. Radha Bai.  
8. Smt. Lalitha Bai.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 216/78-79 dated 7-6-78).

All that piece and parcel of house property situated in Survey No. R.S. No. 692/A.T. No. 106/A in Thishileswara ward, Thishileswara Temple road, Kasaba Bazaar village, Mangalore-575001.

## Boundaries :

East—Properties on R.S. No. 103 and 108  
West—Thishileswara temple road.  
North—Private property on R.S. No. 104/A.  
South—Property on R.S. No. 107.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/19188/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New 37 and Old 51, situated at Lingarajapuram, Ashoka Road, St. Thomas Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 756/78-79 on 9-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Eugene Peter Bird,  
S/o H. R. Bird,  
37, Ashoka Road,  
St. Thomas Town,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Najmunnisa (Najma)  
W/o Akber Ali Khan  
11/1, Bore Bank Road,  
Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 756/78-79 Dated 9-6-78]

All that piece and parcel of land together with building in Survey No. 11, Lingarajapuram, New No. 37 (old No. 50), Ashoka Road, St. Thomas Town, Bangalore, (49th Division).

*Boundaries :*

East—Ashoka Road  
West—Maternity Home etc.  
North—Miss. A. C. D'Silva's house and  
South—No. 1, Hennur Road.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri P. S. Venkatuchalam,  
No. 193, 14th Main Road,  
Vasanthnagar, Bangalore-52.

(Transferor)

(2) Shri K. Ranganathan,  
No. 296, 16th Cross,  
Sadashivanagar, Bangalore-6.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/19194/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 (old No. 631), situated at 17th A Cross, 10th A Main, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 1152/78-79 on 19-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

[Registered Document No. 1152/78-79, Dated 19-6-78]  
House property No. 15 (old No. 631) in 17th A Cross, 10th A Main, Mallaeswaram, Bangalore-3.

## Boundaries :

East=10th A Main,  
West=House of Shri M. R. Subba Rao,  
North=Building No. 460/3,  
South=17th A Cross.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Rina Sankar (formerly Mrs. Rina)  
No. 14, 27/3, Nahar, Juhu Road,  
Bombay-400 054.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maureen Noronha,  
2, Mr. Noel De Nazareth,  
No. 22, Castle Street,  
Bangalore-47.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1979

C. R. No. 62/19430/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 22 and Old No. 96/2, situated at Anjaneya Temple Street, VI Cross, Austin Town, Bangalore-7 (Division No. 61)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 906/78-79 on 28-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 906/78-79 Dated 28-6-78]

All that piece and parcel of land together with residential house bearing No. 96/2 old and New No. 22, in Anjaneya Temple Street, VIth Cross, Austin Town, Bangalore-560007.

## Boundaries :

East=Building site No. 3,  
West=Building site No. 1,  
North=Anjaneya Temple St.  
South=Premises No. 2

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Mallappa,  
S/o Mallappa,  
Chikkahalli Village,  
Mysore Taluk.

(Transferor)

(2) S/Shri  
1. M. Thyagaraj  
2. M. Venkatesha Gowda  
3. M. Rajashekara Gowda  
4. M. Prasanna Kumar  
Residents of Thumkalevanahalli, Belur Taluk,  
Hassan Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1. the 8th January 1979

C. R. No. 62/19203/78-79/Acq. (B).—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 26,000/- and bearing

S. No. 38/2, subsequently numbered as 130/2, 130/3 & 130/4 situated at Chikkahalli Village, Veruna Hobli, Mysore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Taluk—Document No. 466/78-79 on 22-6-78 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 466/78-79 Dated 22-6-78)

All that piece and parcel of land and buildings in S. No. 38/2 subsequently numbered as VPC No. 130/2, 130/3 and 130/4 of Chikkahalli Village, Veruna Hobli, Mysore Taluk.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

(1) Sri B. V. Venkatappa,  
No. 174, 2nd C. Main road,  
6th Block (Yediyur),  
Bangalore-4. (Transferor)

(2) Smt. K. Vimalamma,  
w/o Sri K. N. Sudarshan,  
Residing at premises of Rameswara Temple,  
III Main road, Chamrajpet, Bangalore. (Transferee)

(3) (1) Sri V. S. Ajantha s/o V. Vasudevamurthy,  
284(4) Down stairs, 36th cross, 7th Block,  
Jayanagar Exten, Bangalore.  
(2) Sri C. N. Chandrashekhar s/o Sri C. Narayana  
Iyer, No. 284(4), 7th Block, Jayanagar, Exten,  
Bangalore. [Person(s) in occupation of the property]

Bangalore-560001, the 9th January 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

C. R. No. 62/20367/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 284 situated at 36th Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore Document No. 1026/78-79 on 28-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1026/78-79 Dated 28-6-78]  
House building bearing No. 284, situated in 36th Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore-11.

## Boundaries:

East by site No. 285.  
West by site No. 283.  
North by site No. 279.  
South by 36th cross road.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 12th January 1979

C. R. No. 62/18796/78-79/Acq./B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36 and 37 situated at Basavanna Lane, Kavadi Revanna Shetty pet, Bangalore-2 (Division No. 42) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 807/78-79 on 8-6-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—496GI/78

(1) (1) Sri R. Basappa,  
(2) Smt. Gangamma,  
(3) Sri B. Bharath,  
All residing at No. 37, Basavanna Lane,  
Kavadi Revanna Setty Pet, Bangalore-2.  
(Transferor)

(2) Shri S. Narasimhaian,  
S/o Pobathi Siddalingappa,  
No. 22, Pattabi Ramashastri Lane,  
Nagarthpet, Cross,  
Bangalore-2.  
(Transferee)

(3) (1) Sri Mahendra Kumar  
(2) Sri J. Nagendra  
(3) Smt. Kamalamma

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 807/78-79 dated 8-6-1978)  
House property bearing No. 36 and 37 situated in Basavanna Lane, Kavadi Revanna Setty Pet, Bangalore-2 (Division No. 42).

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-1-1979  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 11th January 1979

C. R. No. 62/20394/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Survey No. 94, 95 and 96 situated at Kodihalli Village, HAL II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1181/78-79 on 2-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Sundara Murthy,  
Shri S. Shanmugam,  
S/o Late S. V. Subramanian,  
No. 23, Mahatma Gandhi Road,  
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M/s. Metal Lamp Caps (India) Ltd  
No. 2, Murphy Road, Ulsoor,  
Bangalore-560008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1181/78-79 Dated 2-8-1978]

Land in Survey No. 94, 95 and 96 measuring 14061 sq. meters together with 212 square meaus house in Kodihalli Village, HAL II Stage, Bangalore.

## Boundaries :

East—Proposed 80' Road.

West—Survey No. 93.

North—CITB land.

South—Metal Lamp Caps (India) Ltd. lands.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 11-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/112.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ho. No. 1379/11, situated at Katra Ahluwalia Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar City on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Kamla Wati wd/o Shri Lal Chand and others Katra Ahluwalia, Amritsar, Kewal Kanna, Sudeshan, Janak Raj, Pomila,
- (2) Shri Jagan Nath Mehra s/o Dev Raj Mehra, 376 Batala Road, Amritsar,
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 1379/11, Katra Ahluwalia, Amritsar as mentioned in the Regd. deed No. 838 dated 5-6-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/113.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 435A Green Avenue, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur wd/o Harbans Singh, Green Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Hans Raj s/o Shri Dharam Dev R/o Chowk Karmo Deori, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 435A, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 918 Dated 9-6-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Puran & Sons through Sarabjit Singh  
s/o S. Puran Singh and Smt. Kuldip Kaur  
wd/o Sh. Joginder Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) M/s. K. B. Machine Factory,  
Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. ASR/78-79/114.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

No. Plot of land Khasra Nos. 1340, 1343, 1344, Sultanwind  
Road, Asr.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Amritsar City on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
to pay tax under the said Act, in respect of any  
income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1125 sq. yds. situated at Sultanwind  
Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 889  
dated 8-6-78 of Registering Authority Amritsar City.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely:—

Date : 6-2-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Buta Singh s/o Maksudan Singh,  
Village Desa Singh, Teh. Batala,  
Distt. Gurdaspur.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Balwant Singh,  
2. Shri Birjinder Pal Singh s/o Shri Harbans Singh  
Village Talwandi Bharth, Teh. Batala  
Distt. Gurdaspur.  
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. BBL/78-79/115.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land, 31K-17M 1/6 share of 190 H—19 M Jhata 2-0 1/2 share of 6.0 at Kila Desa Singh including room Teh. Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Batala on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 63 K-13 M 1/3 share of land 190 K-19 M at Kila Desa Singh 320 Tehsil Batala Distt Gsp. as mentioned in the Regd. Deed No. 2858 of June, 1978 of Registering Authority Batala Teh. and Distt. Amritsar.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1979

Ref. No. BTI /78-79/116.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agril Land situated at Kila Desa Singh including room. Teh. Batala Distt Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Buta Singh s/o Maksudan Singh, Village Desa Singh, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Pal Singh s/o Harbans Singh Village Talwandi Bhoroth Tehsil Batala through Harbans Singh father.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 K—17 M 1/6 share of 190 K—19 M and Jhata 2 K—OM 1/3 share of 6 K—OM at Kila Desa Singh, including room as mentioned in the Registered Deed No. 2948 of June, 1978 of Registering Authority Batala Tehsil and District Gurdaspur.

G. L. GAROO, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri M. V. Mirashi, Principal,  
Govt. Arts & Science College,  
Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kushal W/o Mohindra Bose  
Kharat Town, Nagpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR,  
SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 15th December 1978

No. IAC/ACQ/86/78-79.—Whereas, I, V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Malik Makbuja Plot 100' × 112'—6" With Building M. H. No. 1094 (Old) M. H. No. 285 (New) situated at Dharampeth, Nagpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Malik Makbuja plot 100' × 112'—6" (11,250 sq. ft) With Building there on 3482.77 Sq. ft. having Municipal House No. 1094 (Old) and M. H. No. 285 (New) at Circle No. 20 Divn. No. 8 Dharampeth N.I.T. Plan Block D; plot No. 2 (S. K. Buty's layout) Nagpur.

M. V. R. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-12-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Miss Renu Biswas,  
159 Park St., Calcutta-17.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shahjada Parvez,  
(2) Tanique Mahmood  
(3) Talal Mahmood  
(4) Tahir Mahmood  
(5) Talal Mahmood  
all of 2 Peter Lane, Calcutta-12.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE R-I, CALCUTTA

Calcutta, the 28th December 1978

Ref. No. Sl. 473/TR-459/C-410/Cal-2/78-79.—Whereas, I

I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 159 situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sealdah, Calcutta on 30-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Two-storeyed building situated on 6 Kottas 8 Chittacks 13 sft. of land at premises No. 159 Park Street, Calcutta, and registered with Sub-registrar of assurances, Sealdah, Calcutta under deed No. 712 dated 30-6-78.

J. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

24-496GI78

Date : 28-12-78  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P.) Ltd.,  
6, Harrington Street, Calcutta-16.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Chhabi Mitra  
2. Sri Ranjit Mr. Mitra &  
3. Smt. Basanti Ghosh  
all of 22/6, Monoharpukur Road, Calcutta

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
54 RAFI AHMED KIWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 434/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,  
VASKAR SEN  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Flat D on 1st floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. D on the 1st floor of the building named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN  
Competent Authority,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor)  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Scheme (P.) Ltd.,  
6, Harrington Street, Calcutta-16.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Aruna Roy  
1A, Silpi Nital Pal Lane,  
Calcutta-5.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III.  
54 RAFI AHMED KIWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 433/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, Vaskar Sen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat-A on 7th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flat No. A on the 7th floor of the building named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor)  
Calcutta-16

Date : 3-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P.) Ltd.,  
6, Harrington Street, Calcutta-16.  
(Transferor)

(2) Smt. Kanika Saha  
225B, Rash Behari Avenue,  
Calcutta.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 435/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, Vaskar Sen being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat F on the 6th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire Flot No. F on the 6th floor of the building named 'Jay Jayanti' situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd floor)  
Calcutta-16

Date : 3-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Sri Rajendra Prosad Sanganaria &  
 (2) Sri Lalit Mohan Sanganaria, both sons of Late  
 Brij Mohan Sanganaria,  
 (3) Sm. Narvada Devi, wife of Late Brij Mohan  
 Sanganaria, partners of Sanganaria, En-  
 terprise of 3B, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-  
 cutta-13.  
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Brij Steel Industries (P) Ltd., 3B, Rafi Ahmed  
 Kidwai Rd., Cal-13.  
 (3) Vendee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AC-37/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I,  
 S. C. YADAV,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 situated at  
 Mouza Shampa Nirjanagar P. S. Maheshtala, Dt. 24-Parg-  
 nas  
 (and more fully described in the Schedule annexed  
 hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
 Joint Sub-Registrar of Alipore, Behala on 30-6-1978  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are  
 defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An area of 1.13 acres of land comprised within Dag Nos.  
 267, 268, 269 and 282 appertaining to Khatian Nos. 315,  
 301 and 353 of Mouza Shampa Mirjanagar, P. S. Mahesh-  
 tala, Dt. 24-Parganas.

S. C. YADAV,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-55.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely:—

Date : 12-1-1979  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 12th January 1978

Ref. No. AC-38/R-II/Cal/78-79.—Whereas, J. S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7A, situated at Belvedere Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 2-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Arpita Mitra, Wife of Sri Santanu Mitra, 18/2, Ballygunj Circular Rd. Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Dinabandhu Mondal, son of Sudhir Kumar Mondal, 93/3A, Acharya Prafulla Ch. Dd., Calcutta.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of land with garage at No. 7A, Belvedere Road, Alipore, Calcutta, measuring 3-cuttahs more or less, P. S. Alipore, Dt. 24-Parganas.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-55,

Date : 12-1-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

## FORM ITNS

(1) Smt. Amita Roy 26B, Kalidas Singhee Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sipra Bhattacharjee 8/C, Biplabi Pulin Das Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16. 17th January 1979

Ref. No. 441/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8/C situated at Biplabi Pulin Das Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring one cottah 8 chittacks 21 sq. ft. together with the building erected thereon at premises No. 8/C, Biplabi Pulin Das Street, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Saileswar Chatterjee 9, Panchanantola Lane, Behala  
Calcutta-34.  
(Transferor)

(2) S/Sri Bimalendu Ghosh & Amalendu Ghosh, 9,  
Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.  
(Transferee)

(3) Vendees  
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1978

Ref. No. AC-41/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I,  
S. C. YADAV.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
9, situated at Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub Registrar, Alipore Sadar on 7-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of an undivided land measuring 2-cottahs, & 13-chittaks together with a building, being premises No. 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date : 18-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 12th January 1978

Ref. No. AC-42/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 18K, situated at Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Registrar of Assurances, Calcutta on 1-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
25—496GI/78

(1) M/s. Pranav Investment (MP) Co. Ltd., New Buildings, New Pul Patra, Barkheria Road, Bhopal, M.P. (Transferor)

(2) Shri Rabindra Nath Misra  
Nutan Para, Jalpaiguri.

(Transferee)

\*(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6.0250 cottahs being premises No. 18K, Alipore Road, Calcutta (formerly premises No. 18-B, Alipore Road).

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-55,

Date : 12-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Manjula Bose

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Manashi Roy Chowdhury

(Transferee)

(3) Nirlon Synthetic Co.

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 6th February 1979

Ref. No. SI.447/TR-483/C-436/Cal-2/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 situated at Orient Row, Calcutta-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Cal. on 21-6-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land of 450 Sq. ft. being portion of undivided land measuring 3 k-2Ch. along with two storied building situated thereon at 3, Orient Row, Cal-17 and registered with the Sub-Registrar, Sealdah under Deed No. 1-3484 on 21-6-78.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6th February 1979

Seal :

FORM ITNS

Sri Hemendra Chandra Majumder

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ajit Kumar Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 6th February 1979

Ref. No. AC-52/Asq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

77, situated at Station Road, Burupur, Dist. Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 20-6-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2.42 centahs together with building situated at 77, Station Road, Burupur Dist. Burdwan more particularly as per deed no. 3597 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 6th February 1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD,  
ROHTAK

Rohtak, the 3rd March 1979

Ref. No. BIDR/3/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 17714 Sq. yards situated at Bahadurgarh-Najafgarh Road, Bahadurgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sita Ram s/o  
Shri Muona Lal  
Bahadurgarh, Distt. Rohtak.

(Transferor)

(2) M/s Indian Magsee Alloys Pvt. Ltd.  
5-49, Rajaouri Garden,  
New Delhi-110027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a piece of land measuring 17714 sq. yards situated on Bahadurgarh-Najafgarh Road, Bahadurgarh (Khasra Nos. 1236/2, 1237 and 1242) and as mentioned in the sale deed registered at No. 421 dated 26-8-78 with the Sub-Registrar, Bahadurgarh.

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-3-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD,  
ROHTAK

Rohtak, the 5th March, 1979

Ref. No. BGR/8/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 61 kanal 5 Marla situated at Sarai Khawaja, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hari Ram s/o Shri Jiwna  
2. Shri Budha s/o Shri Cheta.  
3. Shri Lal Singh s/o Shri Khema,  
4. S/Shri Rup Singh, Durga  
ss/o Shri Girdhari.  
5. Smt. Gyosi d/o Shri Girdhari.  
6. Shri Bhima s/o Shri Jiwan Dass.  
7. S/Shri Nihal Singh, Siri Chand  
ss/o Shri Kalu.  
8. Sh. Hansa s/o Shri Ram Sarup.  
9. S/Shri Kewal, Haria, Har Sarup, Mami Chand  
sons & Shrimati Amma wd.  
10. Smt. Chandro d/o Shri Sukh Dev  
all residents of Sarai Khawaja,  
Teh. Ballabgarh.

(Transferors)

- (2) M/s Khosla Foundry (P) Ltd.  
1, Desh Bandhu Gupta Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 61 kanal 5 marlas situated at Sarai Khawaja, Faridabad and as mentioned in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ballabgarh at No. 1798 dated 15-6-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, RohtakDate : 5-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD,  
ROHTAK

Rohtak, the 5th March 1979

Ref. No. BGR/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 61 kanal 5 marla situated at Sarai Khawaja, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Khemka s/o Shri Jiwna.  
2. Shri Budh Singh s/o Cheta.  
3. Smt. Champi d/o Shri Cheta.  
4. Smt. Som Wati d/o Shri Cheta.  
5. S/Shri Rup Singh, Durga ss/o Shri Girdhari.  
6. Sh. Med Singh s/o Shri Heta.  
7. Sh. Mangat S/o Shri Bhima residents of Sarai Khawaja, Faridabad.

(Transferors)

(2) M/s. Khosla Foundry Pvt. Ltd.  
1, Deshbandhu Gupta Road,  
Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 61 kanal 5 marlas situated at Sarai Khawaja, Faridabad and as mentioned in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ballabgarh at No. 1799 dated 15-6-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-3-1979

Seal :